भारतीय निर्यात-आयात बैंक

एक परिवार

एक पृथ्वी

एक भविष्य

सस्टैनेबिलिटी रिपोर्ट 2022-23

इंडिया एक्ज़िम बैंक

विस्तृत जानकारी के लिए
लॉग ऑन करें
www.eximbankindia.in

रिपोर्ट ऑनलाइन देखने के
लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

विषय-सूची

04-09
परिचय और मूल्यांकन प्रभाव

10-25
संपोषी वित्त के लिए प्रतिबद्धता

26-31
पर्यावरणीय प्रभाव का प्रबंधन

32-53
सामाजिक उत्तरदायित्व, सामुदायिक कल्याण और ग्राहक संतुष्टि

54-57
विविधता और कर्मचारी कल्याण

58-66
उत्तरदायित्वपूर्ण आचरण और गवर्नेंस

प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

निर्णय प्रक्रियाओं में हमारी ईएसजी नीति और हमारा ईएसजी फ्रेमवर्क हमारे लिए मार्गदर्शी सिद्धांत के रूप में कार्य करते हैं। इससे हमें भारत और मित्र देशों में संपोषी विकास में योगदान देने में मदद मिलती है।

वर्ष 2022-23 में कई तरह की वैश्विक चुनौतियां सामने आईं। इनमें भू-राजनीतिक संघर्ष, बढ़ती ब्याज दरें और कई भौगोलिक क्षेत्रों में धीमी मांग जैसी चुनौतियां प्रमुख रहीं। इनके अलावा, प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों से जुड़ी कठिनाइयों की बारंबारता ने भी जीवन और आजीविका को प्रभावित किया। हालांकि इन्हीं चुनौतियों के बीच आशा की एक किरण भी नजर आई क्योंकि विभिन्न राष्ट्र सरकारों और निजी क्षेत्र ने भी पर्यावरणीय प्रबंधन और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के प्रयास तेज किए हैं।

इस अवधि के दौरान भारत ने विशेष रूप से सस्टैनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। भारत ने आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के साथ राष्ट्र को 'नेट-जीरो' अर्थात् वातावरण में जहरीली गैसों के शून्य उत्सर्जन की दिशा में अग्रसर किया। भारत का लक्ष्य, वर्ष 2030 तक 2005 की तुलना में अपनी कार्बन-तीव्रता का स्तर 45% तक कम करना है। इसके अलावा, विद्युत ऊर्जा की स्थापित क्षमता का 50% तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा स्रोतों से हासिल करने का लक्ष्य भी है। भारत में ऊर्जा की मांग काफी ज्यादा है। यह लगातार बढ़ने वाली है। इसे ध्यान में रखते हुए भारत की ये प्रतिबद्धताएं जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक संघर्ष को नया मोड़ दे सकती हैं। सस्टैनेबल भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता को समझते हुए भारत ने जी-20 की अपनी अध्यक्षता के दौरान भी हरित विकास, जलवायु वित्त और 'पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली' को अपने प्राथमिकता क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया है।

भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली निर्यात ऋण संस्था के रूप में, भारतीय निर्यात-आयात बैंक ने सस्टैनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। हम अपनी नीतियों को लगातार परिष्कृत करते रहे हैं तथा आंतरिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करते रहे हैं। संपोषी वित्तपोषण पर हमारा फोकस रहा है और अपने परिचालनों के हर पहलू में हम सस्टैनेबिलिटी की अवधारणा को एकीकृत करने का प्रयास करते रहे हैं। यह पहली रिपोर्ट, सस्टैनेबिलिटी के लिए हमारी प्रतिबद्धता में एक और मील का पत्थर साबित होने वाली है। यह हमारे संपूर्ण परिचालनों में अपने हितधारकों को पारदर्शिता, जवाबदेही और सस्टैनेबल पद्धतियां प्रदर्शित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

हरित एवं संपोषी विकास में सहयोग

एक्ज़िम बैंक में, हम भारत और मित्र देशों में संपोषी विकास को बढ़ावा देने तथा कार्बन-उत्सर्जन घटाने की प्रक्रिया (डीकार्बनाइजेशन) में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। हमने अक्षय ऊर्जा, लघु जल-विद्युत, स्वच्छ परिवहन, जल-आपूर्ति और स्वच्छता तथा अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कंपनियों और परियोजनाओं को सहयोग दिया है। इस तरह हम सस्टैनेबल भविष्य के निर्माण में लगातार अपना योगदान दे रहे हैं।

हम अपने उधारकर्ता ग्राहकों के लिए विश्वसनीय सस्टैनेबिलिटी प्रोत्साहनों पर भी फोकस कर रहे हैं। 2022-23 में हमारे द्वारा दिए गए सस्टैनेबिलिटी आधारित ऋण इसका प्रमाण हैं। ये ऋण कंपनी को माप सकने योग्य सस्टैनेबिलिटी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ऐसी पहलें विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरणीय और सामाजिक रूप से सस्टैनेबल पद्धतियों के एकीकरण में योगदान देती हैं। इससे पूरी अर्थव्यवस्था में भी दीर्घकालिक परिवर्तन होता है।

सस्टैनेबल परिचालन को बढ़ावा

हम अपनी गतिविधियों को भी सस्टैनेबिलिटी में वैश्विक रूप से सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों के अनुरूप बना रहे हैं। हमने संपोषी बॉन्ड और ऋण जारी करने के लिए एक पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) फ्रेमवर्क बनाया है। इन बॉन्डों की प्राप्य राशियों का उपयोग छह हरित क्षेत्रों और चार सामाजिक क्षेत्रों की परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। इस फ्रेमवर्क की विश्वसनीयता और प्रभाव की पुष्टि एक 'सेकेंड पार्टी ओपिनियन' (एसपीओ) द्वारा भी की गई है। एसपीओ ने परियोजनाओं से संबंधित सामान्य पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिमों के समाधान करने की बैंक की क्षमता की भी पुष्टि की है।

ईएसजी फ्रेमवर्क के अंतर्गत जनवरी 2023 में हमने 1 बिलियन यूएस डॉलर का 10-वर्षीय सस्टैनेबिलिटी बॉन्ड सफलतापूर्वक जारी किया। इसके साथ ही बैंक भारत से अब तक का सबसे बड़ा सिंगल ट्रांच निवेश-ग्रेड ईएसजी निर्गमकर्ता बना। निवेशकों की जबरदस्त प्रतिसाद ने हमारी सस्टैनेबिलिटी संबंधी प्रतिबद्धता पर भरोसे को प्रदर्शित किया है। इस निर्गम के माध्यम से मिलने वाली राशि का उपयोग हम अपने ईएसजी फ्रेमवर्क के अनुरूप पात्र परियोजनाओं के वित्तपोषण में करेंगे।

वर्ष 2022-23 के दौरान, हमने अपनी 'संपोषी विकास/उत्तरदायी वित्तपोषण के लिए पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस संबंधी नीति' को भी सुदृढ़ किया है। बैंक की संपोषी वित्त समिति द्वारा हर ऋण प्रस्ताव की जांच इस नीति के अंतर्गत की जाती है और उन्हें आंतरिक रूप से विकसित मॉडल के आधार पर उच्च, मध्यम और निम्न ईएसजी जोखिम वाली श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। इस सख्त मूल्यांकन प्रक्रिया के जरिए हम यह सुनिश्चित करते हैं कि संभावित ईएसजी जोखिम कम हो जाएं और हमारी वित्तीय गतिविधियां संपोषी विकास एजेंडा के अनुरूप हों।

इसके अलावा, निर्णय प्रक्रियाओं में हमारी ईएसजी नीति और हमारा ईएसजी फ्रेमवर्क हमारे लिए मार्गदर्शी सिद्धांत के रूप में कार्य करते हैं। इससे हमें भारत और मित्र देशों में संपोषी विकास में योगदान देने में मदद मिलती है।

सामुदायिक विकास और सशक्तीकरण

सस्टैनेबिलिटी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ पर्यावरणीय विचार-प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि हमने इसमें सामाजिक उत्तरदायित्व, सामुदायिक जुड़ाव और कर्मचारी कल्याण को भी शामिल किया है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े हमारे प्रयासों में स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, शिक्षा, खेल, कौशल विकास, आजीविका सहायता और पर्यावरणीय सस्टैनेबिलिटी सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं।

बैंक अपने 'ग्रासरूट उद्यम विकास कार्यक्रम' के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक प्रभाव की दिशा में काम कर रहा है। हम इस कार्यक्रम के तहत, विशेष रूप से, ग्रामीण भारत के छोटे दस्तकारों, शिल्पकारों आदि सहित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के वैश्वीकरण में सहयोग कर रहे हैं। इसके जरिए हम संपोषी और समावेशी विकास के अवसर पैदा कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, हम भारत सरकार की 'निर्यात केंद्र के रूप में जिले' 'DEH' नामक पहल के अंतर्गत चिह्नित चुनिंदा उत्पादों और जिलों से भी जुड़ रहे हैं, ताकि इन क्षेत्रों से निर्यात क्षमता को बढ़ाया जा सके, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा सके और रोजगार सृजित किए जा सकें।

आगामी योजना

आने वाले दशकों में, हम एक नई हरित क्रांति देखने वाले हैं। ऐसी क्रांति जो अनुकूल, सस्टैनेबिलिटी के प्रति जागरूक, शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था की बुनियाद रखेगी। हम इस क्रांति में अपना योगदान देने और इसके लिए लगातार सीखते रहने तथा अपनी गतिविधियों को इसके अनुरूप बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस ट्रांज़िशन के वित्तपोषण और दुनिया में भारतीय कंपनियों को सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से सस्टैनेबल आपूर्तिकर्ताओं के रूप में स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, सस्टैनेबिलिटी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और दृढ़ होती जा रही है।

हर्षा बंगारी

हर्षा बंगारी
प्रबंध निदेशक

परिचय और प्रभाव मूल्यांकन

परिचय

इस सस्टैनेबिलिटी रिपोर्ट में बैंक की सस्टैनेबिलिटी रणनीति, नीतियों, पहलों और कार्यनिष्पादन का एक संक्षिप्त परिचय मिलता है।

भारतीय निर्यात–आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) अपने व्यवसाय परिचालनों को पर्यावरणीय और सामाजिक उत्तरदायित्व के अनुरूप बनाए रखने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है। बैंक समझता है कि दीर्घकालिक आर्थिक विकास, सामाजिक समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण के लिए संपोषी विकास आज अत्यावश्यक है। बैंक ने इसके अनुरूप, अपनी व्यवसाय नीति, रणनीति और परिचालनों में सस्टैनेबिलिटी सिद्धांत को एकीकृत किया है। यह बताता है कि बैंक के लिए अपने ग्राहकों, निवेशकों, कर्मचारियों, समुदायों, सरकार, विनियामकों, विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं सहित विभिन्न हितधारकों के लिए सस्टैनेबिलिटी का बढ़ता महत्त्व कितना मायने रखता है।

बैंक अपने परिचालनों को सस्टैनेबिलिटी उद्देश्यों के अनुरूप बनाते हुए अपने हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के क्रम में यह सुनिश्चित कर रहा है कि पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाएं अपनाई जाएं, सस्टैनेबिलिटी और ट्रांज़िशन फायनैंस पर ध्यान केंद्रित किया जाए, सामाजिक समावेशन और सुशासन को बढ़ावा मिले।

बैंक का सस्टैनेबेलिटी दृष्टिकोण भी भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भारतीय कंपनियों के वैश्वीकरण प्रयासों को बढ़ावा देने के बैंक के उद्देश्य को ही पूरा करता है। भारतीय कंपनियां मित्र देशों, व्यक्तियों और आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों द्वारा न्यून कार्बन उत्सर्जन की दिशा में बढ़ते हुए उनकी बदलती मांगों के अनुरूप काम कर रही हैं और बैंक उन्हें उनके इन प्रयासों में सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस सस्टैनेबिलिटी रिपोर्ट में बैंक की सस्टैनेबिलिटी रणनीति, नीतियों, पहलों और कार्यनिष्पादन का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है।

हितधारक संपर्क और प्रभाव मूल्यांकन

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) भारत की निर्यात विकास यात्रा में सहयोग करते हुए आंतरिक और बाह्य हितधारकों के साथ मिलकर नियमित रूप से काम करता है। इन हितधारकों में बैंक के कर्मचारी भी शामिल हैं, जो बैंक के परिचालनों के सूत्रधार हैं। हितधारकों में से एक भारत सरकार भी है, क्योंकि बैंक भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली संस्था है और पूंजीगत सहायता के लिए सरकार पर निर्भर है। साथ ही, भारत सरकार के निर्देश पर किया जाने वाला बैंक का बड़ा पॉलिसी व्यवसाय भी है।

विनियामक- भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) भी बैंक के महत्त्वपूर्ण हितधारक हैं और बैंक, विनियामकों द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों तथा चर्चा पत्रों को भी ध्यान में रखता है। बैंक बाजार से संसाधन जुटाता है और उन्हें आगे ऋण देने के लिए इस्तेमाल करता है और इस तरह निवेशक भी बैंक के अहम हितधारक हो जाते हैं। बैंक के अन्य बाह्य हितधारकों में उधारकर्ता, आपूर्तिकर्ता और विक्रेता एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व में भागीदार और ग्रासरूट संस्थाएं शामिल हैं।

आंतरिक हितधारकों के साथ चर्चा, आंतरिक समीक्षा और क्षेत्रगत अनुसंधान के आधार पर बैंक के संबंध में प्रभाव मूल्यांकन के लिए 14 विषय चिह्नित किए गए हैं। इन्हें मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में रखा जा सकता है, पर्यावरणीय प्रभाव, सामाजिक और समुदाय प्रभाव तथा अभिशासन।

प्रत्येक श्रेणी के हितधारकों के लिए प्राथमिकता मामलों को समझने की दृष्टि से हितधारकों और उनके चिह्नित संपर्कों के सर्वेक्षण किए गए। इसके साथ-साथ बैंक के व्यवसाय के संबंध में प्रभाव विषयों के महत्त्व का मूल्यांकन करने के लिए आंतरिक हितधारकों का सर्वेक्षण भी किया गया। आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, जिसे नीचे चार्ट के माध्यम से दर्शाया गया है।

एक्ज़िम बैंक का ईएसजी प्रभाव मैट्रिक्स

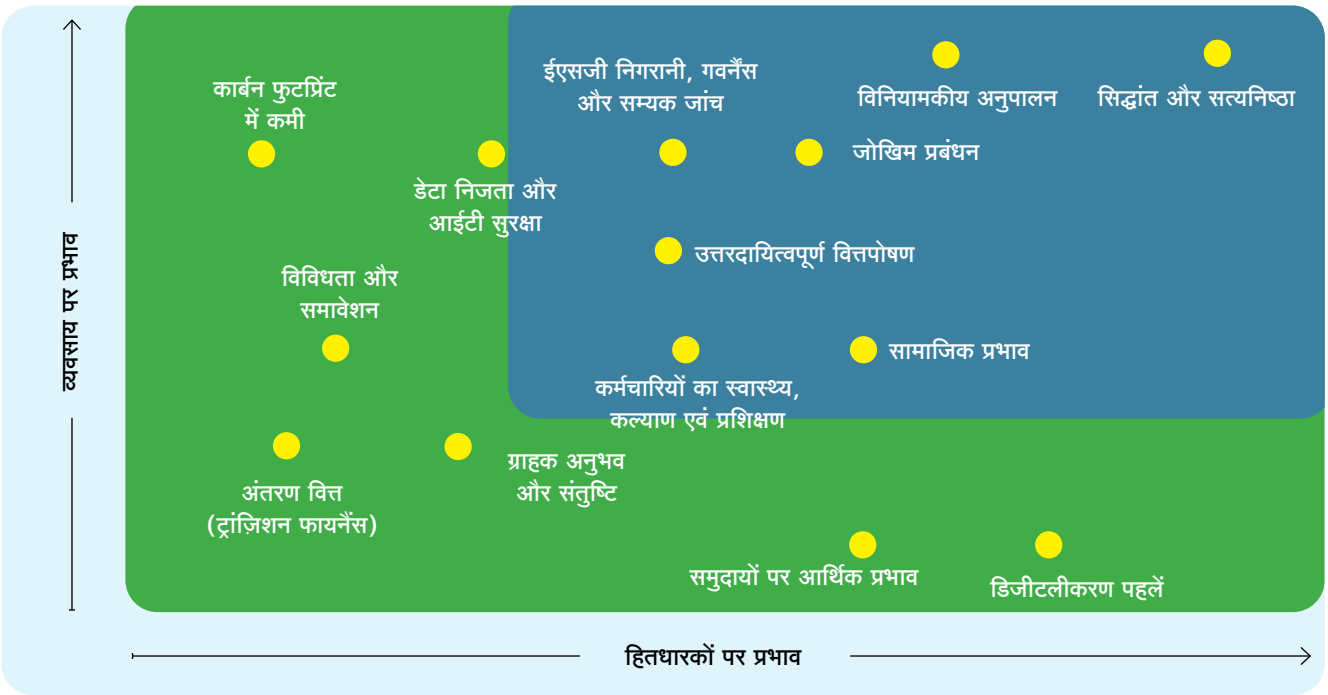

नोट: हितधारकों से प्रभाव विषयों का मूल्यांकन 1 से 5 तक के स्केल पर करने का अनुरोध किया गया था और सभी विषयों को इस स्केल पर 3.5 से अधिक स्कोर किया गया। यह बैंक के लिए सभी विषयों के महत्त्व को रेखांकित करता है। चार्ट में पीले रंग में दर्शाए गए विषय बैंक के संबंध में उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं, जबकि शेष मध्यम प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं।

बैंक के लिए ईएसजी संबंधी विषय

पर्यावरणीय प्रभाव

ईएसजी निगरानी, गवर्नेंस और सम्यक जांच

बैंक में ऋण परिचालनों में ईएसजी जोखिमों को दूर और कम करने के लिए संपोषी विकास / उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तपोषण संबंधी एक व्यापक नीति है। इस नीति में गवर्नेंस संरचना और जोखिम निर्धारण मॉडल निर्धारित किया गया है, जो ईएसजी मामलों में सुदृढ़ निगरानी सुनिश्चित करता है। बैंक जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिमों को समझता है और बैंक ने अपने ईएसजी जोखिम मूल्यांकन मॉडल में जलवायु जोखिम संबंधी पहलुओं को शामिल किया है। बैंक में एक ईएसजी फ्रेमवर्क भी लागू है, जिसमें बैंक की व्यवसाय रणनीति के अनुरूप, सकारात्मक पर्यावरणीय और/या सामाजिक प्रभाव वाली परियोजनाओं के वित्तपोषण की बैंक की प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है।

उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तपोषण – सकारात्मक पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव वाली परियोजनाओं पर फोकस

बैंक उत्तरदायित्वपूर्ण ऋण प्रदान करने और संपोषी गतिविधियों तथा क्षेत्रों के लिए वित्त जुटाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक की संपोषी वित्त समिति, बैंक की सस्टैनेबिलिटी रणनीति को कार्यान्वित करती है और अपने ऋण परिचालनों से न्यूनतम नकारात्मक और अधिकतम सकारात्मक पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभाव के लिए व्यवसाय इकाइयों के साथ मिलकर कार्य करती है।

कार्बन फुटप्रिंट में कमी

बैंक धीरे-धीरे अपने कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में उठाया गया पहला अनिवार्य कदम है, मौजूदा कार्बन फुटप्रिंट को मापना और फुटप्रिंट में वृद्धिशील रूप से कमी करने के उपाय चिह्नित करना। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 से अपने स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन का मूल्यांकन करने का प्रयास किया है।

अंतरण वित्त (ट्रांज़िशन फायनेंस)

बैंक अपने ग्राहकों के न्यून-कार्बन उत्सर्जन की ओर बढ़ने के प्रयासों में सहयोग के महत्त्व को समझता है और कंपनियों को संपोषी तथा अंतरण वित्त प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बढ़ते जलवायु अवरोधों और शून्य कार्बन उत्सर्जन की भारत की अपनी प्रतिबद्धता के साथ ऐसे वित्तपोषण की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

सामाजिक और सामुदायिक प्रभाव

सामाजिक प्रभाव और सामुदायिक कल्याण

बैंक की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति और कार्यक्रमों का उद्देश्य, सामुदायिक उत्थान के सार्थक प्रयासों और संपोषी विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में योगदान देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और खेलों जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे बहुआयामी उपाय जन सशक्तीकरण का माध्यम बन रहे हैं और लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं।

विविधता और समावेशन

बैंक अपने सभी कर्मचारियों को समान अवसर प्रदान करते हुए विविध एवं समावेशी कार्यस्थल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक ने किसी भी रूप में भेदभाव के प्रति ज़ीरो-टॉलरैंस की नीति को अपनाया है।

समुदायों पर आर्थिक प्रभाव

एक्ज़िम बैंक, भारत सरकार के निर्देश पर मित्र देशों को ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान करता है। ये ऋण-व्यवस्थाएं देशों में विकास को सुगम बना रही हैं। बैंक के लिए यह बहुत मायने रखता है कि बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजनाएं मित्र देशों में सकारात्मक आर्थिक-सामाजिक विकास का माध्यम बन रही हैं और बैंक के ऋण परिचालनों का कोई उल्लेखनीय नकारात्मक प्रभाव नहीं है। बैंक के ग्रासरूट उद्यम विकास (ग्रिड) और मार्केटिंग सलाहकारी सेवाएं (मास) कार्यक्रमों ने भी देश में पारंपरिक शिल्प कला से जुड़े लोगों, दस्तकारों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित करते हुए समाज के अपेक्षाकृत वंचित तबकों की आवश्यकताएं पूरी करने में योगदान दिया है।

कर्मचारियों का स्वास्थ्य, कल्याण और प्रशिक्षण

बैंक अपने कर्मचारियों के विकास, उनके कल्याण और निरंतर कौशल विकास की संस्कृति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

डिजीटलीकरण पहलें

बैंक तकनीक में तेजी से हो रही प्रगति का सदुपयोग कर आंतरिक प्रक्रियाओं के डिजटलीकरण, कागज का प्रयोग कम करने और व्यापार तथा वित्त संबंधी जानकारी के प्रभावी प्रचार-प्रसार संबंधी पहलें कर रहा है।

ग्राहक अनुभव और संतुष्टि

बैंक अपने ग्राहकों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए प्रयासरत रहता है अतः उनकी बैंक निर्यातक कंपनियों की ऐसी जरूरतों के अनुरूप नए उत्पाद तैयार करता है और नई पहलें करता है, ताकि अधिक से अधिक ग्राहक इससे लाभान्वित हो सकें।

16 शांति, न्याय और सुदृढ़ संस्थाएं

गवर्नेंस

नैतिकता और सत्यनिष्ठा

बैंक अपने परिचालनों में उच्चतम स्तर की नैतिकता और सत्यनिष्ठा के प्रति कटिबद्ध है। बैंक ने इस प्रकार की नीतियां और फ्रेमवर्क स्थापित किए हैं, जो उच्चतम पेशेवर और सैद्धांतिक मानकों का पालन करने में कर्मचारियों की मदद करते हैं। साथ ही, कर्मचारियों को बैंक की अपेक्षाओं से परिचित कराने के लिए नियमित सत्र भी संचालित किए जाते हैं।

विनियामकीय अनुपालन

बैंक, विनियामकों द्वारा निर्धारित सभी विनियामकीय दिशानिर्देशों का पालन करता है और विनियामकीय घटनाक्रम पर नजर रखता है। संबंधित आंतरिक हितधारकों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, ताकि उन्हें विनियामकीय घटनाक्रम से अपडेट रखा जा सके।

जोखिम प्रबंधन

बैंक में जोखिमों के प्रभावी प्रबंधन के लिए सुदृढ़ नीतियां, फ्रेमवर्क, व्यवस्थाएं और गवर्नेंस संरचना है। बैंक में एक विवेकसम्मत जोखिम संस्कृति बनाने पर ध्यान दिया जाता है। इस क्रम में, सस्टैनेबिलिटी और ईएसजी से जुड़े जोखिमों सहित हर तरह के जोखिम का मूल्यांकन किया जाता है और बैंक के जोखिम प्रोफाइल की सतत निगरानी की जाती है।

डेटा निजता और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सुरक्षा

बैंक अनुकूलन और सुदृढ़ आईटी सुरक्षा प्रणालियों तथा नीति निर्माण को बढ़ावा देने में निवेश कर रहा है। कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के बारे में नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है और साइबर हमलों के प्रभावी उपाय के लिए प्रणालियां और प्रक्रियाएं विद्यमान हैं।

संपोषी वित्त के लिए प्रतिबद्धता

हरित और न्यून कार्बन अंतरण (ट्रांज़िशन) को सुगम बनाना

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों द्वारा पर्यावरण संबंधी अधिसूचनाओं और उपायों में तेजी आई है। वर्ष 2020 में डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई समस्त अधिसूचनाओं में से 16.7% पर्यावरण संबंधी थीं। पिछले दशक में पर्यावरण संबंधी समस्त व्यापार उपायों में लगभग एक तिहाई जलवायु संबंधी रहे। ये उपाय समय के साथ और बढ़ेंगे। विभिन्न उन्नत अर्थव्यवस्थाएं उत्पादन प्रक्रियाओं में कम प्रदूषण फैलाने वाली प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के उपाय कर रही हैं, उदाहरण के लिए, यूरोपीय आयोग ने एक "कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म" प्रस्तावित किया है। इसके तहत सीमेंट, उर्वरकों और धातु-उत्पादों जैसी वस्तुओं के आयात पर शुल्क लगाया जाएगा। अमेरिका भी कुछ कार्बन-गहन आयातों पर प्रदूषक शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है।

जलवायु संबंधी उपाय भारत के लिए थोड़े चुनौतीपूर्ण होंगे। क्योंकि भारत वस्तुओं का निवल आयातक है, किन्तु व्यापार से संबद्ध कार्बन-डाई-ऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जन के मामले में निवल निर्यातक है। वर्ष 2019 में, चीन और रूस के बाद भारत, व्यापार से संबद्ध CO_2 उत्सर्जन की दृष्टि से तीसरा बड़ा निवल निर्यातक था। बहुत मुमकिन है कि एक विकासशील देश के रूप में भारत अपनी बड़ी और बढ़ती ऊर्जा मांग को ध्यान में रखते हुए अपने उत्सर्जनों में तत्काल कमी न ला पाए। किन्तु, भारत के लिए अपने विकास लक्ष्यों को पूरा करते हुए कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर संतुलन बनाए रखना अहम होगा। इस परिप्रेक्ष्य में, भारतीय कंपनियों के वैश्वीकरण प्रयासों पर पर्यावरण संबंधी गैर-टैरिफ बाधाओं का प्रभाव पड़ सकता है।

इसे ध्यान में रखते हुए भारतीय कंपनियों के लिए यह जरूरी है कि वे पर्यावरण और सामाजिक रूप से उत्तरदायी पद्धतियों को अपनाएं और न्यून कार्बन उत्सर्जन वाली कंपनियों में शामिल हों। बढ़ती जलवायु-संबंधी गैर-टैरिफ बाधाओं को देखते हुए संपोषी निर्यात के लिए यह जरूरी होगा। यह भारतीय कंपनियों के लिए भी लाभकारी होगा कि वे अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने, ग्राहकों को जोड़े रखने और संपोषी भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए न्यून कार्बन अंतरण की दिशा में प्रयासरत रहें।

एक्ज़िम बैंक, कॉर्पोरेट और लघु उद्यमों, दोनों व्यवसायों में इस अंतरण को प्राथमिकता देने की तात्कालिकता को समझता है। बैंक मौजूदा और उभरते निर्यातकों की हरित और न्यून-कार्बन अंतरण गतिविधियों में सक्रिय सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में, बैंक ने विशेषत: पर्यावरण और सामाजिक रूप से संपोषी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए संसाधन जुटाए हैं और भारत तथा मित्र देशों में संपोषी परियोजनाओं को सक्रियता से सहायता प्रदान कर रहा है।

संपोषी (सस्टैनेबिलिटी) बॉन्ड

आज के विकासशील परिदृश्य में, अंतरराष्ट्रीय नीतियों में ईएसजी से जुड़े मामले सबसे महत्त्वपूर्ण हो गए हैं। ऐसे ईएसजी लक्ष्यों को चैनलाइज़ करने में वित्त की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

वैश्विक श्रेष्ठ पद्धतियों के अनुसरण में, बैंक ने संपोषी वित्तपोषण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में "सेकेंड पार्टी ओपिनियन" (एसपीओ) के साथ-साथ अपना ईएसजी फ्रेमवर्क स्थापित किया और संपोषी विकास/उत्तरदायी वित्तपोषण के लिए अपनी ईएसजी नीति को सुदृढ़ किया।

ईएसजी वित्त क्षेत्र में अग्रणी बने रहने के लिए अपने सुविचारित और सतत प्रयासों को जारी रखते हुए एक्ज़िम बैंक ने जनवरी, 2023 में अपने ईएसजी फ्रेमवर्क के तहत 144ए/रेग-एस फॉर्मेट में 1 बिलियन यूएस डॉलर का 10 वर्षीय संपोषी बॉन्ड सफलतापूर्वक जारी किया। इस निर्गम के साथ ही बैंक, वर्ष 2023 में भारत का सबसे बड़ा सिंगल ट्रांच निवेश-ग्रेड ईएसजी निर्गमकर्ता और डॉलर तथा संपोषी बॉन्ड निर्गमों के लिए बाजारों को खोलने वाला पहला भारतीय निर्गमकर्ता बना। इस बॉन्ड में उच्च गुणवत्ता वाले निवेशकों और कई नए निवेशकों ने उल्लेखनीय रूप से रुचि दिखाई और निर्गम के लिए 3.7 गुना ऑर्डर मिले। इसमें लगभग 20 प्रतिशत निवेश बिल्कुल नए निवेशकों द्वारा किया गया। इसका वितरण यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका (EMEA) क्षेत्र में 39%, APAC में 32% और यूएसए में 29% रहा। इस निर्गम के लिए निवेशक आधार भी विविधतापूर्ण रहा। इसके आवंटन में दो-तिहाई हिस्सा एशिया के बाहर के निवेशकों का रहा।

इंडिया आईएनएक्स जीएसएम ग्रीन प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाला यह सबसे बड़ा संपोषी बॉन्ड निर्गम है। सामाजिक, हरित और संपोषी वित्तपोषण को समर्पित अफ्रीनेक्स के प्लेटफॉर्म, एफेक्स ग्रीन पर सूचीबद्ध होने वाला यह पहला संपोषी बॉन्ड है। इन सबके अलावा इस बॉन्ड को लंदन स्टॉक एक्सचेंज और सिंगापुर एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध किया गया है।

इस फ्रेमवर्क के अंतर्गत, बैंक के पहले सस्टैनेबिलिटी बॉन्ड में निवेशकों की रुचि को देखते हुए बैंक ने प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए मार्च 2023 में रेग-एस फॉर्मेट में 98.5 मिलियन यूएस डॉलर का अपना दूसरा सस्टैनेबिलिटी बॉन्ड जारी किया।

एक्ज़िम बैंक के पर्यावरणीय सामाजिक गवर्नेंस (ईएसजी) फ्रेमवर्क के अंतर्गत बैंक का 144ए/रेग-एस फॉर्मेट में 1 बिलियन यूएस डॉलर का पहला 10 वर्षीय सस्टैनेबिलिटी बॉन्ड इंडिया आईएनएक्स, गिफ्ट सिटी, गुजरात में लिस्ट किया गया।

प्राप्य राशियों का उपयोग

संपोषी बॉन्डों की निवल प्राप्य राशियों का उपयोग बैंक के ईएसजी फ्रेमवर्क के तहत ऐसी पात्र परियोजनाओं के लिए किया जाएगा, जो इस फ्रेमवर्क में चुनिंदा हरित और सामाजिक श्रेणियों के अनुरूप हों। इनमें अक्षय ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन, आधारभूत सेवाओं और अवसंरचना तक पहुंच, किफायती आवास, और सतत जल एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन संबंधी परियोजनाएं शामिल हैं।

प्राप्य राशियों की निगरानी और ट्रैकिंग प्रक्रिया

बैंक की संपोषी वित्त समिति द्वारा इस फ्रेमवर्क के तहत पात्र परियोजनाओं को चिह्नित किया जाता है। इस तरह यह सुनिश्चित किया जाता है कि ये परियोजनाएं न केवल इस फ्रेमवर्क और एसपीओ में चिह्नित अनुसार "प्राप्य राशियों का उपयोग" का अनुपालन करती हैं, बल्कि एक्ज़िम बैंक में लागू, हरित बॉन्ड सिद्धांतों और सामाजिक बॉन्ड सिद्धांतों और एक्ज़िम बैंक की पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस नीति के भी अनुरूप हैं, जो संबंधित ईएसजी जोखिमों को कम करने के लिए जोखिम प्रबंधन टूल के रूप में भी काम करती है। साथ ही, बैंक ने संपोषी बॉन्ड निर्गम पश्चात समीक्षा के लिए सस्टैनेलिटिक्स की सेवाएं ली हैं और यह समीक्षा बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

एक्ज़िम बैंक, संपोषी वित्त के मामले में अग्रणी रहा है। एक्ज़िम बैंक के इस 2023 संपोषी बॉन्ड ने मार्च 2022 में पिछले निर्गम के बाद से भारतीय निर्गमकर्ताओं के लिए जी3 बाजार को नौ महीने बाद दोबारा खोलने का काम किया है। इसके अलावा, बैंक ने मार्च 2015 में यूएस डॉलर मूल्य वर्ग में भारत का पहला 5 वर्षीय रेग-एस हरित बॉन्ड जारी किया था। यह उस वर्ष एशिया में बेंचमार्क साइज का पहला हरित बॉन्ड था, जो अप्रैल 2020 में परिपक्व हुआ था। 2019 में बैंक ने यूएस डॉलर मूल्यवर्ग में पहला सामाजिक रूप से उत्तरदायी बॉन्ड जारी किया था।

संपोषी बॉन्ड निर्गम पश्चात सस्टैनेलिटिक्स की समीक्षा

"की गई लिमिटेड अश्योरैंस प्रक्रियाओं[2] के आधार पर सस्टैनेलिटिक्स के ध्यान में ऐसा कुछ नहीं आया है, जिससे यह माना जाए कि सभी प्रभाव विषयों में समीक्षित परियोजनाएं इस फ्रेमवर्क में प्राप्य राशियों के उपयोग से संबंधित मानदंडों और रिपोर्टिंग प्रतिबद्धताएं के पालन की पुष्टि नहीं करती हैं। बैंक ने सस्टैनेलिटिक्स को यह प्रकट किया है कि यथा मार्च, 2023 को कुल 1,098.50 मिलियन यूएस डॉलर के निर्गम में से 2023 संपोषी बॉन्ड से प्राप्त 1019 मिलियन यूएस डॉलर की राशि आवंटित की गई और 79.5 मिलियन की शेष अनावंटित राशि को बैंक के लिक्विडिटी दिशानिर्देशों के अनुसार, अल्पावधि जमाओं अथवा निवेश के लिए रखा जाएगा अथवा गैर-हरित गतिविधियों के लिए किसी भी ऋण को छोड़कर, ऋण का भुगतान करने के लिए उपयोग में लाया जाएगा।"

[1] सस्टैनेलिटिक्स के बारे में : सस्टैनेलिटिक्स एक अग्रणी स्वतंत्र पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस अनुसंधान, रेटिंग और विश्लेषणकर्ता फर्म है। इसे (एन्वायर्नमेन्टल एंड क्लाइमेट बॉन्ड इनिशिएटिव) द्वारा सबसे बड़े सेकेंड पार्टी ओपिनियन प्रदाता के रूप में पहचान मिली है।

[2] सस्टैनेलिटिक्स लिमिटेड अश्योरैंस प्रक्रिया में निधिक परियोजनाओं के विवरण, सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उत्तरदायी जारीकर्ता संस्था द्वारा बताए गए अनुसार उन परियोजनाओं की अनुमानित और वास्तविक लागत और उनके प्रभाव सहित उनके विवरण से संबंधित डॉक्यूमेंटेशन की समीक्षा करना शामिल है। सस्टैनेलिटिक्स ने परियोजनाओं की ऑन-साइट विजिट नहीं की है।

[3] एक्ज़िम बैंक जारी किए गए अपने 2023 के संपोषी बॉन्ड की प्राप्य राशियों को निर्गम के समय वर्तमान वित्तीय वर्ष और अगले दो वित्तीय वर्षों (प्रत्येक 31 मार्च को समाप्त) के लिए पूर्णतः आवंटित करने को कटिबद्ध है। बैंक ने यह सूचित किया है कि अनावंटित प्राप्य राशियों को इस निर्गम पश्चात पत्र के तहत सूचीबद्ध पात्र परियोजनाओं के लिए चिह्नित किया जा रहा है।

संपोषी परियोजनाओं को बैंक का सहयोग

स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बढ़ने के लिए भारत की प्रतिबद्धता

7 किफायती और स्वच्छ ऊर्जा

2015 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) को प्रस्तुत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में आठ लक्ष्य हैं। इनमें से तीन क्वांटिटेटिव लक्ष्य हैं, जिन्हें 2030 तक हासिल करना है। ये तीन लक्ष्य हैं – 40 प्रतिशत तक संचयी इलेक्ट्रिक विद्युत स्थापित क्षमता गैर-जीवाश्म संसाधनों से हासिल करना; जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता 2005 के स्तर की तुलना में 33 से 35 प्रतिशत तक कम करना; और अतिरिक्त वृक्षारोपण और वन क्षेत्र के जरिए 2.5 से 3 बिलियन टन CO_2 के समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक तैयार करना यानी जितना कार्बन उत्सर्जन, उससे ज्यादा कार्बन को सोख लेना।

भारत ने अपने एनडीसी को वर्ष 2022 में अद्यतित किया है। अब भारत के नए लक्ष्य हैं, अपने जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 2030 तक 45 प्रतिशत तक कम करना और 2030 तक अपनी संचयी स्थापित इलेक्ट्रिक विद्युत क्षमता का लगभग 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म आधारित संसाधनों से हासिल करना। ये संशोधित लक्ष्य, आर्थिक वृद्धि को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में बढ़ोत्तरी से अलग करने को लेकर भारत की उच्च स्तरीय प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

अद्यतित एनडीसी, वर्ष 2021-2030 की अवधि के दौरान, भारत के स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने के फ्रेमवर्क को दर्शाते हैं। इस अद्यतित फ्रेमवर्क के साथ-साथ कर रियायतें तथा चुनिंदा अक्षय ऊर्जा उत्पादों के विनिर्माण के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना जैसी भारत सरकार की विभिन्न अन्य पहलें, पर्यावरणीय रूप से सजग और संपोषी तरीके से भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने में मददगार होंगी। इससे हरित क्षेत्रों में रोजगारों में समग्र वृद्धि, इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे अल्प उत्सर्जन उत्पादों के विनिर्माण और हरित हाइड्रोजन आदि जैसी नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा मिलेगा। एक्ज़िम बैंक, अपने व्यापक कार्यक्रमों के माध्यम से देश के शून्य कार्बन उत्सर्जन के प्रयासों में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैंक के उत्पाद

एक्ज़िम बैंक के वित्तीय उत्पाद भारतीय निर्यातकों की विभिन्न जरूरतों के अनुसार तैयार किए गए हैं। फिर चाहे वह निर्यात योग्य उत्पाद विकसित करने संबंधी जरूरत हो या विनिर्माण, मार्केटिंग, शिपमेंट, प्रौद्योगिकी के आयात और बाजार पहुंच तथा मूल्य शृंखला संबद्धताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय निवेश जैसी कोई अन्य जरूरत।

पॉलिसी बैंक के रूप में एक्ज़िम बैंक, भारत सरकार की विकास साझेदारियों के सुगमीकरण में भी अहम भूमिका निभाता रहा है। बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋण-व्यवस्थाएं मित्र देशों में भारत की साख बढ़ा रही हैं और स्थानीय समुदाय आर्थिक-सामाजिक विकास से उल्लेखनीय रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। ये ऋण-व्यवस्थाएं भारत से वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के विभिन्न अवसर भी सृजित कर रही हैं।

बैंक ने अपने हितधारकों की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हाल के वर्षों में विभिन्न नए कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। ऐसा ही एक कार्यक्रम है, उभरते सितारे कार्यक्रम (यूएसपी), जिसकी घोषणा माननीय वित्त मंत्री ने वर्ष 2020 के अपने बजट भाषण में की थी। इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रौद्योगिकी, उत्पादों अथवा प्रक्रिया की दृष्टि से बेहतर और अदोहित निर्यात संभावनाओं वाले भारतीय उद्यमों को चिह्नित करना है। यूएसपी के तहत सहायता प्रदान करते हुए बैंक विभिन्न कंपनियों की विकास-यात्रा में उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहा है। साथ ही, रोजगार सृजन, नवोन्मेष को बढ़ावा देने और भारत के निर्यातों के अनुकूल आर्थिक विकास को सुगम बना रहा है।

बैंक ने भारतीय निर्यातकों को नए भू-भागों तक पहुंचने में बाधक बनने वाले अल्पावधि व्यापार वित्त की कमी के अंतर को भरते हुए एक कार्यक्रम शुरू किया है, 'व्यापार सहायता कार्यक्रम' (टैप)। टैप के अंतर्गत, बैंक अंतरराष्ट्रीय व्यापार ट्रांज़ैक्शनों के लिए सहायता प्रदान करता है। यह सहायता व्यापार

लिखतों (ट्रेड इंस्ट्रूमेंट्स) की ऋण सीमा बढ़ाने के रूप में होती है। इसके जरिए बैंक, वाणिज्यिक बैंकों की ऋण क्षमता को बढ़ाता है। वर्ष 2023 के बजट भाषण में गुजरात इंटरनैशनल फायनैंस टेक सिटी (गिफ्ट सिटी), गुजरात, भारत में एक्ज़िम बैंक की एक सहायक कंपनी (सब्सिडियरी) की भी घोषणा की गई, जिसके माध्यम से बैंक, निर्यातकों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की पोस्ट-शिपमेंट वित्तपोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ट्रेड फायनेंस सेवाओं सहित फैक्टरिंग सेवाएं प्रदान करेगा।

बैंक द्वारा संपोषी वित्त

7 किफायती और स्वच्छ ऊर्जा

हरित और संपोषी वित्त को बढ़ावा

एक्ज़िम बैंक अपने ग्राहकों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में सहायता स्वरूप, हरित और संपोषी वित्त प्रदान कर रहा है और संपोषी विकास को बढ़ावा दे रहा है। बैंक एक संपोषी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के महत्त्व को समझता है और जानता है कि नवोन्मेष और विकास के लिए यह जरूरी है। इसलिए हरित और न्यून कार्बन प्रौद्योगिकी तथा संपोषी बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के लिए वित्त को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

अक्षय ऊर्जा

पवन और सौर ऊर्जा जैसी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा की ओर बढ़ने की उल्लेखनीय संभावनाएं हैं। अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान करते हुए बैंक इस दोहरे उद्देश्य में सहयोग कर रहा है और इस प्रकार, ऐसे संपोषी कल के निर्माण में अपना योगदान दे रहा है, जहां स्वच्छ ऊर्जा विपुल भंडार हैं और यह सबकी आसान पहुंच में है।

स्व-खपत सौर ऊर्जा संयंत्र

स्व-खपत सौर ऊर्जा संयंत्र, कंपनियों के लिए अपनी ऊर्जा लागत और कार्बन फुटप्रिंट कम करने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है। स्व-खपत सौर ऊर्जा संयंत्र, ऊर्जा लागत और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के अतिरिक्त, कंपनियों को अपने सस्टैनेबिलिटी लक्ष्यों को पूरा करने और पर्यावरण को महत्त्व देने वाले ग्राहकों तथा हितधारकों के बीच अपनी अलग प्रतिष्ठा बनाने में भी मददगार हो सकते हैं।

बैंक ने एक प्रमुख वाहन विनिर्माता को, उनकी स्व-खपत के लिए जमीन पर 75 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र के विकास के लिए सहायता प्रदान की है। इससे कंपनी को अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल को कम कर स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने में मदद मिली है। यह संयत्र भारत में सबसे बड़े समूह स्व-खपत सौर ऊर्जा संयंत्रों में से एक है, जो एक ही ग्राहक द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है। इस संयंत्र से सालाना 120 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन की उम्मीद है।

एक वाहन विनिर्माता द्वारा स्व-खपत उपभोग के लिए जमीन पर लगाया गया सौर ऊर्जा संयंत्र।

एक वस्त्र कंपनी द्वारा स्व-खपत उपभोग के लिए छत पर लगाया गया सौर ऊर्जा संयंत्र।

एक अन्य मामले में, बैंक ने वर्टिकल रूप से एकीकृत एक टेक्सटाइल कंपनी को उसकी स्व-खपत के लिए छत पर 10 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए वित्त प्रदान किया है। कपड़ा उद्योग की संपूर्ण मूल्य शृंखला में प्रक्रियाओं के मशीनीकरण से बिजली की खपत बढ़ी है। बढ़ती बिजली आवश्यकताओं और अक्षय ऊर्जा की लागत में कमी आने से कपड़ा उद्योग में अनेक कंपनियां किफायती हरित ऊर्जा को चुन रही हैं। छत पर सौर ऊर्जा प्रणालियों का दीर्घकालिक वित्तीय लाभ मिल सकता है। साथ ही, ये पर्यावरणीय सस्टैनेबिलिटी में भी योगदान दे सकती हैं। बैंक ऐसी और कंपनियों को साइट पर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए सहायता प्रदान करने को प्रतिबद्ध है।

सोलर मॉड्यूल विनिर्माण

भारत में अक्षय ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन दुनिया की किसी भी दूसरी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में तेज गति से बढ़ रहा है। 2026 तक इन नवीन स्रोतों से विद्युत उत्पादन दोगुना होने की संभावना है। अक्षय ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भरता को कम करना और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ाना आवश्यक होगा। बैंक अपने वित्तपोषण कार्यक्रमों के माध्यम से इस क्षेत्र में क्षमता वृद्धि में सहयोग कर रहा है। बैंक ने प्रमुख अक्षय ऊर्जा उत्पादकों में से एक के बैकवर्ड एकीकरण के रूप में 4 गीगावाट की सौर मॉड्यूल विनिर्माण इकाई के विकास, निर्माण और परिचालन के लिए सहायता प्रदान की है। कंपनी के विनिर्माण क्षेत्र में कदम रखने से न केवल बैकवर्ड एकीकरण में मदद मिलेगी, बल्कि महत्त्वपूर्ण घटकों के लिए आपूर्ति शृंखला पर इसका बेहतर नियंत्रण भी हो सकेगा।

सोलर वाटर पंप और सोलर कोल्ड रूम

कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कृषि का लगभग 19-29 प्रतिशत हिस्सा है। इसमें भी कृषि-खाद्य प्रणालियों से होने वाले कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में ऊर्जा का लगभग एक तिहाई हिस्सा होता है। स्पष्ट है कि जब कृषि-खाद्य प्रणालियों को निम्न-कार्बन उत्सर्जन में बदलने की बात आती है तो काफी कुछ दांव पर लगा होता है।

बैंक ने अपने 'उभरते सितारे कार्यक्रम' के तहत, एक ऐसी कंपनी को सहयोग प्रदान किया है जो जलवायु-स्मार्ट कृषि के लिए समाधान तैयार कर रही है। प्रौद्योगिकी कंपनी, इकोज़ेन सॉल्यूशंस प्रा.लि. ने ऐसे उत्पाद बनाए हैं, जो न केवल भारतीय कृषि में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं, बल्कि अन्य विकासशील देशों के कृषि क्षेत्र में भी ऊर्जा के पारंपरिक संसाधनों को बदल सकते हैं। इकोज़ेन ने अपनी इकोफ्रॉस्ट उत्पाद शृंखला के जरिए कोल्ड चेन और इकोट्रोन उत्पाद शृंखला के जरिए सिंचाई उद्योग में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। इससे 120,000 से अधिक किसानों की आय में सुधार हुआ है और कृषि क्षेत्र से कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। इससे 1 बिलियन यूनिट से अधिक स्वच्छ ऊर्जा (किलोवाट प्रति घंटा) उत्पन्न करने, 20,000 मीट्रिक टन से अधिक खाद्य हानि को बचाने और 1 मिलियन टन से अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद मिली है। कंपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ रही है, और खुद को अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया में एक विश्वसनीय कृषि मूल्य शृंखला भागीदार के रूप में स्थापित कर रही है।

जलवायु स्मार्ट कृषि समाधानों के लिए सहयोग।

बैंक अपने ऋण-व्यवस्था कार्यक्रम के तहत मित्र विकासशील देशों के ऊर्जा अंतरण एजेंडे में भी सहयोग कर रहा है। इस प्रकार की सहायता के उदाहरणों में अन्य के साथ-साथ, टैमारिंड फॉल्स, मॉरीशस में 8 मेगावाट का सौर पीवी फार्म; मालबाजा, नाइजर में 90 गांवों के सौर विद्युतीकरण और 7 मेगावाट के सौर फोटोवोल्टिक पावर स्टेशन की स्थापना; और कडूना राज्य, नाइजीरिया में अस्पतालों और सौर स्ट्रीट लाइटिंग परियोजनाओं के लिए सौर मिनी ग्रिड की स्थापना जैसे कार्य शामिल हैं।

मोज़ाम्बिक़:
पहला सोलर पीवी पैनल प्लांट

मोज़ाम्बिक़ एक उष्णकटिबंधीय देश है जिसमें उल्लेखनीय सौर ऊर्जा क्षमता है। हालांकि, मोज़ाम्बिक़ की ऊर्जा जरूरतें परंपरागत रूप से लकड़ी और जीवाश्म ईंधन से पूरी होती रही हैं। तथापि, इसकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए, मोज़ाम्बिक़ के ऊर्जा कोष- एफयूएनएई ने सौर तापीय प्रणालियों के लिए आरंभिक प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू की। तथापि, सौर पैनलों का कोई स्थानीय विनिर्माता नहीं था और इन प्रणालियों का आयात करना पड़ा था।

आयात निर्भरता को कम करने और पैनलों को अधिक किफायती बनाने के लिए, एक्ज़िम बैंक ने सौर फोटोवोल्टिक पैनलों के लिए एफयूएनएई के स्वामित्व वाली फैक्टरी स्थापित करने में मदद की। एक समय में पीवी पैनलों के लिए आयात पर खर्च करने वाला मोज़ाम्बिक़ अब पड़ोसी देशों को पीवी पैनलों की आपूर्ति कर विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है। इन सौर पैनलों का उपयोग शहरों से लेकर गांवों, स्कूलों और स्वास्थ्य केन्द्रों तक में व्यापक रूप से किया जा रहा है, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों में बिजली की पहुंच बढ़ रही है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। इस परियोजना से स्थानीय कौशल विकास भी हुआ है, क्योंकि कारखाने के कई कर्मचारियों को औद्योगिक इकाई और उपकरणों के संचालन और रखरखाव के लिए भारत में प्रशिक्षित किया गया था।

पहला सौर पीवी पैनल प्लांट, मोज़ाम्बिक़

मॉरीशस: सोलर पीवी फार्म

मॉरीशस के पास कोई ज्ञात तेल, प्राकृतिक गैस या कोयला भंडार नहीं है। इसलिए यह अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। मॉरीशस सरकार ने अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा नीति में मॉरीशस में ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए एक कार्य योजना बनाई है। इस नीति को सुदृढ़ करने वाला एक सिद्धांत है- आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने की दृष्टि से विद्युत उत्पादन में अक्षय ऊर्जा का अधिक उपयोग करना।

स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में देश को आगे बढ़ने में सहायता करने के लिए, एक्ज़िम बैंक ने टैमारिंड फॉल्स क्षेत्र में 8 मेगावाट के एसी पावर आउटपुट के साथ एक सौर पीवी फार्म स्थापित करने के लिए एक परियोजना का निधीयन किया। इस सौर पीवी फार्म के चालू होने के बाद, सालाना 12 गीगावाट प्रति घंटा से अधिक ऊर्जा उत्पादन की उम्मीद है और यह 2025 तक देश की ऊर्जा जरूरतों में 35 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मॉरीशस सरकार के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा।

मॉरीशस में सोलर पीवी फार्म

नाइजर: सौर पीवी विद्युत स्टेशन की स्थापना और 90 गांवों का सौर विद्युतीकरण

उप-सहारा अफ्रीका में नाइजर की विद्युतीकरण दर सबसे कम है। सात नाइजीरियाई लोगों में से केवल एक तक आधुनिक विद्युत सेवाएं पहुंच रही हैं, और राष्ट्रीय यूटिलिटी के जरिए केवल 4 प्रतिशत ग्रामीण निवासियों तक विद्युत सेवाएं पहुंचती हैं। सौर ऊर्जा देश में तीव्र गति से ऊर्जा की पहुंच बढ़ाने का किफायती और प्रभावी माध्यम है।

एक्ज़िम बैंक ने स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने की देश की योजना में योगदान देते हुए मालबाजा, नाइजर में 7 मेगावाट के सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) विद्युत स्टेशन के लिए सहयोग प्रदान किया। इस संयंत्र में 11 हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 21,500 सौर पैनल हैं। यह संयंत्र ग्रिड से जुड़ा हुआ है और इससे देश के मडौआ, मालबाजा और कोन्नी क्षेत्रों में लगभग 30,000 घरों को बिजली की आपूर्ति होती है।

पावर प्लांट के अलावा, बैंक ने नाइजर में ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पहुंच बढ़ाने के लिए ऑफ-ग्रिड पहलों के लिए भी सहायता प्रदान की है, जो ग्रिड से नहीं जुड़े हैं। बैंक ने देश के 90 गांवों के विद्युतीकरण का निधीयन किया है। इस सहायता से 8,950 घरों और लगभग 45,300 ग्रामीणों को बिजली मिल रही है। इसके अलावा, प्रत्येक गांव में स्कूल कक्षाओं, एक एकीकृत स्वास्थ्य केन्द्र, एक मस्जिद और एक मनोरंजन केंद्र का भी विद्युतीकरण किया गया।

इस परियोजना का स्थानीय समुदाय पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है। ग्रामीणों की बिजली की जरूरतें पूरी हो रही हैं, छात्र रात में पढ़ाई कर सकते हैं, ग्रामीण दुकानों पर अतिरिक्त पैसा दिए बिना घर पर मोबाइल चार्ज कर सकते हैं और महिलाएं रात में सिलाई, बुनाई आदि जैसे काम कर सकती हैं और इस तरह जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। बिजली की बेहतर पहुंच से होने वाले इन लाभों के अलावा, इस परियोजना से 330 लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हुए।

इसके अलावा, इस परियोजना के तहत, 10 गांवों में सौर जल पम्पिंग सिस्टम भी स्थापित किए गए हैं, जिससे इन गांवों को पेयजल और अन्य आवश्यकताओं के लिए पानी उपलब्ध हो सके। नाइजर में इस सहायता से 15,000 से अधिक लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलता है।

नाइजर में गांवों का विद्युतीकरण

नाइजीरिया: अस्पतालों और सौर स्ट्रीट लाइटिंग परियोजनाओं के लिए सोलर मिनी ग्रिड

मिनी-ग्रिड छोटे पैमाने के विद्युत जनरेटरों का एक सेट होता है और यह वितरण नेटवर्क से जुड़ी ऊर्जा भंडारण प्रणालियां होती हैं जो ग्राहकों के एक छोटे, स्थानीय समूह को बिजली की आपूर्ति करती हैं और राष्ट्रीय ट्रांसमिशन ग्रिड से अलग, स्वतंत्र रूप से संचालित होती हैं। बैंक ने नाइजीरिया में अस्पतालों और सौर स्ट्रीट लाइटिंग परियोजनाओं के लिए सौर मिनी ग्रिड स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस परियोजना से लोगों को किफायती दरों पर बिजली मिलेगी। साथ ही, सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। नाइजीरिया के नागरिकों की रहन-सहन की स्थिति में सुधार आएगा और अच्छी व किफायती चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

नाइजीरिया में अस्पतालों और सोलर स्ट्रीट लाइटिंग परियोजनाओं के लिए सौर मिनी ग्रिड।

लघु जलविद्युत (हाइड्रोपावर) परियोजनाएं

बड़ी जलविद्युत योजनाओं के विपरीत, लघु जलविद्युत परियोजना, स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा स्रोत है। लघु जलविद्युत के लिए जलाशय की आवश्यकता नहीं होती है। इसीलिए इस प्रक्रिया में मीथेन उत्पादन नहीं होता है, जो एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है। छोटी जलविद्युत परियोजनाएं कम जगह लेती हैं। चूंकि इनके लिए जलाशय नहीं बनाया जाता इसलिए इन परियोजनाओं के आसपास रहने वाले लोगों को विस्थापित भी नहीं करना पड़ता और विस्थापन के लिहाज से समुदायों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है।

बैंक ने जलविद्युत संयंत्रों के लिए इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उपकरण और सेवाओं के एक आपूर्तिकर्ता को विदेशों में निर्यात कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने और निष्पादित करने के लिए बैंक गारंटियों के माध्यम से सहयोग प्रदान किया है। इस कंपनी की भारतीय उपमहाद्वीप में अग्रणी स्थिति है और यह दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में जलविद्युत संयंत्रों के लिए हाइड्रो-मैकेनिकल और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उपकरण प्रदान कर रही है। बैंक की सहायता से इस कंपनी ने नेपाल, भूटान जैसे देशों और सीएलएमवी क्षेत्र के देशों में लघु जलविद्युत परियोजनाओं को निष्पादित किया है, जिससे इन देशों में बिजली आपूर्ति बढ़ी है।

ईंधन सेल (फ्यूल सेल)

ईंधन सेल विद्युत रासायनिक उपकरण होते हैं जो रासायनिक ऊर्जा को किसी ईंधन में बदलने (सामान्यतया हाइड्रोजन में) का काम करते हैं और ऑक्सीडेंट (हवा से ऑक्सीजन) को विद्युत ऊर्जा, ऊष्मा और पानी में परिवर्तित करते हैं। ईंधन सेल अत्यधिक शक्तिशाली होते हैं और पारंपरिक जीवाश्म-ईंधन आधारित विद्युत उत्पादन की तुलना में कम उत्सर्जन के साथ बिजली पैदा कर सकते हैं। ये सेल अर्थव्यवस्थाओं को संपोषी बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इस क्षेत्र में, बैंक ने एक ऐसी कंपनी को सहयोग प्रदान किया है जो स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन प्रक्रियाओं में उपयोग किए जाने वाले ईंधन सेल के हॉट बॉक्स की आपूर्तिकर्ता है। कंपनी, एमटीएआर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, बिजली पैदा करने के लिए मीथेन का उपयोग करने वाले ग्राहकों को हॉट बॉक्स की आपूर्ति कर रही है, जो कम कार्बन-गहन बिजली उत्पादन प्रक्रिया है और जो पारंपरिक थर्मल पावर प्लांट की तुलना में 66.6% कम कार्बन उत्सर्जन पैदा करता है। कंपनी ने हाल ही में हाइड्रोजन बॉक्स भी विकसित किए हैं, जो बिजली पैदा करने के लिए इनपुट के रूप में हाइड्रोजन लेते हैं और इनके जरिए बिजली उत्पादन प्रक्रिया पूरी तरह से कार्बन न्यूट्रल है। बैंक ने बिजली इकाइयों, विशेष रूप से हॉट बॉक्स की आपूर्ति के लिए उत्पादन क्षमता बढ़ाने की कंपनी की योजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

ईंधन सेलों के लिए एमटीएआर टेक्नोलॉजीज़ द्वारा हॉट बॉक्स की आपूर्ति

ऊर्जा दक्षता

12 सम्यक उपभोग और उत्पादन

ऊर्जादक्ष उपकरण अपने पारंपरिक समान उपकरणों की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं और इनकी कार्यक्षमता उनके समान है। बढ़ी हुई ऊर्जा दक्षता से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आ सकती है। ऐसी तकनीकों का वित्तपोषण संपोषी कल के लिए महत्त्वपूर्ण होगा।

बैंक ने अपने 'उभरते सितारे कार्यक्रम' के तहत एटमबर्ग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक कंपनी को सहायता प्रदान की है। यह कंपनी छत वाले पंखे और मिक्सर ग्राइंडर जैसे ऊर्जा ऊर्जादक्ष उपकरणों का विनिर्माण करती है। इस कंपनी को सोसायटी फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप, आईआईटी मुंबई में इनक्यूबेट किया गया है और यह ब्रशलेस डीसी (बीएलडीसी) मोटर पावर्ड स्मार्ट और ऊर्जादक्ष घरेलू उपकरणों का विनिर्माण करती है। कंपनी ने भारत का पहला इन्वर्टर बीएलडीसी मोटर पावर्ड मिक्सर ग्राइंडर भी लॉन्च किया है। कंपनी के उत्पाद आईओटी आधारित हैं और 65 प्रतिशत तक कम ऊर्जा की खपत करने वाले हैं। कंपनी को इसकी स्थापना के बाद से कई पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। एक्ज़िम बैंक की सहायता से कंपनी को एक नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने और अपनी उत्पादन क्षमता को दोगुना करने में मदद मिली है।

एटमबर्ग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विनिर्मित उन्नत और ऊर्जादक्ष घरेलू उपकरण

स्वच्छ परिवहन

11 संपोषी शहर और समुदाय

स्वच्छ परिवहन से तात्पर्य, जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल करने वाले और वायु प्रदूषण करने वाले पारंपरिक वाहनों की तुलना में कम या शून्य उत्सर्जन वाले परिवहन के साधनों से है। जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वच्छ परिवहन विकल्पों का महत्त्व भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इस विशेष खंड में, बैंक द्वारा सहायता प्राप्त कंपनियों में से एक है, ई-गियर्ज़ प्राइवेट लिमिटेड। यह कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइब्रिड वाहनों और वाहनों के लिए विभिन्न पुर्जों और अत्याधुनिक ट्रांसमिशनों की विनिर्माता है। कंपनी ऑटोमोटिव उद्योग, खास तौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों और हाइब्रिड वाहनों के लिए इलेक्ट्रिकल-ऑटोरिक्शा (इन-सिटी ट्रांसपोर्ट व्हीकल) डिफरेंशियल गियरबॉक्स, ई-बाइक गियर बॉक्स, डिफरेंशियल असेंबली, एक्सियल फ्लक्स मोटर असेंबली, स्टार्टर, रोटर, सॉफ्ट मैग्नेटिक स्टाम्प पार्ट्स और विभिन्न असेंबली पार्ट्स भी बनाती है।

बैंक इस विशेष खंड में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) प्रयासों में सहायता प्रदान कर रहा है। बैंक ने एक वाहन विनिर्माता को अपने अनुसंधान और विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मीयादी ऋण मंजूर किया है। यह ऋण कंपनी को एकीकृत ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक सिस्टम वाले वाहनों के निर्माण में मदद के लिए है। यदि इंजन में कोई ऐसी गड़बड़ी हो जाती है, जिससे वाहन की उत्सर्जन क्षमता प्रभावित होती है, तो यह सिस्टम खुद इसका पता लगा लेता है और वाहन चालक/परिचालक को इन संभावित समस्याओं के बारे में अलर्ट करता है। बैंक ने इस कंपनी को बीएस VI आवश्यकताओं के अनुरूप वाहनों के विनिर्माण में भी सहयोग प्रदान किया है।

ई-गियर्ज़ प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइब्रिड वाहनों और ऑटोमोटिव संबंधी अत्याधुनिक ट्रांसमिशन असेंबली।

मॉरीशस: इलेक्ट्रिक मेट्रो परियोजना

मॉरीशस सरकार ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने, यात्रा के समय और लागत को कम करने, गैर-नवीकरणीय संसाधनों की खपत को कम करने, परिवहन प्रणालियों को और किफायती बनाने और परिवहन से होने वाले स्थानीय प्रदूषण और इसके प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने पर केंद्रित एक परिवहन रणनीति पर काम कर रही है।

एक्ज़िम बैंक ने ऋण-व्यवस्था कार्यक्रम के तहत, पोर्ट लुई से क्योरपाइप के बीच डुअल ट्रैक स्टैंडर्ड-गेज लाइट रेल ट्रांजिट सिस्टम के निर्माण और रेडुइट से रोज़हिल तक मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना के विस्तार के लिए सहयोग प्रदान किया है। इससे मॉरीशस में यात्रियों को इलेक्ट्रिक रेल आधारित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मिलेगी। मेट्रो से रेडुइट से रोज़हिल स्टेशन तक मेट्रो यात्रियों को जल्दी-जल्दी, समय पर और तेज सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मिलेगी और कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।

मॉरीशस में मेट्रो रेल परियोजना।

सतत जल और अपशिष्ट प्रबंधन

6 साफ पानी और स्वच्छता

साफ पानी और स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच, स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए सबसे बुनियादी मानवीय जरूरतों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, 2020 में सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सेवाओं के अभाव में रहने वाले लोगों की संख्या 2 बिलियन थी, जिनमें से 1.2 बिलियन लोग बुनियादी स्तर की सेवा से भी वंचित रहे। जलवायु परिवर्तन पानी की उपलब्धता और मांग को और भी अधिक अनिश्चित बना देता है, और जल सुरक्षा की चुनौती को बढ़ा देता है।

मलावी: जल शोधन संयंत्र सहित नई जल-आपूर्ति प्रणाली

भारत सरकार के विकास साझेदारी कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में, इस क्षेत्र में एक्ज़िम बैंक की सहायता जल-सुरक्षित विश्व के निर्माण में योगदान दे रही है। इस तरह की सहायता का एक उदाहरण है, मलावी में नई जल आपूर्ति प्रणाली का निर्माण। इसमें मलावी के मुलांजे में लिखुबुला नदी से ब्लैंटायर तक जल शोधन संयत्र का निर्माण भी शामिल है। मलावी का दूसरा सबसे बड़ा शहर ब्लैंटायर, देश का वित्त और वाणिज्य केंद्र है। पिछले एक दशक में यहां तेजी से शहरीकरण हुआ है, जिसके कारण शहर की प्रति दिन पानी की आवश्यकता बढ़कर 120,000 क्यूबिक मीटर हो गई है। इस क्षेत्र में पुराना जल शोधन संयंत्र बढ़ी हुई आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पा रहा था, और शहर पानी की कमी और जलजनित रोगों से लगातार ग्रस्त था। एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रदत्त सहायता से इस गंभीर समस्या को हल करने में मदद मिली है।

एक्ज़िम बैंक के सहयोग से निर्मित नई जल आपूर्ति प्रणाली से जल आपूर्ति में 20,000 क्यूबिक मीटर की वृद्धि हुई है। पानी की बेहतर पहुंच और गुणवत्ता के चलते इस क्षेत्र में अब जल औसतन 18 से 23 घंटे हो गई है, और अनिश्चित जल आपूर्ति से राहत मिली है। पानी की बेहतर पहुंच से इस क्षेत्र के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम भी सामने आए हैं।

यह सहयोग, एक्ज़िम बैंक की सहायता से मित्र देशों में लगाई जाने वाली परियोजनाओं में प्रयुक्त भारतीय उपकरण और प्रौद्योगिकी, अपनी उपयुक्तता, अनुकूल और किफायती

प्रकृति की दृष्टि से भी एक मिसाल रहा। इस परियोजना के अंतर्गत, उच्च लागत वाले बिजली के पंपों के बजाय गुरुत्वाकर्षण प्रवाह वाली पाइपलाइन लगाई गई, जिससे यह न केवल पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सस्टैनेबेल हो गई है, बल्कि ब्लैंटायर जल बोर्ड को भी इससे काफी बचत हुई है।

नई जल आपूर्ति प्रणाली के निर्माण से स्थानीय समुदाय को भी कई लाभ हुए हैं। परियोजना के निर्माण चरण के दौरान, महिलाओं सहित सैकड़ों लोगों को इस परियोजना में रोजगार मिला। इसके अलावा, भंडारण टैंक के लिए एक सर्विस रोड अब स्थानीय लोगों की राह को सुगम बना रहा है।

मलावी में जल प्रणाली।

प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण

14 जलीय जीवन

प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण से तात्पर्य, पर्यावरण में प्रदूषक तत्त्वों के उत्सर्जन को कम या समाप्त करते हुए मानव स्वास्थ्य और प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं और इस दिशा में किए जाने वाले उपायों से है। ये उपाय पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। बैंक अपने विभिन्न उत्पादों के जरिए, ऐसे उत्पादों की विनिर्माता और ऐसी प्रौद्योगिकियां विकसित करने वाली कंपनियों को अपने सहयोग प्रदान करता है, जो उत्सर्जन को कम करने, अपशिष्ट को रिसाइकल करने या प्रदूषकों के शोधन के लिए नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियां विकसित कर रही हैं।

प्लास्टिक रिसाइक्लिंग

बैंक ने उपभोक्ता उत्पाद पैकेजिंग के लिए 'नियर वर्जिन क्वालिटी' के रिसाइकल्ड प्लास्टिक के दानों के उत्पादन में पुरस्कार विजेता अग्रणी कंपनी, बनयान सस्टैनेबल वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को सहयोग प्रदान किया है। यह कंपनी हर महीने 1,000 टन से अधिक का प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करती है, और उन्हें ऐसे दानों में परिवर्तित करती है, जिन्हें पुन: इस्तेमाल किया जा सकता है और इस तरह सर्कुलर अर्थव्यवस्था में भी योगदान देती है। यह कंपनी उच्च घनत्व वाले पॉली एथिलीन (एचडीपीई) और पॉलीप्रोपलीन (पीपी) प्लास्टिक, जैसे डिटर्जेंट की बोतलें या टॉयलेट क्लीनर को उनके डिजिटाइज्ड और ट्रेस करने योग्य अनौपचारिक आपूर्ति शृंखला–कचरा उठाने वालों के नेटवर्क के माध्यम से एकत्र करती है। इसके बाद रिसाइक्लिंग प्रक्रिया शुरू होती है। सबसे पहले, सफाई तकनीक सभी दूषित पदार्थों, लेबल, चिपकने वाले पदार्थ, स्याही, गंदगी आदि को हटाया जाता है। एक गहन प्रक्रिया के बाद, उन्हें दानों में बदल दिया जाता है, जो गुणवत्ता में वर्जिन एचडीपीई प्लास्टिक के समतुल्य होते हैं। इनसे प्लास्टिक के डिब्बे बनाने के लिए इन्हें एफएमसीजी और लूब्रिकैंट कंपनियों को बेचा जाता है और इस प्रकार यह चक्र पूरा होता है।

यह कंपनी अपने परिचालनों में प्रौद्योगिकी का सदुपयोग करती है। यह देश की उन पहली कंपनियों में से एक है, जो औद्योगिक प्लास्टिक कचरे के साथ–साथ उपभोक्ताओं द्वारा इस्तेमाल के बाद के प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करने के लिए अनौपचारिक क्षेत्र के अंतिम पंक्ति के हजारों संग्राहकों तक को अपनी आपूर्ति शृंखला से जोड़ने के लिए मोबाइल, क्लाउड और आईओटी का उपयोग करती हैं। अब इस प्लैटफॉर्म का विस्तार नकदी की तंगी से जूझ रही नगरपालिकाओं को अपने शहरों

बनयान सस्टैनेबल वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 'नियर वर्जिन क्वालिटी' के रिसाइकल्ड प्लास्टिक के दानों का उत्पादन।

के अपशिष्ट प्रवाह को समझने और कचरा प्रबंधन को अधिक दक्ष, प्रभावी और किफायती बनाने में डेटा-केंद्रित दृष्टिकोण का उपयोग करने के लिए किया गया है।

कंपनी ने एक अत्याधुनिक, जल पुनर्प्राप्ति, रिसाइक्लिंग और प्रबंधन प्रणाली में भी निवेश किया है, जिसके जरिए न केवल पानी की सर्वोत्तम गुणवत्ता का उपयोग किया जाता है, बल्कि जितने पानी का इस्तेमाल किया जाता है, उसका लगभग 100 प्रतिशत वापस भी मिल जाता है।

बैंक के सहयोग से, यह कंपनी मशीनरी और क्षमता वृद्धि में निवेश के माध्यम से तेजी से विस्तार करना चाहती है। इससे कच्चे माल की सोर्सिंग और प्रक्रिया में भी सुधार होगा।

उत्सर्जित गैसों से हरित ऊर्जा

बैंक नवोन्मेषी प्रक्रियाओं के माध्यम से बिजली के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए भी कंपनियों को सहायता प्रदान कर रहा है। इस तरह की सहायता का एक उदाहरण, 7 मेगावाट की क्षमता वाली अतिरिक्त बिजली उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए एक कंपनी को दिया गया सहयोग है, जिसमें गैस से बिजली का उत्पादन किया जाएगा जो कि कंपनी की उत्पादन प्रक्रिया में सह-उत्पाद है। कंपनी अपने संयंत्रों हेतु बिजली उत्पादन के लिए अपनी निर्माण प्रक्रिया में उत्सर्जित अपशिष्ट गैसों का उपयोग करेगी। इससे प्रदूषण में कमी आएगी, क्योंकि अपशिष्ट गैसों को वातावरण में नहीं छोड़ा जाएगा। इससे कंपनी को बिजली के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलेगी। कंपनी को विद्युत उत्पादन में इस प्रक्रिया के उपयोग के लिए जलवायु परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के क्योटो प्रोटोकॉल के तहत कार्बन क्रेडिट प्रदान किए गए हैं।

सामाजिक वित्तपोषण

3 अच्छा स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती

ज़ाम्बिया: प्री-फैब्रिकेटेड स्वास्थ्य केंद्र

बैंक ने ज़ाम्बिया के विभिन्न प्रांतों में 650 प्री-फैब्रिकेटेड स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के लिए सहयोग प्रदान किया है। इस परियोजना में स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ सौर ऊर्जा, बोरहोल की खुदाई और हैंडपंपों की स्थापना जैसे काम शामिल थे। इनके निर्माण, और आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति और स्थापना से ज़ाम्बिया में ग्रामीण आबादी को स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ने में मदद मिली है। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा में इस महत्त्वपूर्ण निवेश से ज़ाम्बिया के दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में भी सुधार आएगा। ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र से 3,500 लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं, जबकि शहरी क्षेत्र में यह आंकड़ा लगभग 7000 है।

ज़ाम्बिया में, ग्रामीण समुदायों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की जीवन प्रत्याशा कम होती थी। देश में जल-जनित और मच्छर-जनित बीमारियां भी सामान्य थीं, जिनमें तत्काल चिकित्सा उपायों की आवश्यकता होती है। देश में स्वास्थ्य सेवा की गंभीर स्थिति थी। किसी चिकित्सा केंद्र के 5 किलोमीटर के दायरे में रहने वाली केवल 46 प्रतिशत आबादी की ही स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच थी। इन स्वास्थ्य केंद्रों के जरिए विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाई जा सकती है। ये स्वास्थ्य केंद्र 5 किमी के दायरे में 80 प्रतिशत आबादी को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने की ज़ाम्बिया सरकार की रणनीति का हिस्सा थे।

ये स्वास्थ्य केंद्र प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, टीकाकरण, मां और बच्चे की स्वास्थ्य देखभाल, संक्रामक और गैर-संक्राम क रोगों के लिए उपचार और दवाइयां आदि प्रदान कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं तक त्वरित पहुंच देश की उच्च शिशु और मातृ मृत्यु दर को कम करने में मदद कर रही है।

किफायती कैंसर उपचार

बैंक ने पैनेसिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड को वित्तपोषण प्रदान किया है, जो स्वदेशी रूप से परिष्कृत चिकित्सा उपकरणों का विकास और विनिर्माण कर सस्ती दरों पर कैंसर का इलाज मुहैया कराकर आम जनता के लिए इसे सुलभ बना रही है। पैनेसिया भारत की रेडियोथेरेपी और रेडियोलॉजी उपकरणों की डिजाइनर, डेवलपर और विनिर्माता है और विश्व स्तर पर सात कंपनियों में से एक है। अपने रेडियोथेरेपी और रेडियोलॉजी उपकरणों के साथ, पैनेसिया ने निम्न और मध्यम आय वाले देशों में लाखों रोगियों के लिए कैंसर के उपचार को सुलभ बनाया है।

पैनेसिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित उन्नत रेडियोलॉजी उपकरण

सस्टैनेबिलिटी आधारित ऋण

9 उद्योग, नवाचार और अवसंरचना

बैंक ने एक एकीकृत बायोफार्मासूटिकल्स कंपनी को सस्टैनेबिलिटी आधारित ऋण (एसएलएल) प्रदान किया है। इस सहयोग के तहत, कंपनी को वैश्विक परिचालन में अक्षय ऊर्जा का उपयोग करने, विनिर्माण कार्यों में मीठे पानी के उपयोग में कमी लाने और कुल वैश्विक कार्यबल में महिला कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने जैसे एसएलएल मापदंडों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। ऋण संरचनाओं में न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन और सामाजिक लक्ष्यों को समाहित कर, बैंक कंपनियों को न्यून कार्बन अंतरण के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित कर रहा है।

पर्यावरणीय प्रभाव का प्रबंधन

पर्यावरणीय प्रभाव में कमी और संसाधन दक्षता में सुधार

हरित कल

बैंक, भारत सरकार की निवल-शून्य उत्सर्जन प्रतिबद्धता के अनुसार अपने परिचालनों में न्यून कार्बन वृद्धि हासिल करने का प्रयास करता है। इसके अलावा, बैंक जलवायु जोखिम और संपोषी वित्त पर भारतीय रिज़र्व बैंक के चर्चा पत्र में अनुशंसित प्रकटीकरणों के अनुरूप अपने उत्सर्जन प्रकटीकरण बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

इस संबंध में, बैंक वित्तीय वर्ष 2022-23 से अपने स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जनों को माप रहा है। ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन को मापना बैंक के परिचालन उत्सर्जन को उत्तरोत्तर कम करने की दिशा में एक आवश्यक कदम है।

एक्ज़िम बैंक का जीएचजी उत्सर्जन

बैंक की प्रथम जीएचजी उत्सर्जन को मापने के लिए "परिचालनगत नियंत्रण दृष्टिकोण" अपनाया गया है और इसमें बैंक के भारत स्थित सभी कार्यालयों और डेटा केंद्रों का डेटा शामिल है। मापे गए उत्सर्जन, जनरेटरों, कंपनी की कारों और एयर-कंडीशनर से लीक रेफ्रिजरैंट से सीधे स्कोप 1 उत्सर्जनों से जुड़े हैं; और स्कोप 2 उत्सर्जन खरीदी गई बिजली से अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। आने वाले समय में, बैंक अपनी उत्सर्जन-गहनता को मापना और अपने परिचालन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रयास जारी रखेगा।

एक्ज़िम बैंक की जीएचजी सूची {CO_2e (टन)}*

डीजी सेटों में डीजल की खपत (क)

खरीदी गई बिजली (घ)

रेफ्रिजरैंट लीकेज (ख)

अप्रत्यक्ष उत्सर्जन# (केवल घ)

कंपनी कारें (ग)

प्रत्यक्ष उत्सर्जन# (क+ख+ग)

नोट: एक सेवा प्रदाता संस्था के रूप में, ओजोन-क्षयकारी पदार्थ (ODS), नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOX) और सल्फर ऑक्साइड (SOX) जैसे उत्सर्जन और अन्य वायु उत्सर्जन, अपेक्षाकृत रूप से बहुत उल्लेखनीय नहीं हैं।

*2021-22 में उत्सर्जन कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष के दौरान अधिकतर समय बैंक द्वारा प्रदान की गई घर से काम करने की सुविधा के चलते कम रहा। परिणामस्वरूप कार्यालय परिसर में उत्सर्जन उत्पादक गतिविधियों में कमी आई।

प्रत्यक्ष उत्सर्जन, स्कोप 1 उत्सर्जन हैं जिनमें CO_2, N_2O और CO_2e उत्सर्जन शामिल हैं जो एक्ज़िम बैंक के स्वामित्व और लीज वाले कार्यालयों सहित बड़े कार्यालयों में डीजल के उपयोग से होता है। उत्सर्जन कारक और जीडब्ल्यूपी (ग्लोबल वार्मिंग संभाव्यता) वैल्यू आईपीसीसी दिशानिर्देशों से ली गई हैं।

अप्रत्यक्ष उत्सर्जन स्कोप 2 उत्सर्जन हैं, जिनमें एक्ज़िम बैंक द्वारा खपत की गई बिजली से CO_2 उत्सर्जन शामिल हैं। उत्सर्जन कारक सीईए (सेंट्रल इलेक्ट्रिकल अथॉरिटी) के CO_2 डेटाबेस, संस्करण 18 से लिए गए हैं।

कार्बन फुटप्रिंट कम करने और संसाधन दक्षता में सुधार के उपाय

बैंक ने अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और सस्टैनेबल पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलें की हैं।

वृक्षारोपण अभियान

बैंक पर्यावरण प्रबंधन के महत्त्व को समझता है और जिन समुदायों में यह काम करता है, उनके कल्याण में योगदान देने के लिए समर्पित है। बैंक ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान अपने दो आवासीय परिसरों में वृक्षारोपण अभियान चलाया। ये अभियान मुंबई में जुहू और बांद्रा स्थित आवासीय परिसरों में आयोजित किए गए, जहां कर्मचारियों और उनके परिवारों ने इस पहल में भाग लिया।

प्लास्टिक के उपयोग को कम करना

सिंगल यूज़ प्लास्टिक उत्पाद प्लास्टिक कचरे और प्रदूषण का बड़ा कारण हैं और पर्यावरण और वन्य जीवन के लिए खतरा पैदा करते हैं। बैंक सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग को कम करने के लिए कदम उठा रहा है। बैंक के कार्यालय परिसरों में प्लास्टिक के पौधों के स्थान पर प्राकृतिक पौधे लगाए गए हैं। इसके अलावा, चाय/कॉफी के लिए डिस्पोजेबल कपों का इस्तेमाल बंद कर दिया गया है और उनके स्थान पर कांच के कपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। बैंक ने बोतलबंद पेयजल के बजाय कांच की बोतलों में पेयजल रखना शुरू किया है। इस तरह बैंक ने प्लास्टिक कचरे को कम किया है और सस्टैनेबल पद्धतियों को बढ़ावा दिया है। इन पहलों के माध्यम से, बैंक सस्टैनेबिलिटी की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है और अपने कर्मचारियों और अन्य स्टेकहोल्डरों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बने रहने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

ऊर्जा संबंधी पहलें

बैंक ने मुंबई में जुहू और बांद्रा में अपने आवासीय परिसरों के साथ-साथ विश्व व्यापार केंद्र संकुल, मुंबई में अपने कार्यालय भवन के पार्किंग क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन भी बनवाए हैं। इन चार्जिंग स्टेशनों के जरिए बैंक अपने कर्मचारियों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा दे रहा है।

बैंक ने ऊर्जा दक्षता में सुधार करने और अपनी ऊर्जा खपत को कम करने के लिए भी कदम उठाए हैं। बैंक ने कार्यालय में पुराने कम दक्षता वाले एसी की जगह स्टार रेटिंग वाले ऊर्जा-दक्ष एसी लगाए हैं। इसके अलावा, बैंक ने अपने कार्यालय परिसर में बल्ब और ट्यूबलाइटों को ऊर्जा दक्ष एलईडी बल्ब/ट्यूब लाइटों से बदल दिया है, जो कम बिजली की खपत करते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इन उपायों से बैंक द्वारा ऊर्जा की खपत कम होने की उम्मीद है। बैंक को अपने नई दिल्ली कार्यालय के लिए इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की ग्रीन इंटीरियर्स प्लेटिनम रेटिंग से भी नवाजा गया है।

इसके अलावा, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के प्रयास में, बैंक के ले-मॉन्ड आवासीय परिसर में सौर पैनल स्थापित किए गए हैं। सौर पैनल, बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स और स्ट्रीट लाइट की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, और गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करते हैं।

जल संरक्षण

जल संरक्षण के लिए, बैंक ने शौचालयों में सेंसर-आधारित नल लगाए हैं, जो उपयोग में नहीं होने पर स्वतः बंद हो जाते हैं और पानी की बर्बादी को कम करते हैं।

कागज की खपत को कम करना

बैंक ने आंतरिक अनुमोदन प्रक्रियाओं के ऑटोमेशन सहित कई प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया है, जिससे कागज का उपयोग कम हो रहा है। साथ ही, डिजिटलीकरण से विभिन्न प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित बनाने में भी मदद मिलती है, और उन्हें अधिक दक्षतापूर्ण बनाता है। आंतरिक अनुमोदन प्रक्रियाओं के ऑटोमेशन से लगभग 20,000 अनुरोधों की डिजिटल प्रोसेसिंग में मदद मिली, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान लगभग 12,00,000 कागजों की बचत हुई।

डिजिटल प्रक्रियाओं से कागज की आकलित बचत

नोट मॉड्यूल

कुल अनुरोध
6587

औसत फाइल आकार (केबी में)
500

कागज के पन्नों की अनुमानित संख्या (1 एमबी = 100 पृष्ठ)
329350

बजट मॉड्यूल

कुल अनुरोध
1754

औसत फाइल आकार (केबी में)
700

कागज के पन्नों की अनुमानित संख्या (1 एमबी = 100 पृष्ठ)
122780

व्यवसाय प्रक्रिया

कुल अनुरोध
2250

औसत फाइल आकार (केबी में)
1000

कागज के पन्नों की अनुमानित संख्या (1 एमबी = 100 पृष्ठ)
225000

मानव संसाधन प्रबंधन

कुल अनुरोध
3200

औसत फाइल आकार (केबी में)
500

कागज के पन्नों की अनुमानित संख्या (1 एमबी = 100 पृष्ठ)
160000

प्रशासनिक प्रक्रियाएं

कुल अनुरोध
1500

औसत फाइल आकार (केबी में)
300

कागज के पन्नों की अनुमानित संख्या (1 एमबी = 100 पृष्ठ)
45000

विधिक दस्तावेजीकरण

कुल अनुरोध
500

औसत फाइल आकार (केबी में)
500

कागज के पन्नों की अनुमानित संख्या (1 एमबी = 100 पृष्ठ)
25000

समिति अनुमोदन

कुल अनुरोध
1000

औसत फाइल आकार (केबी में)
1000

कागज के पन्नों की अनुमानित संख्या (1 एमबी = 100 पृष्ठ)
100000

विविध

कुल अनुरोध
3000

औसत फाइल आकार (केबी में)
500

कागज के पन्नों की अनुमानित संख्या (1 एमबी = 100 पृष्ठ)
150000

कुल अनुरोधों

का कुल योग
19791

पृष्ठों की अनंतिम संख्या
(1 एमबी = 100 पृष्ठ)
1157130

पर्यावरणीय सस्टैनेबिलिटी को सहयोग

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, बैंक ने पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं में कार्यरत दो संगठनों- वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और संकल्पतरु फाउंडेशन को सहयोग प्रदान किया।

वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ 1961 में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है, जो वनप्रांतर के संरक्षण और पर्यावरण पर मानव प्रभाव को कम करने के क्षेत्र में काम करता है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ दुनिया का सबसे बड़ा संरक्षण संगठन है, जिसके दुनिया भर में पांच मिलियन से अधिक समर्थक हैं। यह संगठन 100 से अधिक देशों में काम कर रहा है और लगभग 3000 संरक्षण और पर्यावरण परियोजनाओं के लिए सहयोग दे रहा है। इसका उद्देश्य पृथ्वी के प्राकृतिक पर्यावरण के क्षरण को रोकना और एक ऐसे भविष्य का निर्माण करना है, जिसमें मनुष्य प्रकृति के साथ सद्भाव से रहें।

इस चैरिटेबल संस्था द्वारा किए गए सामाजिक रूप से प्रासंगिक कार्य को देखते हुए, बैंक ने जैव विविधता के संरक्षण और अन्य पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की परियोजनाओं और गतिविधियों में सहयोग दिया है। 2023 के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ थीम आधारित डेस्क कैलेंडर बैंक के देश और विदेशों में स्थित कार्यालय को वितरित किए गए।

संकल्पतरु फाउंडेशन

संकल्पतरु फाउंडेशन पौधारोपण कार्य में प्रवृत्त आईटी-आधारित एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) है। यह फाउंडेशन भारत के विभिन्न भागों में वनरोपण परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसमें राजस्थान में थार रेगिस्तान, असम में ब्रह्मपुत्र के द्वीप, लेह लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान, महाराष्ट्र में विदर्भ क्षेत्र, पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र और तमिलनाडु जैसे कुछ सबसे कठिन इलाके शामिल हैं। देश के 25 भारतीय राज्यों में कार्यरत इस फाउंडेशन ने 35,90,760 मिलियन से अधिक पेड़ लगाए हैं और इनके संरक्षण में मदद की है। यह संस्था ग्रामीण आजीविका को भी बढ़ावा देती है, महिलाओं को सशक्त बनाती है और स्कूलों को स्वच्छ और हरा-भरा बनाती है।

इस फाउंडेशन का उद्देश्य वैश्विक जनता को पर्यावरण संरक्षण के लिए उद्यत करते हुए उनके कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है। गूगल अर्थ और मैप के साथ एकीकृत जीपीएस तकनीक के माध्यम से, इस फाउंडेशन ने पेड़ों की भू-टैगिंग तैयार की है, और इस प्रकार अपने हितधारकों और योगदानकर्ताओं को विज़िबिलिटी और पारदर्शिता प्रदान की है।

वृक्षारोपण से समाज को भी लाभ होता है, क्योंकि फलोत्पादक वृक्ष गरीब किसानों के खेतों में लगाए जाते हैं, जो उनकी आजीविका में योगदान देते हैं। इससे व्यापक सामाजिक-पर्यावरणीय और आर्थिक सुधार में मदद मिलती है। पेड़ आसपास के प्राकृतिक पर्यावास में भी मददगार होते हैं, क्योंकि फलोत्पादक पेड़ आसपास के इलाकों में पक्षियों और अन्य जानवरों के लिए भी लाभदायक होते हैं।

एक्ज़िम बैंक ने पूरे देश में फलोत्पादक पेड़ लगाने और अपने कर्मचारियों के साथ विभिन्न वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए संकल्पतरु फाउंडेशन को सहयोग किया है। बैंक ने अब तक फाउंडेशन के ग्रामीण आजीविका वृक्षारोपण मॉडल के तहत देश के विभिन्न हिस्सों में 2000 फलोत्पादक पेड़ लगाए हैं, जो वन क्षेत्र के विस्तार में मदद करते हैं। साथ ही, ग्रामीण आजीविका में सुधार लाते हैं और किसानों को सशक्त बनाते हैं।

संकल्पतरु फाउंडेशन के सहयोग से, बैंक ने मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नै और हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 के अवसर पर एक विशेष वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया। अभियान के दौरान बैंक की 100 से अधिक महिला अधिकारियों ने 400 पेड़ लगाए।

नेतृत्व की मिसाल: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं ने बोए परिवर्तन के बीज।

पूर्व में, बैंक पर्यावरण संरक्षण में काम करने वाले कई अन्य संगठनों से भी जुड़ा रहा है। बैंक वकील और पर्यावरण कार्यकर्ता श्री अफरोज शाह द्वारा शुरू किए गए समुद्र तट सफाई अभियान से भी जुड़ा रहा है, और बैंक के कर्मचारियों ने नियमित रूप से सफाई अभियान में भाग लिया है। बैंक ने भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप, खुले में शौच को रोकने के लिए वर्सोवा समुद्र तट के पास शौचालयों के रखरखाव के लिए भी दान दिया है।

सामाजिक उत्तरदायित्व, सामुदायिक कल्याण और ग्राहक संतुष्टि

सामुदायिक और सामाजिक कल्याण के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

हमारा सामाजिक योगदान

एक्ज़िम बैंक में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्येय है, सकारात्मक सामुदायिक, सामाजिक परिवर्तन की दिशा में ऐसे काम करना कि हमारी इस पृथ्वी को आने वाली पीढ़ियों के लिए रहने लायक बनाए रखा जा सके। इसके लिए बैंक सीएसआर भागीदारों के साथ मिलकर काम करता है। बैंक की सीएसआर पहलों में स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता, शिक्षा और खेल, कौशल विकास और आजीविका के लिए सहयोग तथा पर्यावरणीय सस्टैनेबिलिटी शामिल हैं। बैंक का लक्ष्य, इस क्षेत्र में अपनी मौजूदा प्रतिबद्धताओं को बढ़ाना, स्टेकहोल्डरों के साथ जुड़ाव को सुदृढ़ करना और जहां आवश्यक हो, वहां अधिक संसाधन आवंटित करना तथा अपने सीएसआर कार्य की भौगोलिक पहुंच का विस्तार करना है।

स्वास्थ्य सेवा, पोषण और स्वच्छता संबंधी पहलें

किफायती स्वास्थ्य सेवाओं, अच्छी पोषण और स्वच्छता सुविधाओं की आवश्यकता और उपलब्धता के बीच एक बड़ा अंतर है। इस अंतर को कम करने के लिए किए जाने वाले उपायों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए, बैंक ने स्वास्थ्य सेवा, पोषण और स्वच्छता के क्षेत्र में कई परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

बैंक द्वारा सहायता प्राप्त परियोजनाओं में से एक है, लूम्स ऑफ लद्दाख वीमन कॉपरेटिव लिमिटेड के दो उत्पादन केंद्रों पर सभी मौसमों के अनुकूल शौचालयों का निर्माण। उत्पादन केंद्रों में कॉमन एरिया के पास शौचालयों की अनुपलब्धता स्वास्थ्य और स्वच्छता का एक गंभीर विषय था। शौचालय नहीं होने के कारण महिला बुनकर खुले में शौच करने को विवश थीं।

'यूएन–वाटर' द्वारा उल्लिखित अनुसार, शौचालय सिर्फ शौचालय नहीं होता, यह अवसर–सर्जक, गरिमा प्रदाता और जीवन रक्षक भी होता है। बैंक ने उत्पादन केंद्रों पर सभी मौसमों के अनुकूल, पारिस्थितिकीय शौचालयों के निर्माण के लिए सहयोग प्रदान किया है, जिनका उपयोग कठोर मौसमी स्थितियों में भी किया जा सकता है। शौचालयों का उपयोग उत्पादन केंद्रों में काम करने वाली महिलाओं के साथ–साथ डिजाइन संस्थानों के आगंतुकों, सलाहकारों और इन केंद्रों पर आने वाले अन्य संकाय सदस्यों द्वारा किया जाएगा। महिला बुनकरों की आजीविका को

वित्तीय वर्ष 2022-23 में सीएसआर परियोजनाओं के लिए धन आवंटन (हिस्सा % में)

- शिक्षा और खेलों संबंधी पहलें **61%**
- स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता **18%**
- कौशल विकास और आजीविका को सहयोग **16%**
- पर्यावरणीय सस्टैनेबिलिटी **5%**

आगे बढ़ाने के प्रयास में, शौचालयों के निर्माण के साथ-साथ एक केंद्र में प्रशिक्षण हॉल का नवीनीकरण भी किया गया है।

बैंक देश के दूरस्थ क्षेत्रों में भी कैंसर का पता लगाने, निदान और उपचार में तेजी लाने के लिए कैंसर से संबंधित सीएसआर परियोजनाओं पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। बैंक ने टाटा ट्रस्ट द्वारा 2017 में स्थापित अलामेलु चैरिटेबल फाउंडेशन (एसीएफ) को रांची, झारखंड और तेजपुर, असम में फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे कैंसर केयर कार्यक्रमों के लिए चिकित्सा उपकरण (मोबाइल एक्स-रे/डिजिटल रेडियोग्राफी) की खरीद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। इन उपकरणों के साथ, दो एसीएफ केंद्र प्रति वर्ष 3,000 कैंसर रोगियों का निदान और उपचार करने में सक्षम होंगे।

बैंक ने 'कडल्स फाउंडेशन' के 'फूड हील्स' कार्यक्रम के लिए भी सहायता प्रदान की है। कडल्स फाउंडेशन कैंसर से पीड़ित तथा उपेक्षित बच्चों के समग्र पोषण पर केंद्रित कार्य करता है। यह काम तीन चरणों में किया जाता है: डॉक्टरों को सहयोग प्रदान करना, पोषण विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करना और बच्चों तथा उनके परिवारों को मुफ्त खाद्य और पोषण, गर्म भोजन, भोजन के दौरान पूरक आहार,

शिशु स्तनपान केंद्र

अंडे, मिल्कशेक, केले और मासिक राशन के साथ सहायता प्रदान करना। बैंक द्वारा कडल्स फाउंडेशन के माध्यम से कैंसर से प्रभावित गरीबी रेखा से नीचे गुजर-बसर करने वाले वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में रह रहे बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इस सहायता के तहत, यह फाउंडेशन बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी पोषण विशेषज्ञ के परामर्श से बच्चों की मदद कर रहा है, बच्चों को पोषण संबंधी विकल्पों पर परामर्श दे रहा है, और मुफ्त भोजन और पोषण संबंधी राशन प्रदान कर रहा है।

दयानंद अस्पताल, पालघर में एनआईसीयू

बैंक ने गरीब और आदिवासी आबादी वाले दूर-दराज के क्षेत्रों में अस्पतालों को भी सहयोग दिया है। राजस्थान के सिरोही जिले में, बैंक ने सरकारी जिला अस्पताल को एबीजी एनालाइजर, आईसीयू बेड साइड पेशेंट मॉनिटर, सीटीजी मशीन, पूरी तरह से स्वचालित बायोकैमिस्ट्री एनालाइजर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के साथ आपात स्थिति के दौरान गरीब रोगियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सहयोग किया है। जिले में लगभग आधी आबादी अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की है, जिनमें से अधिकांश दूरदराज के इलाकों के निवासी हैं।

एक अन्य उदाहरण है, बैंक द्वारा महाराष्ट्र के पालघर जिले में दयानंद अस्पताल के एक बाल चिकित्सा वार्ड कमरे को नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) के रूप में विकसित करने के लिए प्रदान की गई सहायता। यह अस्पताल तलासरी, दहाणु और वापी क्षेत्रों के वंचित और आदिवासी लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। एनआईसीयू के साथ, अस्पताल दहाणु और तलासरी क्षेत्रों के आदिवासी समुदायों से सलाना 200 नवजात शिशुओं को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगा। एक्ज़िम बैंक देश के इन दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की अधिक समान पहुंच की दिशा में योगदान दे रहा है।

शैक्षणिक पहलें

पढ़ेंगे तो बढ़ेंगे

4 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

बैंक, कौशल और शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी सीएसआर पहलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो स्कूलों तक बच्चों की पहुंच बढ़ा सकती हैं। यह रोजगार संबंधी समस्याओं को हल करने की दिशा में एक कदम है और युवाओं, महिलाओं तथा पारंपरिक रूप से अन्य वंचित तबकों को उनकी आजीविका की स्थिति को सुधारने के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में काम करता है।

सीएसआर के जरिए व्यावसायिक कौशल विकास परियोजनाएं कौशल अंतर को भरने में विशेष रूप से उपयोगी हो सकती हैं। इस संबंध में, बैंक मिजोरम विश्वविद्यालय को सहयोग प्रदान कर रहा है, जो हथकरघा बुनकरों के लिए एक अनूठा पाठ्यक्रम 'बैचलर ऑफ वोकेशन' चलाता है। यह छात्रों को अपने हथकरघा उद्यम विकसित करने और प्रबंधित करने में सक्षम बनाने के लिए भारत में बुनाई का एकमात्र डिग्री पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे के तहत कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करता है। कार्यक्रम के तहत पांच छात्रों को बैंक द्वारा उनके पाठ्यक्रम की फीस, हॉस्टल फीस और कंप्यूटर उपयोग के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। ये वरीयतन, पूर्वोत्तर के बुनाई परिवारों से अनुसूचित जनजाति की छात्राएं हैं, जिन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने में वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

बैंक वंचित बच्चों की शिक्षा पहलों से जुड़ी सीएसआर परियोजनाओं के लिए भी सहायता प्रदान कर रहा है। बैंक शिक्षा के मौलिक अधिकार को समझता है। बैंक का मत है कि शिक्षा गरीबी के चक्र को तोड़ने की कुंजी है। बच्चों की शिक्षा में निवेश करना इन बच्चों और समाज के भविष्य में निवेश करना है। बैंक ने 'क्वालिटी एजुकेशन फाउंडेशन बार्शी' की परियोजना 'सक्षम' के लिए सहयोग प्रदान किया है, जिसमें ग्रामीण बच्चों को गणित और अंग्रेजी भाषा कौशल सीखने में मदद करने के लिए अनुभव आधारित उपाय शामिल हैं। बैंक ने बुनियादी ढांचागत विकास में भी सहायता की है। इसमें महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के 20 जिला परिषद स्कूलों में सतत ऊर्जा उपलब्धता के लिए सौर पैनल लगाने और बच्चों के लिए डिजिटल टैबलेट की खरीद जैसी सहायता शामिल है।

बैंक ने 'सोसायटी ऑफ द एजुकेशनल एंड इकनॉमिक डेवलपमेंट' को भी सहयोग प्रदान किया है, जो कैदियों, हत्या जैसे गंभीर अपराधों के शिकार, कुष्ठ रोगियों और तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से आए परित्यक्त बच्चों की जरूरतों को पूरा करती है। बैंक ने आजीवन सजायाफ्ता कैदियों, गंभीर अपराधों के पीड़ितों, कुष्ठ रोगियों और सुनामी पीड़ितों के बच्चों के लिए महात्मा गांधी आवासीय स्कूल में दो कक्षाओं के निर्माण में मदद की है।

शैक्षणिक टैबलेट पर गणित का अभ्यास करते और अंग्रेजी सीखते छात्र तथा ऐसे एक स्कूल में लगाए गए सौर पैनल।

स्कूलों में मिड-डे मील के लिए बैंक की सहायता

बैंक ने इस तथ्य का संज्ञान लिया है कि एचआईवी/एड्स, बच्चों के शिक्षा के अधिकार को कई तरीकों से प्रभावित कर सकता है। भेदभाव, शिक्षा शुल्क का भुगतान करने में असमर्थता, और परिवार की आय में योगदान देने के लिए बच्चों की पढ़ाई छुड़ा देना, एचआईवी/एड्स प्रभावित बच्चों की शिक्षा तक कम पहुंच होने के प्राथमिक कारणों में कुछ प्रमुख कारण हैं। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए, बैंक मुंबई और पड़ोसी जिलों के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में 85 एचआईवी/एड्स प्रभावित छात्रों की औपचारिक शिक्षा प्रायोजित करने के लिए 'सन्मित्र' ट्रस्ट के साथ काम कर रहा है।

शिक्षा के लिए भोजन कार्यक्रमों के सिद्ध लाभों को ध्यान में रखते हुए बैंक ने अक्षय पात्र फाउंडेशन की 'मध्याह्न भोजन' (मिड डे मील) योजना के लिए भी सहयोग प्रदान किया है। शिक्षा के लिए भोजन कार्यक्रमों का लाभ यह है कि स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति में सुधार लाया जा सकता है और कुपोषण के शिकार बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान करते हुए उनकी सीखने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

अक्षय पात्र फाउंडेशन मध्याह्न भोजन योजना के कार्यान्वयन में भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों की सबसे बड़ी भागीदार है। बैंक, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए वृंदावन में सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों के 200 छात्रों के मिड-डे मील के लिए वित्तीय सहायता दे रहा है। बैंक अक्षय पात्र की केंद्रीय रसोई से शहर के बाहरी इलाके में स्थित स्कूलों में मिड डे मील को ले जाने वाले दो सीएनजी वाहनों का भी निधीयन कर रहा है।

8 उपयुक्त कार्य और आर्थिक प्रगति

कौशल प्रशिक्षण और आजीविका पहलें

स्वदेस फाउंडेशन चहुंमुखी 360 डिग्री विकास के जरिए ग्रामीण विकास पर केंद्रित कार्य कर रही है। यह संस्था मुख्य रूप से चार क्षेत्रों– शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, जल और स्वच्छता, और आर्थिक विकास के जरिए ग्रामीण सशक्तीकरण की दिशा में प्रयासरत है। यह ग्रामीण विकास में प्रवृत्त ऐसी ही दूसरी संस्थाओं के साथ मिल कर काम करती है और कर्मचारियों द्वारा स्वयंसेवा/ कौशल विकास में सहयोग को प्रोत्साहित करती है। बैंक ने स्वदेस फाउंडेशन के परिचालन क्षेत्रों के तहत दो आदर्श गांवों को गोद लिया है। इसके जरिए बैंक महाराष्ट्र के सुधागढ़ ब्लॉक में रायगढ़ के दो गांवों में पेयजल योजना, स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रमों, बकरी पालन, मुर्गी पालन जैसे आजीविका सृजन कार्यक्रमों, स्टार्ट-अप/ स्केल अप और अन्य क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए सहयोग प्रदान कर रहा है।

खेलों और मैदानों का विकास

बैंक शिक्षा में खेलों के महत्त्व को समझता है। खेलों को बच्चों और किशोरों के विकास के प्रभावी माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए बैंक इस क्षेत्र में, कलिंग सामाजिक विज्ञान संस्थान (केआईएसएस) के साथ मिलकर काम कर रहा है, जो भूख, गरीबी, निरक्षरता और अज्ञानता से मुक्त दुनिया बनाने के लक्ष्य की दिशा में ठोस प्रयास कर रहा है। बैंक छात्रों के लिए साइक्लिंग वेलोड्रोम के निर्माण के लिए केआईएसएस की सहायता कर रहा है।

स्वदेश फाउंडेशन के अन्तर्गत रायगढ़ में 2 आदर्श गांवों का उद्घाटन

ग्रासरूट उद्यमों और दस्तकारों का सशक्तीकरण

ग्रासरूट उद्यमों का वैश्वीकरण

बैंक अपनी ग्रासरूट पहलों के माध्यम से विशेष रूप से भारत के ग्रामीण इलाकों के छोटे और सूक्ष्म उद्यमों के वैश्वीकरण में सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक अपने ग्रासरूट उद्यम विकास (ग्रिड) कार्यक्रम के जरिए पारंपरिक शिल्पकारों, दस्तकारों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए अधिक से अधिक अवसर सृजित कर समाज के वंचित वर्गों की सामाजिक-आर्थिक जरूरतों को पूरा कर रहा है और नवाचार आधारित सूक्ष्म उद्यमों, और ग्रासरूट स्तर के संगठनों/दस्तकारों के क्षमता-निर्माण प्रयासों में मदद कर रहा है।

ग्रिड कार्यक्रम के अंतर्गत, बैंक, उत्पाद विकास/व्यापार चक्र के विभिन्न चरणों में ग्रासरूट उद्यमों की सहायता कर रहा है। इसमें क्षमता-निर्माण, प्रशिक्षण, निर्यात क्षमता-सृजन, उनके ग्राहक आधार का विस्तार/विविधीकरण और निर्यात व्यवसाय में उनकी शुरुआत को बाधित करने वाली समस्याओं का समाधान करना शामिल है। बैंक ग्रासरूट उद्यमों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है और उनके लिए क्षमता-निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। इसके अलावा, बैंक अपने मार्केटिंग सलाहकारी सेवाएं (एमएएस) कार्यक्रम के तहत, सूक्ष्म उद्यमों को सफलता शुल्क आधार पर, विशेष रूप से विदेशों में उनके मार्केटिंग और ई-मार्केटिंग प्रयासों में सहायता के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और पद्धतियों की जानकारी और स्थापित संस्थागत संबंधों, अपनी भौतिक उपस्थिति का सदुपयोग करता है।

बैंक ग्रासरूट पहलों और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह सहायता विशेष रूप से निर्यात संभाव्यता वाले दस्तकारों, उत्पादक समूहों, क्लस्टरों, छोटे उद्यमों और गैर-सरकारी संगठनों को उनके उत्पादों का सही मूल्य दिलाने में सहयोग के रूप में दी जाती है। साथ ही, बैंक इन इकाइयों से निर्यात को सुगम बनाने में भी सहयोग प्रदान करता है। बैंक उत्पाद और डिजाइन विकास, कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन कर इन उद्यमों के क्षमता निर्माण में भी सहयोग करता रहा है। बैंक द्वारा किए गए उपायों से इन उद्यमों को अपनी परिचालन क्षमता बढ़ाने, उच्च मूल्यवर्धन प्राप्त करने, और भारत तथा विदेशों में हस्तशिल्प/ हथकरघा/कृषि-आधारित उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को व्यापक बनाने में मदद मिलती है।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 40 बीदरी दस्तकारों के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद के साथ मिलकर कर्नाटक के बीदर में 'उत्पाद और डिज़ाइन विकास'प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार रहे: क) बीदरी दस्तकारों की नई पीढ़ी से नए मास्टर शिल्पकारों की एक टीम का निर्माण करना; ख) दस्तकारों के मौजूदा कौशल का उन्नयन करना; ग) अधिक मूल्य वर्धन के माध्यम से दस्तकारों की आय और उत्पादकता में वृद्धि करना; घ)

बीदर, कर्नाटक में उत्पाद और डिजाइन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम।

दस्तकारों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना और पारंपरिक दस्तकारों को नए रूपों, पैटर्नों, तकनीकों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना; और ङ) औसत बिक्री व्यवसाय, निर्यात राजस्व आदि में वृद्धि करना।

बीदरी प्राचीन धातु कला का एक अनूठा रूप है। बीदरी कला एक प्रकार की 'कोफ्तगारी' है जो एक जटिल तकनीक है जिसमें धातु की वस्तुओं पर सोने या चांदी की परत चढ़ाई जाती है। मिश्र धातु से निर्मित कलाकृतियों को अलंकृत करने के लिए बीदरी के डिजाइनों में चांदी, सोना, या कभी-कभी पीतल जड़ा जाता है। बीदरीवेयर में इस्तेमाल की जाने वाली धातु जस्ता की एक मिश्र धातु होती है, जिसमें तांबे की थोड़ी मात्रा होती है, जो किसी भी मशीन के उपयोग के बिना एक पारंपरिक प्रक्रिया से गुजरती है।

इसका उपयोग तलवार, ढाल, खंजर के पारंपरिक हत्थों में किया जाता था, लेकिन आज बदलते रुझानों और वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुकूल उत्पाद बनाए जा रहे हैं। आज, सुरुचिपूर्ण ढंग से डिजाइन किए गए जग, जार और फूलों के फूलदान, कफलिंक, आभूषण, ऐशट्रे और अन्य उपयोगी वस्तुएं आकर्षक बीदरीवेयर शैली में बनाई जा रही हैं।

एक्ज़िम बैंक द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एनआईडी के डिजाइनरों ने नवीनतम उत्पादों/डिजाइन की जरूरतों के अनुरूप, दस्तकारों के कौशल स्तर को परिष्कृत करने में मदद की है। इस कार्यक्रम के दौरान मौजूदा शिल्प और/या प्रसंस्करण तकनीकों में मूल्यवर्धन के अवसरों पर भी फोकस किया गया। प्रशिक्षण से कारीगरों को डिजाइन क्षेत्र में नई जानकारियां हासिल करने और नवीन विचारों, आधुनिक तकनीकों और उत्पादों के मूल्य वर्धन के लिए का अच्छा अवसर मिला।

बैंक के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद बीदरी दस्तकारों को छोटे निर्यात ऑर्डर मिलने शुरू हो गए हैं। नए उत्पाद डिजाइनों और बीदरीवेयर कलाकृतियों की बेहतर गुणवत्ता के साथ, दस्तकारों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में काम करने के अवसर मिल रहे हैं।

जयपुर में महिला दस्तकारों के लिए स्क्रीन प्रिंटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम

कौशल विकास कार्यशाला के दौरान एक बीदरी दस्तकार

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान बैंक ने 'स्क्रीन प्रिंटिंग' पर भी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें राजस्थान के जयपुर स्थित अनूठी नाम की संस्था की 20 महिला दस्तकारों को प्रशिक्षित किया गया। यह 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फरवरी-मार्च 2023 में राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र, नई दिल्ली के सहयोग से चलाया गया। बैंक ने निर्यात क्षमता सृजन के अपने प्रयासों के क्रम में स्क्रीन प्रिंटिंग के लिए एक वर्क स्टेशन भी स्थापित करने में भी सहयोग किया।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान बैंक के सहयोग से स्क्रीन प्रिंटिंग में इन 20 महिला दस्तकारों के प्रशिक्षण और स्क्रीन प्रिंटिंग इकाई की स्थापना से इन दस्तकारों के हुनर को और निखारने में मदद मिली। इससे अनूठी को स्क्रीन प्रिंटिंग आधारित नए उत्पादों के विकास और आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैंक ने पिछले वर्षों के दौरान अनूठी के साथ मिलकर क्षमता विकास की दिशा में कई कदम उठाए हैं, जिनसे अनूठी ने ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, यूके और यूएस जैसे देशों में अपना ग्राहक आधार बनाया है।

अनूठी, जयपुर स्थित एक सूक्ष्म उद्यम है, जिसने जयपुर, राजस्थान के निकटवर्ती गांवों के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षित करते हुए अपनी यात्रा की शुरुआत की। ये महिलाएं रसोई के कपड़ों और चादरों से लेकर क्विल्टेड जैकेट, स्कार्फ और बैग जैसे सामान तथा नेकलेस, ब्रेसलेट, एंकलेट जैसे आभूषण तक बना रही हैं। इससे महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों का एक नेटवर्क बनाने में मदद मिली। इनका उद्देश्य महिलाओं के लिए आजीविका के सतत माध्यम विकसित करना था। आज इससे जुड़ी महिलाएं लगभग 150 से ज्यादा तरह के नए रूप रंग वाले घरेलू साज-सज्जा के सामान और परिधान तैयार कर जीविकोपार्जन कर रही हैं। इनमें से अधिकांश महिलाएं जयपुर और अजमेर राजस्थान के निकटवर्ती गांवों के हाशिये पर खड़े और वंचित समुदायों से हैं।

अनूठी, महिलाओं को व्यावसायिक कौशल विकसित करने हेतु उचित मार्गदर्शन, सहायता एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराती है, ताकि वे सपरिवार सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह करते हुए आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त कर सकें। अनूठी, व्यापार मानदंडों का अनुसरण करते हुए महिलाओं को आजीविका के साधन उपलब्ध करा महिला सशक्तीकरण और गुणवत्तापूर्ण हस्तशिल्प के संवर्धन के दोहरे उद्देश्य की दिशा में कार्यरत है।

बैंक ने विगत वर्षों में ग्रासरूट स्तर की अन्य कई संस्थाओं को सहायता प्रदान की है। इनमें से कुछ ने अपनी मूल्य श्रृंखला और उत्पाद प्रक्रियाओं में सस्टैनेबिलिटी को शामिल किया है। ऐसी ही एक संस्था है, कुमायू अर्थक्राफ्ट कॉपरेटिव, जिसकी स्थापना अवनि ने की है, जो ग्रामीण समुदायों के लिए संपोषी और संरक्षण आधारित जीविकोपार्जन की दिशा में काम करती है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के 2000 से अधिक दस्तकार और किसान इस संस्था से जुड़े हुए हैं। यह संस्था पारंपरिक दस्तकारों (मुख्य रूप से महिलाएं) को टेक्सटाइल, प्राकृतिक रंजक (डाई) तथा अन्य पारिस्थितिकीय उत्पादों के उत्पादन एवं बिक्री के माध्यम से सतत आजीविका के साधन उपलब्ध करा रही है। अवनि इस कार्य में पारंपरिक तकनीक के साथ-साथ हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही है। उदाहरण के लिए, इसने शारीरिक श्रम को कम करने के लिए सौर ऊर्जा संचालित बुनाई चरखे का उपयोग करना शुरू किया है, जो पर्यावरण की दृष्टि से सस्टैनेबल है। बैंक ने इस संस्था को वित्तीय सहायता के साथ-साथ विविध डिजाइन तकनीकों में प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास कार्यशालाओं के आयोजन के लिए सहायता प्रदान की है, जिससे इन्हें नए उत्पाद बनाने में मदद मिली है।

कुमाऊं अर्थक्राफ्ट कॉपरेटिव की बुनकर

आरक्षित श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति

एक्ज़िम बैंक ने विशेष रूप से आरक्षित श्रेणी के विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने में सहायता करने के उद्देश्य से भारत में चुनिंदा शैक्षणिक संस्थानों में छात्रवृत्तियां स्थापित की हैं। इनमें निम्नलिखित संस्थान शामिल हैं:

1. डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स विश्वविद्यालय, बेंगलुरू
2. भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली
3. कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ इंड्रस्ट्रियल टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, ओडिशा
4. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5. दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, नई दिल्ली
6. राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, राजस्थान
7. नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अरुणाचल प्रदेश
8. मणिपुर विश्वविद्यालय
9. मिजोरम विश्वविद्यालय
10. सिक्किम (मणिपाल) विश्वविद्यालय, सिक्किम
11. तेजपुर विश्वविद्यालय, असम
12. नागालैंड विश्वविद्यालय
13. नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, मेघालय
14. त्रिपुरा विश्वविद्यालय
15. सिक्किम विश्वविद्यालय

बैंक द्वारा स्थापित छात्रवृत्ति से सुयोग्य विद्यार्थियों, विशेष रूप से आरक्षित श्रेणी के विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक खर्चों की पूर्ति और उच्च शिक्षा के लिए सहायता मिली है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, बैंक द्वारा 63 पात्र विद्यार्थियों को ₹ 22,13,538 की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों में अधिकांश छात्र आरक्षित श्रेणी के हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकासोन्मुखी प्रयास

इस परियोजना के माध्यम से एक्ज़िम बैंक और यूएनडीपी ने 7 एसडीजी लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित किया है:

देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र अपने प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति और विभिन्न समुदायों में सस्टैनेबल जीवनशैली के लिए जाना जाता है। किन्तु, भौगोलिक कठिनाइयों, पर्वतीय भू-भाग, उद्योगों की कमी तथा कनेक्टिविटी से जुड़ी चुनौतियों के चलते यह क्षेत्र भारत की विकास यात्रा के जटिल पहलुओं में से एक रहा है। इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। लेकिन वर्तमान में यह क्षेत्र विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संकेतकों में राष्ट्रीय औसत से नीचे है और प्रमुख सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने की दिशा में भी पीछे है।

इस क्षेत्र में सीमित औद्योगीकरण और औद्योगिक क्लस्टरों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से निर्यात बढ़ाने की अच्छी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, एक्ज़िम बैंक ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के साथ मिलकर इस क्षेत्र में 'बैकेंबल एक्सपोर्ट क्लस्टर' विकसित करने की दिशा में विभिन्न कदम उठाए हैं, जो स्थानीय संसाधनों की उपलब्धता और पूर्वोत्तर क्षेत्र में, विशेष रूप से असम और मिजोरम में चिह्नित एमएसएमई क्लस्टरों की प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की स्थिति पर आधारित हैं।

यह पहल इस क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने, रोजगार सृजन और विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए एमएसएमई क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के क्रम में की गई है। इसके लिए राष्ट्रीय और स्थानीय प्रशिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर उद्यमिता उन्मुखीकरण कार्यक्रमों और क्षेत्र की राज्य-सरकारों की निर्यात संवर्धन एजेंसियों के अधिकारियों के लिए जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

इसके अतिरिक्त, पूर्वोत्तर क्षेत्र में कोविड महामारी के दौरान उद्यमियों और किसानों की सहायता के लिए, एक्ज़िम बैंक ने यूएनडीपी इंडिया और पब्होई ग्रीन्स के साथ मिलकर संयुक्त रूप से, असम की महिला किसानों के लिए आजीविका सुधार हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा चिटे क्लस्टर, आइज़ोल के दस्तकारों के लिए बांस हस्तशिल्प कौशल उन्नयन कार्यक्रम आयोजित किए।

बैंक ने आइज़ोल के बुनकरों के लिए उत्पाद विविधीकरण पर कौशल उन्नयन कार्यक्रम भी आयोजित किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से पीपीई किट (कवरऑल जम्प सूट, शू कवर, एन95 मास्क, फेस शील्ड और कचरे की थैलियां) के उत्पादन पर केंद्रित था। इस परियोजना से महामारी के दौरान चुनौतियों से निपटने और पीपीई किट की बढ़ी हुई मांग के अनुरूप, महिला बुनकरों को पीपीई किट बनाने के लिए नया कौशल सीखने में मदद मिली। इस पहल के अंतर्गत बैंक और यूएनडीपी ने मिलकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में हथकरघा, हस्तशिल्प और कृषि प्रसंस्करण में 210 उच्च मूल्य उत्पादों की सूची तैयार की।

बैंक, पूर्वोत्तर क्षेत्र की अन्य विभिन्न ग्रासरूट संस्थाओं के साथ मिलकर काम करता रहा है। उदाहरण के लिए, विगत में बैंक ने असम के बारपेटा गांव के बांस और बेंत दस्तकारों के लिए 'बैंबू केन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट', अगरतला और 'नार्थ ईस्ट हैंडीक्राफ्ट्स', बारपेटा, असम के साथ मिलकर डिजाइन विकास और तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य निर्यात के लिए नए उत्पाद विकसित करना, कारीगरों को कच्चे माल के ट्रीटमेंट के महत्त्व के बारे में जागरूक करना, उनके उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाना और गुणवत्तापूर्ण प्रमाणीकरण के लिए उनकी पात्रता बढ़ाना था। ऐसी ही एक अन्य पहल के रूप में बैंक ने, टाटा ट्रस्ट की पहल, 'सेंटर फॉर माइक्रोफायनैंस एंड लाइवलीहुड' के साथ मिलकर मणिपुर के कौना दस्तकार क्लस्टर के लिए शृंखलाबद्ध क्षमता विकास कार्यशालाओं के लिए सहयोग प्रदान किया।

एक्ज़िम बैंक ने मिज़ोरम की महिला बुनकरों को नया कौशल सिखाने के लिए ने यूएनडीपी के साथ मिलकर काम किया

प्रदर्शनियां

एक्ज़िम बाज़ार

देश के विभिन्न राज्यों के दस्तकारों तक अपनी पहुंच और सहायता का विस्तार करने के लिए, बैंक ने 'एक्ज़िम बाज़ार' नाम से एक पहल की है। एक्ज़िम बाज़ार दस्तकारों और शिल्पकारों को एक ही छत के नीचे लाते हुए एक विशिष्ट मार्केटिंग मंच प्रदान करता है। इसकी शुरुआत 2017 में की गई थी और बैंक द्वारा तब से अब तक विभिन्न भारतीय शहरों में नौ एक्ज़िम बाज़ार आयोजित किए जा चुके हैं। एक्ज़िम बाज़ार ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय नाम कमाया है और खरीदारों और दस्तकारों द्वारा इसे समान रूप से पसंद किया जा रहा है।

नौवें एक्ज़िम बाज़ार का उद्घाटन।

भारत सरकार की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के अनुरूप, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल और श्रीलंका के दस्तकारों को नौवें एक्ज़िम बाज़ार में आमंत्रित किया गया था। यह पहली बार था जब इन पड़ोसी देशों के दस्तकारों ने अपने पारंपरिक कला उत्पादों के साथ एक्ज़िम बाज़ार में हिस्सा लिया। इसमें इन पांचों देशों के कुल 26 शिल्पकारों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के अतिरिक्त 20 राज्यों के ग्रासरूट उद्यमों के 55 से अधिक शिल्पकारों ने इसमें अपने कलाशिल्प प्रदर्शित किए।

बैंक, एक्ज़िम बाज़ार के माध्यम से विभिन्न भारतीय कलाओं और शिल्पों के संरक्षण और संवर्धन के लिए सहयोग प्रदान कर रहा है, जो लुप्त होने के कगार पर हैं। बैंक की इस पहल के जरिए उन्हें नया जीवन मिल रहा है। इनमें फड़ चित्रकारी, पिछवाई चित्रकारी, कावड़ चित्रकारी, चमड़े की कठपुतली, जयपुर ब्लू पॉटरी, सांझी कला, बीदरी कला, डोकरा कला, कौना हस्तशिल्प, गोंड कला, वारली चित्रकारी, पट्टचित्र, मधुबनी चित्रकारी आदि शामिल हैं।

नौवें एक्ज़िम बाज़ार का आयोजन राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय और हस्तकला अकादमी, नई दिल्ली में 3-6 सितंबर, 2022 के दौरान किया गया था। इसका उद्घाटन माननीय सांसद (राज्य सभा) पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह ने किया। इस दौरान वस्त्र मंत्रालय के सचिव श्री यू.पी. सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एक्ज़िम बाज़ार में शामिल हुए शिल्पकार और उत्पाद

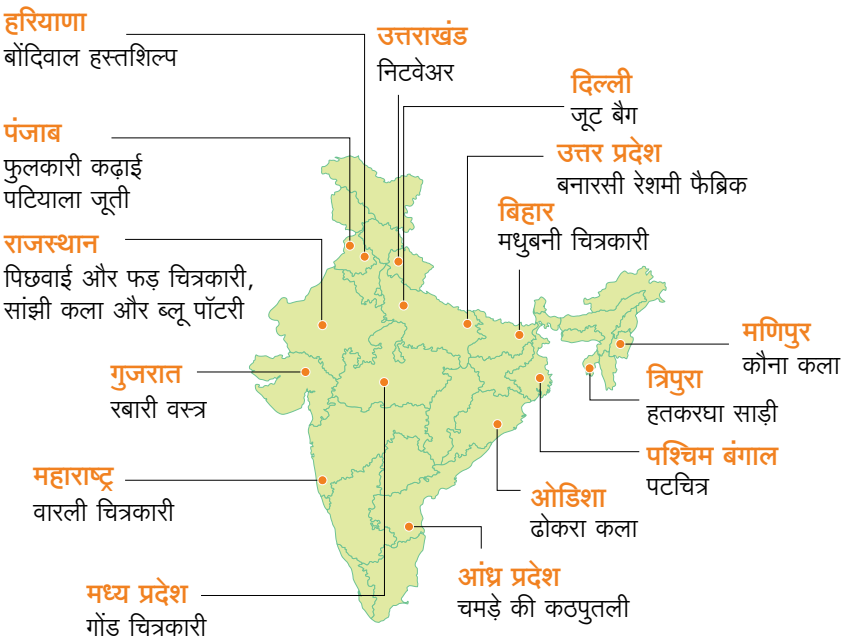

काला घोड़ा कला महोत्सव के साथ एक्ज़िम बैंक का सहयोग

ग्रासरूट उद्यमों को बड़े बाजार प्रदान करने के प्रयोजन से बैंक ने 4 से 12 फरवरी, 2023 के दौरान मुंबई में काला घोड़ा कला महोत्सव के साथ सह-प्रायोजक के रूप में भागीदारी की। इस नौ-दिवसीय प्रदर्शनी में संपूर्ण भारत के सभी राज्यों से भाग लेने वाले 150 मास्टर दस्तकारों और शिल्पकारों के पारंपरिक और समकालीन कला, शिल्प और टेक्सटाइल्स उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इसमें से बैंक ने देश के 20 राज्यों के 60 दस्तकारों को प्रायोजित किया।

कला घोड़ा कला महोत्सव (केजीएएफ) देश का सबसे बड़ा बहुसांस्कृतिक उत्सव (वार्षिक) है, जो शहर के साथ-साथ पूरे देश और दुनिया से हजारों कला-प्रेमियों को लुभाता रहा है। इस महोत्सव में शहर और शहर से बाहर के 150,000 से अधिक लोगों ने शिरकत की। केजीएएफ के साथ जुड़ने से बैंक द्वारा सहायता प्राप्त दस्तकारों को बड़े ग्राहक वर्ग तक पहुंचने में मदद मिली।

निर्यात केंद्रों के रूप में जिले

8 उपयुक्त कार्य और आर्थिक प्रगति

भारत सरकार की 'निर्यात केंद्रों के रूप में जिले' पहल, जिलों की निर्यात क्षमता को साकार करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, रोजगार और ग्रामीण उद्यमिता के अवसर सृजित करने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। भारत सरकार की इस पहल में योगदान देने के लिए, एक्ज़िम बैंक ने कुछ जिलों और उत्पादों को चिह्नित किया है, जिनके लिए जरूरी हैंडहोल्डिंग और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि उनकी वृद्धि की क्षमताओं को भुनाया जा सके।

बिहार के लीची उत्पादकों को सहायता

चीन के बाद भारत दुनिया में लीची का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत में, लीची बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल में उगाई जाती है। इन राज्यों में, बिहार देश में लीची उत्पादन के मामले में पहले स्थान पर है। राज्य में 36,000 हेक्टेयर भूमि पर लीची की खेती की जाती है, जिसमें अकेले मुजफ्फरपुर में ही लगभग 11,000 हेक्टेयर भूमि में लीची के बाग हैं। मुजफ्फरपुर, बिहार की शाही लीची को वर्ष 2018 से भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) टैग मिला हुआ है।

लीची की अच्छी मांग और निर्यात क्षमता के चलते, एक्ज़िम बैंक ने क्षमता विकास और निर्यात क्षमता संवर्धन के प्रयोजन से मुजफ्फरपुर को एक जिले और यहां की लीची को एक उत्पाद के रूप में चिह्नित किया।

बैंक ने प्री-कूलिंग मशीनरी, मध्यम आकार के ट्रैक्टर के साथ दो मशीनीकृत कीटनाशक स्प्रेयर खरीदने और उपकरणों की स्थापना के लिए प्लेटफॉर्म के निर्माण हेतु 'लीची ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ बिहार' को अनुदान प्रदान किया है। बैंक के उपाय से लीची की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी क्योंकि उत्पादकों के पास फसलों को लगने वाले रोगों को समय पर नियंत्रित करने के उपकरण होंगे। इसके अलावा, लीची जल्दी खराब होने वाला फल है, और प्री-कूलिंग सुविधा से इस फल को जल्दी खराब होने से बचाया जा सकेगा। मशीनरी की मदद से फसल प्रबंधन की लागत में भी कमी आएगी। ये सुविधाएं लीची के निर्यात के साथ-साथ उत्पादकों की आय बढ़ाने में भी मदद करेंगी।

गुंटूर में मिर्च उत्पादकों को सशक्त बनाना

गुंटूर, आंध्र प्रदेश में मिर्च का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र है। राज्य के कुल उत्पादन में इसका लगभग 30 प्रतिशत योगदान है। गुंटूर की लाल मिर्च को बैंक द्वारा 'निर्यात केंद्रों के रूप में जिले' पहल के अंतर्गत सहयोग प्रदान करने के लिए चिह्नित किया गया है।

बैंक ने, आंध्र प्रदेश के किसान उत्पादक संगठन 'उज्ज्वला फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' को एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) प्रशिक्षण

के साथ-साथ आईपीएम किट के जरिए सहायता प्रदान की है। बैंक ने मिर्च सुखाने की मशीन और पुलवराइजर, पैकेजिंग और स्टेम कटिंग मशीन जैसे उपकरणों की खरीद के लिए आंशिक वित्तपोषण के जरिए भी सहायता प्रदान की है। इससे मिर्च मूल्य श्रृंखला में मूल्य वर्धन, फसल विकास के माध्यम से मिर्च उत्पादन में वृद्धि, फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को रोकने, मिर्च की गुणवत्ता और उत्पादकता को बनाए रखने और इस क्षेत्र से मिर्च के निर्यात में वृद्धि होने की उम्मीद है। उत्पादकता बढ़ने से मिर्च उत्पादकों की आय बढ़ने की भी उम्मीद है। गुंटूर में मिर्च उत्पादकों के लिए बैंक की सहायता से उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होने की संभावना है और इस तरह कृषक समुदाय के लिए स्थायी आजीविका विकसित करने में भी योगदान दिया जा सकेगा।

गुंटूर में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम।

प्री-कूलिंग मशीनरी

कीटनाशक स्प्रेयर और ट्रैक्टर

डिजिटलीकरण पहलें

डिजिटलीकरण का सदुपयोग

एक्ज़िम मित्रः लघु और मध्यम उद्यमों के लिए प्रभावी सूचना माध्यम

एक्ज़िम बैंक का एक्ज़िम मित्र पोर्टल व्यापार संबंधी विभिन्न प्रकार की व्यापक जानकारी, सुविधा और सहायता सेवाएं प्रदान करता है। ये सूचनाएं संभावित और मौजूदा निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय जोखिमों का मूल्यांकन करने, निर्यात अवसरों का लाभ उठाने और प्रतिस्पर्धा में सुधार लाने में मदद करती हैं।

एक्ज़िम बैंक ने निर्यात संवर्धन में अपने दशकों के अनुभव और संस्थागत संबंधों का सदुपयोग करते हुए निर्यातकों तक व्यापार संबंधी सूचना सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए एक्ज़िम मित्र के रूप में एक प्लैटफॉर्म पर उपलब्ध कराई हैं।

एक्ज़िम मित्र भारतीय उद्यमियों के बीच व्यापार वित्त और ऋण बीमा सुविधाओं की जानकारी की उपलब्धता में विषमता को कम करने का प्रयास है। एक्ज़िम बैंक ने निर्यात के लिए वित्तपोषण के विकल्पों और निर्यात के लिए वित्त प्रदान करने वाली बैंक शाखाओं के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए कई बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के साथ भागीदारी की है। साथ ही, इस प्रकार का वित्तपोषण करने वाले बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से निधीयन का लाभ उठाने की इच्छुक कंपनियों के ऋण मूल्यांकन के लिए प्रारंभिक जानकारी को सुगम बनाने हेतु एक ऑनलाइन फार्म भी विकसित किया है।

एक्ज़िम मित्र अपने एफएक्यू और हेल्पलाइन सेक्शन के ज़रिए, निर्यात व्यवसाय के सभी पहलुओं से संबंधित जानकारी प्रदान करता है। सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए यह विशेषज्ञों की एक टीम के साथ चर्चापरक प्रणाली के रूप में भी कार्य करता है। बैंक की हेल्पलाइन ने भी विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातकों के 1000 से अधिक प्रश्नों का समाधान किया है।

देश में अधिकतर इंटरनेट उपयोगकर्ता अपने मोबाइल से इंटरनेट का उपयोग करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, बैंक एक्ज़िम मित्र मोबाइल ऐप भी लाने की योजना बना रहा है, ताकि इन सेवाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा सके। बैंक इस पोर्टल को फंक्शनैलिटी और उपयोक्ता अनुभव, दोनों के लिहाज से नया रूप देने की योजना बना रहा है। वेबसाइट को यथासंभव जेनरिक तरीके से डिज़ाइन किया जाएगा, जबकि मोबाइल ऐप को उपयोगकर्ताओं की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिहाज से डिजाइन किया जाएगा। बैंक प्रमुख निजी कंपनियों, सार्वजनिक एजेंसियों और मंत्रालयों के साथ सहयोग के अन्य अवसरों पर भी काम कर रहा है, जो एक्ज़िम मित्र प्लैटफॉर्म को यथासंभव प्रभावशाली बनाने में मदद कर सकते हैं।

न्यू ई-ट्रैकिंग एंड रिमोट एडमिनिस्ट्रेशन (नेत्र)

एक्ज़िम बैंक ने भारत सरकार की भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना (आइडियाज़) के अंतर्गत प्रदत्त एक्ज़िम बैंक की ऋण-व्यवस्थाओं (एलओसी) और रियायती वित्तपोषण (सीएफ) की निगरानी के लिए ''न्यू ई-ट्रैकिंग और रिमोट एडमिनिस्ट्रेशन'' (नेत्र) सॉफ्टवेयर विकसित किया है। बैंक ने एक व्यवस्थित रिपोर्टिंग प्रारूप में स्टेकहोल्डरों को डेटा प्रदान करने के लिए नेत्र एप्लिकेशन का वेब-आधारित एक्सटेंशन, नेत्र डैशबोर्ड भी विकसित किया है। नेत्र प्लेटफॉर्म के जरिए आयडियाज़ के अंतर्गत परियोजनाओं की निर्बाध और सुरक्षित सूचना तक पहुंच, अद्यतन स्थिति अपडेट और गुणवत्तापूर्ण परियोजनाओं की शीघ्र डिलीवरी जैसी सूचनाएं सुलभ हो जाती हैं। यह एलओसी/ सीएफ प्रक्रिया के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए वन स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है और भौतिक फाइलों पर निर्भरता को कम करते हुए भविष्य के लिए डेटा के भंडार के रूप में कार्य करेगा।

नेत्र प्लेटफॉर्म में तीन सॉफ्टवेयर शामिल हैं, नामतः

(क) नेत्र एलओसी मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म (नेत्र एलएमपी), जो परियोजना और कॉन्ट्रैक्ट संबंधी डेटा प्राप्त करने के लिए लैन आधारित सॉफ्टवेयर है;

(ख) नेत्र डैशबोर्ड, एक्ज़िम बैंक के साथ-साथ भारत सरकार के संबंधित विभागों के लिए मरीड ऑनलीफ वेब-आधारित पोर्टल है, जिसमें डेटा प्रस्तुत कर पूर्व-निर्धारित प्रारूप में एमआईएस रिपोर्ट स्वतः तैयार हो जाती हैं। नेत्र डैशबोर्ड में डेटा विश्लेषण के लिए ड्रिलडाउन की सुविधाओं के साथ ग्राफ और पाई चार्ट के माध्यम से पोर्टफोलियो के व्यापक अवलोकन की विशेषताएं भी शामिल हैं। 8 जून, 2022 को माननीय वित्त मंत्री द्वारा इस डैशबोर्ड का उद्घाटन किया गया और इसे चालू किया गया;

(ग) नेत्र मोबाइल ऐप में एंड्रॉयड और आईओएस डिवाइस के लिए नेत्र डैशबोर्ड उपलब्ध है। नेत्र डैशबोर्ड के साथ नेत्रा मोबाइल ऐप का भी उद्घाटन किया गया।

नेत्र में कुल मिलाकर 200 से अधिक डेटा पॉइंट/फील्ड के माध्यम से तीन अलग-अलग स्तरों पर डेटा रखा जाता है, अर्थात् (क) एलओसी (ख) परियोजना और (ग) कॉन्ट्रैक्ट। डेटा प्राप्त करने में जटिलता को दूर करने के लिए त्रि-स्तरीय संरचना को अपनाया गया है। विशेष रूप से ऐसे मामलों में जहां एक ही परियोजना या कॉन्ट्रैक्ट को कई एलओसी से वित्तपोषित किया जा रहा है या जोड़ा जा रहा है या एक कॉन्ट्रैक्ट कई परियोजनाओं से जुड़ा है।

इस एप्लिकेशन का उद्देश्य एलओसी/सीएफ के तहत प्रगति की गहन ट्रैकिंग और रिपोर्टिंग के लिए एक समेकित निगरानी प्लैटफॉर्म के रूप में कार्य करना है। यह सॉफ्टवेयर परियोजना की निगरानी और प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग तथा परियोजना कार्यान्वयन की प्रगति और समय-समय पर आवश्यक अन्य सभी संबंधित जानकारियों को ऑटोमेट करता है। एप्लिकेशन के माध्यम से, बैंक के लिए एलओसी से संबंधित ऑनलाइन रिपोर्ट जैसे भौगोलिक/क्षेत्रीय वितरण, एलओसी के तहत अनुमोदित और शामिल प्रत्येक परियोजना/ कॉन्ट्रैक्ट का विवरण, परियोजना/ कॉन्ट्रैक्ट कार्यान्वयन की स्थिति, आदि तक पहुंच और स्टेकहोल्डरों को समय पर जानकारी प्रस्तुत कराना सुगम होगा। यह एकीकृत एप्लिकेशन बैंक के भीतर एक केंद्रीकृत प्रणाली पर सूचना और दस्तावेजों को समेकित करते हुए आइडियाज़ के तहत बैंक के पोर्टफोलियो की सटीक रिपोर्टिंग के लिए अद्यतन जानकारी प्रदान करने में मदद करेगा।

डेटा के रखरखाव के अलावा, एलओसी/ सीएफ कार्यान्वयन प्रक्रिया की निगरानी, इस वित्तपोषण के संपूर्ण चक्र में हासिल किए गए 100 से अधिक माइलस्टोन कार्यों (एलओसी, परियोजना और कॉन्ट्रैक्ट स्तर पर) के कार्यान्वयन पर नजर रखते हुए की जाती है। नेत्र संबंधित स्टेकहोल्डरों को देय तारीखों के संबंध में अलर्ट जारी करता है और देरी के मामले में समय-समय पर अनुस्मारक भेजते हुए एलओसी कार्यान्वयन की निगरानी करता है। एलओसी प्रक्रियाओं और कार्यान्वयन में देरी के मामले में स्वचालित रूप से अलर्ट भेजने के लिए नेत्र को अद्यतन किया गया है। अपनी मजबूत निगरानी प्रणाली और स्वचालित अलर्ट के साथ, नेत्र एलओसी/सीएफ परियोजनाओं के समय पर और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एक दक्ष साधन सिद्ध हुआ है और भारत के विकास साझेदारी कार्यक्रमों के सफल निष्पादन में योगदान दे रहा है।

ग्राहक अनुभव और संतुष्टि

विकास गाथाओं की दास्तान

अनूठी

समग्र रूप से कहा जाए, तो अनूठी जिन महिलाओं के साथ काम करती है, उन्होंने अपने जीवन-स्तर में सफलता का वह मुकाम हासिल कर लिया है जो एक्ज़िम बैंक के सहयोग के बिना संभव नहीं था। इन महिलाओं की मदद करने और उनके जीवन में कुछ आनंद, खुशी और आर्थिक स्वतंत्रता लाने में हमें सक्षम बनाने के लिए, हम एक्ज़िम बैंक के बहुत आभारी हैं।

सुश्री जयमाला गुप्ता,
अनूठी की सह-संस्थापक

चन्नापटना टॉयज़

"हमारे गांव में लगभग 90 प्रतिशत लोग चन्नापटना खिलौने बनाने का काम स्वयं करते हैं। यह हाथ का काम है और इसमें हम वनस्पति रंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये प्राकृतिक रंग होते हैं और हानिकारक नहीं होते। हमारे पूर्वजों के समय से, यह हमारी रोजी-रोटी और हमारी आजीविका रही है। हम एक्ज़िम बैंक से जुड़े रहे हैं। हमें बहुत अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। एक्ज़िम बैंक हमें (प्रदर्शनियों में) नि:शुल्क स्टॉल दिलवाता है; यह वास्तव में हमारे लिए अच्छा है। हमें प्रदर्शनियों में अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है और लोग सराहना कर रहे हैं। काफी व्यवसाय हो रहा है।"

श्री के. युसूफ,
चन्नापटना टॉयज़

सिल्क एन टच

"हमें तो ऐसे लोगों की तलाश रहती है जो मौलिक हथकरघा उत्पाद दे सकें। इसी दरमियान हम सिल्क एन टच के संपर्क में आए। हमें उनकी कारीगरी बहुत पसंद आई। उन्होंने लंबा सफर तय किया है। उन्होंने 25 बुनकरों के साथ काम शुरू किया था और आज उनके पास करीब 100 लोग हैं। वो सिर्फ साड़ी ही नहीं, बल्कि दूसरे सुंदर फैब्रिक भी तैयार कर रहे हैं और कॉर्पोरेट्स के साथ काम करने की कला सीख गए हैं। आज वो लोग अपनी बुनाई में आधुनिक प्रयोग कर रहे हैं, जो बनारसी कारीगरी जैसी पारंपरिक कला के साथ बड़ा मुश्किल काम है और ये उत्पाद हमारे स्टोरों में उपलब्ध हैं। हम एक्ज़िम बैंक के साथ पार्टनरशिप से बहुत खुश हैं। सिल्क एन टच के इस उम्दा काम के लिए मैं एक्ज़िम बैंक को धन्यवाद देती हूं।"

सुश्री शालिनी गुप्ता,
बिजनेस हेड, टाटा टैनेरा

अहराम वीवर्स

"मैं इस हथकरघा फैक्टरी में कुछ महीनों से काम कर रहा हूं। एक्ज़िम बैंक हमारे गांव आया था और इसने हमें 3 महीने तक हथकरघा तकनीक और सिलाई का प्रशिक्षण दिया। और उस प्रशिक्षण के दौरान जो भी तकनीकें हमें सिखाई गई, उनसे हम बहुत लाभान्वित हुए हैं।"

सुश्री ई. मुथुमानी,
अहराम वीवर्स

बायोलॉजिकल ई

"हम यूएस एफडीए द्वारा अनुमोदित भारत की पहली और एकमात्र वैक्सीन कंपनी बन गए हैं। एक्ज़िम बैंक और हमारे बीच एक खास बात है और वह है देश के निर्यातों को बढ़ाना। हम इस वर्ष अधिक राजस्व आधार के साथ निर्यातों के प्रतिशत को बढ़ाने में सक्षम रहे। हमने निर्यात की मात्रा को लगभग तीन गुना कर दिया है और हमने अपना कार्यबल भी बढ़ाया है। हम लगभग 3200 लोगों से बढ़कर तकरीबन 5000 स्थायी कर्मचारियों और अतिरिक्त 2000 संविदा कर्मचारियों वाली कंपनी बन गए हैं। एक्ज़िम बैंक के साथ हमारी साझेदारी हमारे लिए किसी मिसाल से कम नहीं है। इससे हमें आगे बढ़ने और सही क्षेत्रों में निवेश करने में मदद मिली है। एक्ज़िम बैंक के सहयोग के लिए हम बहुत आभारी हैं और हम एक वैश्विक कंपनी के रूप में दूसरे देशों में निवेश करते हुए इन संबंधों के और सुदृढ़ होने की कामना करते हैं।"

श्री एन. रामामूर्ति,
उपाध्यक्ष (वित्त और लेखा) बायोलॉजिकल ई-लिमिटेड, बैंगलोर

बनयान नेशन

"बनयान" नेशन प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करने के लिए हजारों अनौपचारिक रिसाइकलरों के साथ मिलकर काम करता है और प्लास्टिक कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल में परिवर्तित करता है, जिसे गुणवत्ता परक उत्पादों और पैकेजिंग में उपयोग के लिए फिर से प्रयोग होने वाले दानों के रूप में परिवर्तित किया जाता है। हम एक्ज़िम बैंक के आभारी हैं कि उन्होंने जरूरत के समय पूंजी निवेश किया। इसे हम अपनी क्षमता को मौजूदा 6,000 टन प्रति वर्ष से दोगुना कर 12,000 टन प्रति वर्ष कर पाए हैं। हम एक्ज़िम बैंक के उभरते सितारे कार्यक्रम के लिए बहुत आभारी हैं।"

श्री मणि वाजपेयी,
सह-संस्थापक और सीईओ, बनयान नेशन

एक्ज़िम की ऋण सुविधा हमारे लिए बहुत उपयोगी रही है, क्योंकि इससे हम वास्तव में अपने उत्पाद का उन्नयन कर पाए हैं और कई बाजारों में विविधता ला रहे हैं। एक्ज़िम बैंक ने हममें जो भरोसा दिखाया, इस अवधि के दौरान हमें जिस तरह की मेंटरशिप मिली, परामर्श और मार्गदर्शन मिला, उसके लिए हम एक्ज़िम बैंक के आभारी हैं।

श्री राज मदनगोपाल,
सह-संस्थापक और सीओओ, बनयान नेशन

एकॉर्ड

"हम पिछले एक वर्ष से एक्ज़िम के साथ काम कर रहे हैं। हम एक ऐसी कंपनी हैं, जो जीएनएसएस तकनीक, जीपीएस में विशेषज्ञता रखती है। हमने इससे पहले जीपीएस चिपसेट की एक जनरेशन बनाई थी। अब हम दूसरी जनरेशन के चिपसेट बनाने की प्रक्रिया में थे, जब एक्ज़िम बैंक के उभरते सितारे कार्यक्रम ने इस चिपसेट के विकास में हमारी मदद की। इससे हम अपने उत्पादों की बड़ी मात्रा में बाजार में आपूर्ति कर सकते हैं। उभरते सितारे कार्यक्रम ने एकॉर्ड के साथ-साथ भारत की भी बड़े पैमाने पर मदद की है।"

श्री मुरली कृष्ण,
सीईओ, एकॉर्ड

"हमारे उत्पाद यूरोप, अमेरिका, एशिया के कई देशों में बिक रहे हैं। निर्यात बढ़ने की भी प्रबल संभावना है। हम ईएमएस हाउस को अधिक व्यवसाय देते हैं और इसके बदले में अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होता है। एक्ज़िम के साथ काम करना वास्तव में एक उत्कृष्ट अनुभव रहा। उनके दृष्टिकोण बिल्कुल स्पष्ट हैं, और किसी भी अन्य बैंक की तुलना में इसका डॉक्यूमेंटेशन काफी तीव्र है,जिसे हम दो सप्ताह की समय-सीमा में पूरा कर सके। एक्ज़िम बैंक का दृष्टिकोण बहुत प्रोफेशनल है।"

बोबजी श्रीनिवास,
ग्रुप सीएफओ, एकॉर्ड

कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

"हम मुख्य रूप से एक ईपीसी कंपनी हैं, जो ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों की आपूर्ति करती है। हम पिछले आठ से दस वर्षों से एक्ज़िम के साथ काम कर रहे हैं। हम इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हैं। अफ्रीका में बहुत सारी परियोजनाएं हैं किन्तु इनमें से अधिकांश देश फंडिंग की कमी का सामना करते हैं। एक्ज़िम के लिए यह एक अच्छा अवसर है। एनईआईए योजना के तहत बैंक का क्रेता ऋण कार्यक्रम है, जिसके जरिए हम अफ्रीकी ग्राहकों को सस्ती फंडिंग उपलब्ध करा सकते हैं। हम जहां भी जाते हैं, वहां प्रत्येक देश में लगभग 2000 लोगों का अतिरिक्त रोजगार सृजित करते हैं। इस सहयोग से हम ₹ 4000 से ₹ 5000 करोड़ के नए ऑर्डर भी ले पाए हैं। एक्ज़िम के साथ हमारी साझेदारी अद्भुत रही है। वे हमेशा यह देखते हैं कि वे हमारी सहायता कैसे कर सकते हैं। इसलिए, बहुत-बहुत धन्यवाद।"

श्री संजय डालमिया,
कार्यकारी निदेशक,
कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

एक्ज़िम को धन्यवाद, जिसके सहयोग से हम सेनेगल, कैमरून, माली, मॉरिटानिया में प्रवेश कर पाए। इन चार देशों में यह हमारा नया विस्तार था। हम उम्मीद करते हैं कि अगले कुछ वर्षों में कई और देश इस सूची में जुड़ेंगे। वे हमारी कार्यशील पूंजी के लिए फंड की व्यवस्था करने और वित्तपोषण प्राप्ति में भी हमारी मदद करते हैं। हमने पिछले तीन वर्षों में दो कंपनियों का अधिग्रहण किया है। आगे और अधिग्रहण की हमारी योजना है। क्रेता ऋण और ऋण-व्यवस्था के तहत, हमने पिछले पांच वर्षों में 600 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक की परियोजनाएं निष्पादित की हैं। वे अत्यधिक ग्राहक केंद्रित संस्था हैं। हम एक्ज़िम के साथ अपने संबंध से बहुत खुश हैं।

श्री रमेश भूत्रा,
अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय,
कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

सेडेमैक

हम विशिष्ट तकनीक का ऐसा उत्पाद बनाते हैं, जो अपने आप में अलग है। हम एक्ज़िम बैंक के सहयोग से उत्तरी अमेरिका में नए ग्राहक प्राप्त करने में सक्षम हुए। हम एक ऐसे क्षेत्र में हैं, जहां मुख्य रूप से विकसित देशों की कंपनियों का दबदबा है और हम इस क्षेत्र में भारत की एक स्वदेशी कंपनी बनना चाहते हैं। अभी हमारे लिए केवल एक शुरुआत है। वैश्विक बाजारों में अपने उत्पादों की आपूर्ति करने के मामले में हमारा विज़न बहुत बड़ा है। मुझे विश्वास है कि एक्ज़िम बैंक के सहयोग से हम आने वाले वर्षों में अपने निर्यात को कई गुना बढ़ाने में सक्षम होंगे।

श्री मनीष शर्मा,
सह–संस्थापक और सीओओ, सेडेमैक

एक्ज़िम बैंक का उभरते सितारे कार्यक्रम बहुत अच्छी पहल है। कोविड काल के दौरान जब फंड्स की कमी थी, तब एक्ज़िम बैंक ने हमें अपने तकनीशियनों को वेतन प्रदान करने जैसे खर्चों को पूरा करने में हमारी मदद की, वह भी प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण के जरिए। इस सहायता से हम प्रतिभाशाली इंजीनियरों को नियुक्त कर सके और प्रौद्योगिकी विकसित कर सके। 2021–22 में हम लगभग ₹ 40 करोड़ के उत्पादों का निर्यात कर पाए और अगले वर्ष, हमें उम्मीद है कि हम और अधिक निर्यात करेंगे।

राजेश शेठ,
वीपी, वित्त और लेखा प्रमुख, सेडेमैक

केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड

एक्ज़िम बैंक के साथ हमारा संबंध लगभग दो दशक पुराना है। केईसी, पावर ट्रांसमिशन, रेलवे और सिविलियन ट्रांसमिशन के क्षेत्र में एक प्रमुख ईपीसी कंपनी है। हमें ऐसी अधिकांश अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में एक्ज़िम बैंक से सहायता मिल जाती है, जिनके लिए हमें अंतरराष्ट्रीय बैंक गारंटी की आवश्यकता होती है। निधि आधारित और गैर–निधि आधारित सुविधाओं के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के अलावा, हम अफ्रीका, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका आदि में एक्ज़िम बैंक की ऋण–व्यवस्था वाली परियोजनाओं में भी प्रतिभागिता कर रहे हैं। प्रत्येक परियोजना में रोजगार के बड़े अवसर होते हैं। एक्ज़िम बैंक अंतरराष्ट्रीय बाजार में उल्लेखनीय एक्सपोज़र देता है और हम एक्ज़िम बैंक के आभारी हैं।

राजीव अग्रवाल,
सीएफओ,केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड

आइडिया फोर्ज

जब से हम एक्ज़िम बैंक के साथ जुड़े हमारा कारोबार लगभग पांच गुना बढ़ गया। बैंक की सहायता से ही हम देश में एक स्वदेशी प्रौद्योगिकी के लिए सौंपे गए सबसे बड़े ड्रोन कॉन्ट्रैक्ट को निष्पादित कर पाए। उन्होंने लगातार हमारे अन्य कार्यक्रमों के लिए भी हमारी सहायता की है।

पिछले कई वर्षों में, हमने ऐसी प्रौद्योगिकी विकसित की है जो हमारी तरह की पर्यावरणीय परिस्थितियों में काम करने में सक्षम है, और ये विश्व स्तर पर सबसे कठोर परिस्थितियों में से कुछ हैं। अब हमें निर्यात भी करने लगे हैं और ऐसे कई अवसर मिलने लगे हैं। चूंकि हमने काफी पहले से ही कुछ प्रणालियों को वैश्विक बाजार में शिपिंग करना शुरू कर दिया था और उनके उपयोग के संदर्भ में हमें जिस तरह की प्रतिक्रिया मिल रही है, उसे देखकर हम काफी उत्साहित हैं कि अगले कुछ वर्षों में यह और फलने-फूलने वाला है।

एक्ज़िम बैंक से हमें जो फंड मिला, उससे हम अपने वर्कफोर्स को बढ़ा पाए। हम लगभग 100 से अधिक लोगों को स्थायी रूप से या कॉन्ट्रैक्ट पर जोड़ने में सक्षम रहे और इससे अतिरिक्त लोगों के लिए भी रोजगार का सृजन हुआ। मुझे खुशी है कि उभरते सितारे कार्यक्रम हमारी जैसी कंपनियों को आवश्यक सहायता प्रदान करता है और अब हमें अपनी विकास यात्रा में पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं है।

श्री अंकित मेहता,
सह संस्थापक और सीईओ, आइडिया फोर्ज

रंगसूत्र क्राफ्ट

रंगसूत्र सामुदायिक स्वामित्व वाली कंपनी है और चूंकि इसमें दस्तकार शेयरहोल्डर हैं, इसलिए हमें अक्सर पैसे की कमी महसूस होती थी। लेकिन फिर एक्ज़िम बैंक के ग्रासरूट उद्यम विकास कार्यक्रम का पता चला और इसके तहत हमें कार्यशील पूंजी के लिए राशि मिली। इसकी सहायता से हमने महिलाओं को प्रशिक्षित किया। इससे अच्छे उत्पाद बनाने में सहायता मिली। इन उत्पादों को बाजार ने हाथों-हाथ लिया और इससे हुई आय से हमने आगे की प्रक्रिया शुरू की। यह एक पारंपरिक कला का काम है और जब हमने इन लोगों का काम दुनिया के सामने रखा तो लोग इनसे काफी प्रभावित हुए। हमने 1000 दस्तकारों के साथ शुरुआत की थी, लेकिन आज इसमें 2500 से अधिक दस्तकार शेयरहोल्डर हैं। इसके अलावा भी और कई दस्तकार हैं, जिन्हें हम काम दे रहे हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान में बीकानेर, बाड़मेर के पूरे क्षेत्र में काम कर रहे हैं। अभी आइकिया का काफी बड़ा ऑर्डर है जो कि लगभग ₹ 17 से ₹ 20 करोड़ का है। उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर हुई है। हमारे यहां काम करने वाली महिलाओं के लिए अच्छी सुविधाएं हैं। कम्युनिटी सेंटर बने हुए हैं, जहां सोलर प्लांट लगाए गए हैं। इससे उन्हें पूरी बिजली मिलती है और उन्हें काम करने में परेशानी नहीं होती। पहले लोग इस बारे में सोच भी नहीं सकते थे कि ये दस्तकार इस तरह के उत्पाद भी बना सकते हैं। हमने ₹ 2 करोड़ से शुरू कर ₹25 करोड़ तक के उत्पाद निर्यात करने का सफर तय किया है। इसके लिए हम एक्ज़िम बैंक को धन्यवाद देते हैं, जिनसे हमें व्यापार के लिए पूंजी मिली और इससे हमें काफी सहायता मिली।

श्री ओ.पी. साहू,
रंगसूत्र क्राफ्ट्स इंडिया

विविधता और कर्मचारी कल्याण

विविधता और समावेशन

समान आस्ति आधार वाली अन्य संस्थाओं की तुलना में, एक्ज़िम बैंक कम कर्मचारियों वाली छोटी संस्था है। यथा 31 मार्च, 2023 को बैंक में कुल कर्मचारियों की संख्या 366 रही। बैंक के मानव संसाधनों में बैंक के कार्यों के लिए आवश्यक विभिन्न विषय-क्षेत्रों के प्रोफेशनल शामिल हैं। इनमें बैंकर, बिजनेस स्कूल के स्नातक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अर्थशास्त्री, इंजीनियर और आईटी विशेषज्ञ शामिल हैं। बैंक में कर्मचारियों की औसत आयु 39 वर्ष है।

दिव्यांगों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के लिए पहलें

बैंक भारत सरकार की आरक्षण नीति का अनुपालन करता है और अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) से संबंधित अभ्यर्थियों के लिए भर्ती में आरक्षण प्रदान करता है। बैंक के कुल कार्यबल में 35.25% कर्मचारी आरक्षित श्रेणियों के हैं।

बैंक में आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की निगरानी मानव संसाधन प्रबंधन समूह द्वारा और शीर्ष प्रबंधन स्तर पर की जाती है। बैंक के प्रधान कार्यालय में वरिष्ठ कार्यपालक स्तर के दो संपर्क अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इनमें से एक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पीडब्ल्यूडी के लिए हैं और दूसरे अन्य पिछड़ा वर्ग और ईडब्ल्यूएस के लिए हैं। आरक्षण नीति के कार्यान्वयन से संबंधित अर्धवार्षिक समीक्षा रिपोर्ट यथा 30 जून को और वार्षिक रिपोर्ट यथा 31 दिसंबर को निदेशक मंडल को प्रस्तुत की जाती हैं।

भर्ती को प्रधान कार्यालय के स्तर पर केंद्रीकृत किया गया है तथा सीधी भर्ती के लिए गठित सभी साक्षात्कार समितियों में आरक्षित वर्ग के एक सदस्य को सम्मिलित किया जाता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूडी अभ्यर्थियों को भर्ती में आरक्षण नीति के तहत निर्धारित रियायतें उपलब्ध कराई जाती हैं। सीधी भर्ती और दिव्यांगों के लिए प्रत्येक ग्रेड/वेतनमान से संबंधित अलग-अलग रोस्टर बनाए जाते हैं। पिछली बैकलॉग रिक्तियों को भरने के लिए, बैंक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और पीडब्ल्यूडी श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए विशेष भर्ती अभियान आयोजित करता है। बैंक आरक्षित श्रेणियों के अभ्यर्थियों को पूर्व-भर्ती प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहन

5 लैंगिक समानता

बैंक समान अवसर प्रदान करने वाली संस्था है। बैंक सुनिश्चित करता है कि संस्था में कोई लैंगिक भेदभाव न हो। बैंक की कॉर्पोरेट संस्कृति एक अनुकूल परिवेश प्रदान करती है, जिसमें महिला कर्मचारियों से सम्मान, समानता के साथ व्यवहार किया जाता है और उन्हें विकास और सफलता के लिए प्रोत्साहित और सशक्त किया जाता है।

बैंक के कार्यबल में 44% महिलाएं हैं। इसके अलावा, बैंक के शीर्ष प्रबंधन में लगभग 35% महिलाएं हैं। महिलाएं वर्तमान में बैंक में अनुपालन, आंतरिक लेखा परीक्षा, कॉर्पोरेट संचार, विशेष परिस्थिति समूह, विधि, संपोषी उद्यम और निर्यात विकास, ऋण परिचालन और निगरानी जैसे महत्त्वपूर्ण समूहों और क्षेत्रीय कार्यालयों का नेतृत्व कर रही हैं। महिलाएं बैंक द्वारा गठित विभिन्न आंतरिक समितियों की सदस्य भी हैं और वस्तुतः बैंक में गठित सभी समितियों में उनका प्रतिनिधित्व है।

व्यावसायिक विकास, नेतृत्व, सॉफ्ट स्किल और विदेशी भाषाओं के क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए महिला अधिकारियों को भी नियमित रूप से नामित किया जाता है, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें।

बैंक लैंगिक उत्पीड़न के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। बैंक ने महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की शिकायतों पर विचार करने के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया है। बैंक अपने सभी कर्मचारियों की सुरक्षा को अत्यधिक महत्त्व देता है और एक सुरक्षित कार्य परिवेश प्रदान करता है।

बैंक हर वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाता है। यह महिलाओं की उपलब्धियों, तमाम चुनौतियों के बावजूद उनके आगे बढ़ते जाने और उनके अनूठे दृष्टिकोण तथा अनुभवों पर खुलकर बात करने का उत्सव है।

बैंक अपने कर्मचारियों को मातृत्व-पितृत्व में प्रवेश काल सहित उनके जीवन के सभी चरणों में सहयोग के महत्त्व को समझता है। बैंक की महिला अधिकारियों को बच्चे की देखभाल के लिए आवश्यकतानुसार प्रसवोत्तर और प्रसव पूर्व अवकाश दिया जाता है। बैंक ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 में हाल के संशोधनों को भी लागू किया है और बैंक के अधिकारियों के लिए क्रेच सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इन पहलों के माध्यम से बैंक, महिलाओं को अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाए रखने और आत्मविश्वास के साथ अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बना रहा है।

बैंक ने हमारी महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य और हित को बढ़ावा देने के लिए भी कई पहलें की हैं। बैंक में इन-हाउस योग कक्षाओं में भी विशेष सत्र होते हैं, जो महिलाओं में आमतौर पर होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर करने पर केंद्रित होते हैं। बैंक ने महिला अधिकारियों को आवश्यक चिकित्सा परामर्श की सुविधा प्रदान करने के लिए दो महिला चिकित्सकों को भी नियुक्त किया है।

प्रशिक्षण एवं विकास

बैंक अपने अधिकारियों को बैंकिंग, ऋण और वित्त पर प्रशिक्षण के लिए नियमित रूप से नामित करता है। नेतृत्व कौशल विकास के लिए, बैंक भारत और विदेशों में विभिन्न विकास कार्यक्रमों के लिए भी सभी स्तरों पर अधिकारियों को नामित करता है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, बैंक द्वारा अंतर्वैयक्तिक कौशल, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न के निवारण पर जागरूकता, प्रभावी व्यावसायिक संप्रेषण और व्यक्तित्व विकास तथा व्यावसायिक विकास के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसके अलावा, बैंक के परिचालन में जलवायु जोखिम और संपोषी वित्त के बढ़ते महत्त्व को देखते हुए, बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान इस क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन जोखिम, संपोषी वित्त विनियामक विकास जैसे क्षेत्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी अधिकारियों को नामित किया।

कर्मचारी स्वास्थ्य और कल्याण

एक्ज़िम बैंक अधिकारी–उन्मुख संस्था है। अपनी स्थापना के समय से ही, बैंक ने अनुकूल कार्य परिवेश को महत्त्व दिया है। इसका उद्देश्य न केवल राष्ट्रीय संस्थाओं की तुलना में बल्कि वैश्विक संदर्भों में भी परिचालन के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

बैंक अपने सार्वजनिक क्षेत्र के स्वामित्व से लाभान्वित होते हुए निजी क्षेत्र वाली कार्य नीति को अपनाता है। कार्य परिवेश की कुछ मुख्य विशेषताएं हैं– ऑफिस ऑटोमेशन पर जोर, ओपन ऑफिस संस्कृति, कामकाज में समुचित स्वतंत्रता देने वाली कार्य संस्कृति, संगठनात्मक कार्य–प्रणाली में न्यूनतम पदानुक्रम और निर्णय प्रक्रिया में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का शामिल होना। तीव्र निर्णय प्रक्रिया के लिए बैंक पदानुक्रम स्तरों को कम करते हुए एक क्षैतिज संगठनात्मक संरचना में कार्य करता है। परिणामस्वरूप, आंतरिक संप्रेषण स्वतंत्र और अबाधित होता है।

बैंक ने कर्मचारी कल्याण के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। इनमें बच्चों की शिक्षा, विवाह आदि जैसे व्यक्तिगत खर्चों के लिए कम ब्याज दरों पर ऋण, अधिकारियों और उनके पति/पत्नी के लिए व्यापक स्वास्थ्य जांच योजना, जन्मदिन पर उपहार हेतु वाउचर और हैम्पर शामिल हैं। इसके अलावा, बैंक परिवार के सदस्यों के चिकित्सा व्यय के लिए भी तत्काल अग्रिम प्रदान करता है। आश्रित परिवार के सदस्यों सहित बैंक के सभी कर्मचारी बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली चिकित्सा बीमा योजना के अंतर्गत आते हैं। किसी भी संभावित घटना की स्थिति में, बैंक कर्मचारियों को हर संभव तरीके से अधिकतम सहायता प्रदान करता है। व्यापक स्वास्थ्य जांच योजना और चिकित्सा सहायता योजना बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए भी उपलब्ध है।

बैंक जानता है कि इसकी सफलता के लिए एक खुश और स्वस्थ कार्यबल आवश्यक है। संतुष्ट और स्वस्थ कार्यबल के महत्त्व को समझते हुए बैंक, शहर के व्यस्त और थकाऊ वातावरण से दूर कर्मचारियों के लिए अनौपचारिक सम्मिलनों का आयोजन भी करता है।

बैंक, कर्मचारियों को स्वस्थ जीवन शैली जीने के लिए प्रोत्साहित करने क्रम में भी कई पहलें करता है। बैंक के भीतर टीम भावना विकसित करने, सौहार्द बढ़ाने और अधिकारियों को स्वस्थ जीवन शैली जीने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु खेल दिवस का आयोजन किया जाता है। बैंक ने कार्यालय समय के बाद कर्मचारियों के लिए टेबल टेनिस की सुविधा की भी व्यवस्था की है। बैंक द्वारा मैराथन, क्रिकेट, फुटबॉल, कैरम टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाता है। बैंक सर्वांगीण विकास और कौशल–विकास के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के साथ–साथ जिमनेशियम, ज़ुम्बा और योग कार्यक्रमों की सुविधा भी प्रदान करता है। बैंक स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से व्याख्यान की व्यवस्था भी करता है।

बैंक अपने कर्मचारियों में समुदाय और अपनेपन की भावना पैदा करने के महत्त्व को भी समझता है। इसके लिए, बैंक सामाजिक–सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने वाले कई कार्यक्रम आयोजित करता है। वार्षिक सम्मिलन समारोह में बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारियों सहित सभी कर्मचारी भाग लेते हैं। अधिकारी विभिन्न नृत्य, नाटकों आदि में भाग लेते हैं। बैंक में पारंपरिक दिवस मनाया जाता है, जहां अधिकारी अपने गृह राज्य या अपनी पसंद की विशिष्ट संस्कृति के पारंपरिक परिधान में कार्यालय आते हैं।

बैंक की सतत शिक्षा योजना, अधिकारियों के व्यवसाय से संबंधित आगे की शिक्षा प्राप्त करने को प्रोत्साहित करती है। यह योजना अधिकारियों को उनके क्षेत्र में नवीनतम उन्नयन के साथ अपडेटेड बने रहने, नया कौशल विकसित करने और नया सीखने तथा करियर में आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए तैयार की गई है।

कोविड–19 महामारी सभी के लिए चुनौतीपूर्ण समय रहा है। बैंक ने अपने अधिकारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए। कोविड–19 महामारी के दौरान चुनौतियों से निपटने के लिए एक कोविड कॉम्बैट फोर्स (सीसीएफ) का गठन किया गया था। सीसीएफ का मुख्य कार्य कोविड–19 से संबंधित घटनाओं को रोकने, तेजी से इसकी जांच कराने, प्रभावी ढंग से निदान के उपाय करने और अधिकारियों और उनके परिजनों एवं बैंक तथा बैंक के परिचालनों पर इसके प्रभाव को न्यूनतम करना था। सीसीएफ ने अधिकारियों में वायरस के प्रसार को रोकने और कार्यालयों तथा आवास में उत्पन्न होने वाली सभी समस्याओं को हल करने के लिए प्रभावी उपाय किए।

सीसीएफ टीम ने बैंक के परिचालनों की निरंतरता सुनिश्चित करने के प्रयास किए, जिनमें प्रमुख संसाधनों की प्रधान कार्यालय के निकट ठहरने की व्यवस्था करना, अन्य अधिकारियों के लिए परिवहन व्यवस्था, कार्यालय परिसर का रखरखाव, आवासीय परिसरों में लघु कार्यालयों की स्थापना के लिए आईटी टीम के साथ समन्वय करना, आवासीय परिसरों में सब्जी विक्रेताओं की व्यवस्था करना, मास्क और सैनिटाइजर का वितरण, जांच सुविधाओं की व्यवस्था और अस्पताल में भर्ती करना आदि शामिल रहा। टीम ने यह सुनिश्चित किया कि निवास से बाहर निकलने की आवश्यकता कम से कम हो। सीसीएफ टीम भारत में क्षेत्रीय कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों से भी जुड़ी रही और उनकी स्थिति का आकलन किया। ऐसे कई उदाहरण रहे, जब लॉकडाउन की शुरुआती अवधि के दौरान सीसीएफ के सदस्यों ने एक्ज़िमाइट्स के दरवाजे पर तब आवश्यक सामान पहुंचाने का अतिरिक्त प्रयास किया, जब हड़बड़ाहट में खरीदारी और आपूर्ति की कमी हो रही थी।

घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) के तहत काम करने वाले कर्मचारियों और उनके परिवारों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए सीसीएफ टीम में, बैंक के प्रत्येक आवासीय परिसर के एक प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया था। सीसीएफ ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए आवासीय परिसर में समय पर सैनिटाइज़ेशन और फ्यूमिगेशन भी सुनिश्चित किया।

बैंक ने ऐहतियातन स्वैच्छिक आधार पर अधिकारियों के लिए एंटीबॉडी/ आरटीपीसीआर जांच भी की और स्टाफ–सदस्यों के बीच इम्युनिटी बूस्टर टैबलेट वितरित की। बैंक द्वारा अपने स्वयं के परिसर और अस्पतालों में टीकाकरण अभियान भी चलाया गया।

उत्तरदायित्वपूर्ण आचरण और गवर्नेंस

बैंक संप्रेषण में पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करता है और सभी स्टेकहोल्डरों को पूर्ण, सटीक और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराता है। बैंक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की सर्वोत्कृष्ट पद्धतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए लगातार प्रयासरत रहा है। बैंक ने रणनीतिक नियंत्रण की एक व्यवस्था बनाई है और इसकी उपादेयता की निरंतर समीक्षा की जाती है। व्यवसाय और वित्तीय निष्पादन से संबंधित मामलों, और विश्लेषणात्मक डेटा और सूचना की समीक्षा को बोर्ड तथा बोर्ड की प्रबंध समिति को आवधिक आधार पर रिपोर्ट किया जाता है।

गवर्नेंस संरचना

स्वामित्व

100%
भारत सरकार का

भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम

एक्जिम बैंक का मिशन, उद्देश्य, भूमिका और कार्य-प्रणाली भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 में निहित किए गए अनुसार हैं, जो निदेशक मंडल के गठन और बैंक के सामान्य अधीक्षण और प्रबंधन को भी निर्दिष्ट करता है।

भारतीय निर्यात-आयात बैंक सामान्य विनियमावली

बोर्ड की बैठकों और बोर्ड की प्रबंध समिति की शक्तियों से संबंधित दिशानिर्देश, सामान्य प्रावधान आदि भारतीय निर्यात-आयात बैंक सामान्य विनियमावली में विहित अनुसार हैं।

बैंक भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली संस्था है, जो इसकी एकमात्र शेयरधारक है। बैंक का मूल मंत्रालय, वित्त मंत्रालय है, विशेष रूप से वित्तीय सेवाएं विभाग। एक्ज़िम बैंक का मिशन, उद्देश्य, भूमिका और कार्य-प्रणाली को भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 में विहित किया गया है, जो निदेशक मंडल के गठन और बैंक के सामान्य अधीक्षण और प्रबंधन को भी निर्दिष्ट करता है। भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम की एक मुद्रित प्रति (हिन्दी और अंग्रेजी में) एक्ज़िम बैंक के भारत और विदेशों में स्थित सभी कार्यालयों में उपलब्ध है। भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम को बैंक की वेबसाइट से भी सरलता से डाउनलोड किया जा सकता है।

निदेशक मंडल

बैंक के परिचालन निदेशक मंडल द्वारा शासित होते हैं। भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम में बोर्ड के गठन का प्रावधान है।

यथा 31 मार्च, 2023 को बोर्ड में दो पूर्णकालिक निदेशक, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले चार निदेशक, विनियामक का प्रतिनिधित्व करने वाले एक निदेशक, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख भारतीय बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन निदेशक, भारत की निर्यात ऋण बीमा कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक निदेशक और व्यापार और उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले एक निदेशक शामिल रहे।

बोर्ड-स्तरीय समितियां

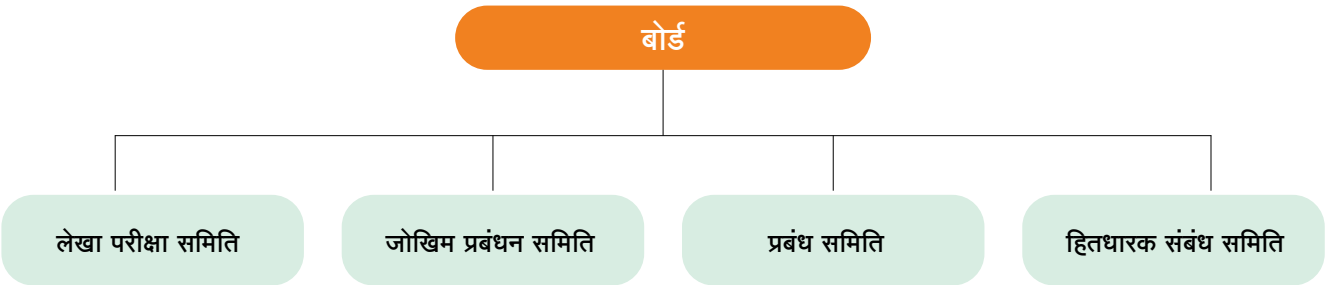

लेखा परीक्षा समिति

बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसी) बैंक के संपूर्ण लेखा परीक्षा कार्यों के लिए मार्गदर्शन देती है, ताकि एक प्रबंधन माध्यम के रूप में, इसकी प्रभावशीलता में वृद्धि हो और बैंक सांविधिक, बाहरी, आंतरिक और संगामी लेखापरीक्षा रिपोर्टों और आरबीआई निरीक्षण रिपोर्टों में उठाए गए सभी मुद्दों पर अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित कर सके। लेखा परीक्षा समिति (एसी) बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले तिमाही और वार्षिक वित्तीय विवरणों की समीक्षा करती है।

जोखिम प्रबंधन समिति

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) बैंक के लिए विभिन्न जोखिमों की निगरानी और उनका प्रबंधन करने के साथ-साथ ऋण जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालनगत जोखिमों के संबंध में एकीकृत जोखिम प्रबंधन के लिए नीति और रणनीति संबंधी कार्य देखती है।

प्रबंध समिति

बोर्ड की प्रबंध समिति (एमसी) ऋण प्रस्तावों के संबंध में अनुमोदन/पुष्टि/ संस्तुति करती है और संबंधित मामलों की समीक्षा करती है। अपनी शक्तियों के प्रयोग में, प्रबंध समिति बोर्ड द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले सामान्य या विशेष निर्देशों से बाध्य है।

हितधारक संबंध समिति

बैंक ने सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 के विनियम 20 के अनुसार, विशेष रूप से बैंक के ऋण प्रतिभूति धारकों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए हितधारक संबंध समिति का गठन किया है।

अनुपालन संस्कृति

बैंक में बोर्ड द्वारा अनुमोदित अनुपालन नीति लागू है। मुख्य अनुपालन अधिकारी, भारत सरकार, आरबीआई और अन्य विनियामकों और बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी लागू संविधियों, विनियमों और अन्य प्रक्रियाओं तथा नीतियों के अनुपालन विषयों के साथ-साथ यदि अनुपालन में कोई विचलन होता है तो उसे बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट करने के लिए उत्तरदायी हैं।

एक्ज़िम बैंक पर लागू सेबी के विभिन्न विनियमों का अनुपालन करने के लिए सेबी (लिस्टिंग बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 6(1) के अनुसार एक योग्य कंपनी सचिव को अनुपालन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

बैंक ने एक मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी नियुक्त किया है जो अन्य बातों के साथ-साथ, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 के तहत आवश्यकताओं के अनुसार सूचना प्रसार और अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के प्रकटीकरण के लिए उत्तरदायी है।

केवाईसी, एएमएल और सीएफटी उपाय

बैंक में आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुरूप, अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानदंडों, धन शोधन निवारण (एएमएल) मानकों और आतंकवाद के वित्तपोषण का प्रतिरोध (सीएफटी) के संबंध में बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति है।

केवाईसी, एएमएल और सीएफटी नीति में निम्नलिखित शामिल हैं:

- ग्राहक स्वीकार्यता नीति
- जोखिम प्रबंधन
- ग्राहक पहचान प्रक्रिया
- संव्यवहारों की निगरानी

बैंक द्वारा ऑनलाइन डेटाबेस सेवा का उपयोग किया जाता है, जो विश्व के सभी प्रमुख निकायों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और वित्तीय विनियामकों की चेतावनी सूचियों के संबंध में जानकारी प्रदान करता है। बैंक के सभी ग्राहकों को केवाईसी मानकों के अधीन लाया जाता है, जिससे स्वाभाविक/विधिसम्मत व्यक्ति और लाभार्थी स्वामित्व की पहचान में मदद मिलती है।

केवाईसी नीतियों और प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन में कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं, सावधि जमा धारकों, कोरेस्पॉन्डेंट बैंकों को चिह्नित करना और नए स्टाफ सदस्यों की भर्ती करना शामिल है। बैंक अपने काउंटरपार्टी बैंकों द्वारा केवाईसी मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पद्धति के अनुरूप वुल्फ्सबर्ग ग्रुप एएमएल प्रश्नावली के माध्यम से आवश्यक डेटा प्राप्त करता है।

बैंक आरबीआई तथा सेबी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट प्रक्रिया और तरीकों के अनुसार कतिपय संव्यवहारों के संबंध में जानकारियों का रिकॉर्ड रखता है। ये रिकॉर्ड संव्यवहारों की प्रकृति के अनुसार, व्यवसाय संबंध समाप्त होने के अंत से पांच वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिए सुरक्षित रखे जाते हैं। बैंक में मुख्य महाप्रबंधक के स्तर के एक अधिकारी को प्रधान अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जो बैंक के केवाईसी, एएमएल और सीएफटी उपायों के लिए उत्तरदायी हैं। केवाईसी-एएमएल-सीएफटी नीति का सारांश बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है।

जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क

जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी)

आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को)	ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी)	परिचालनगत जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी)

जोखिम प्रबंधन समिति बैंक के लिए विभिन्न जोखिमों (पोर्टफोलियो, लिक्विडिटी, ब्याज दर, बैलेंस-शीट से इतर और परिचालन जोखिमों) के संबंध में बैंक की स्थिति की समीक्षा करती है। साथ ही, आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को), निधि प्रबंधन समिति (एफएमसी), ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी) और परिचालनगत जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी) के परिचालनों की भी निगरानी करती है, जिनमें से सभी में क्रॉस-फंक्शनल प्रतिनिधित्व होता है।

जोखिम प्रबंधन समूह का नेतृत्व मुख्य जोखिम अधिकारी करते हैं, जो बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति को रिपोर्ट करते हैं।

एल्को जहां आस्ति देयता प्रबंधन नीति और प्रक्रियाओं से संबंधित विषयों को देखती है और बैंक के समग्र बाजार जोखिम (लिक्विडिटी, ब्याज दर जोखिम और मुद्रा जोखिम) का विश्लेषण करती है, वहीं सीआरएमसी बैंक-व्यापी आधार पर ऋण जोखिमों के विश्लेषण, प्रबंधन और नियंत्रण संबंधी कार्य करती है।

बैंक में एक उन्नत ऋण जोखिम प्रबंधन मॉडल (सीआरएम) है, जिससे (क्वालिटेटिव और क्वांटिटेटिव पैरामीटरों / उपायों को शामिल करते हुए) बैंक को बेहतर ऋण मूल्यांकन संबंधी निर्णय लेने और ऋण जोखिमों के आधार पर उधारकर्ताओं की आंतरिक ऋण ग्रेडिंग करने में मदद मिलती है। यह मॉडल किसी उधारकर्ता के उद्यम स्तर पर तथा इकाई की प्रतिभूति के आधार पर इकाई स्तर पर जोखिम का मूल्यांकन करने में मदद करता है। प्रस्तावों के लिए ऋण अधिकारियों द्वारा

दी गई रेटिंग की स्वतंत्र रूप से समीक्षा के लिए अलग रेटिंग समिति है।

ओआरएमसी बैंक में परिचालन संबंधी जोखिमों की समीक्षा करती है और पुनः ऐसी किसी घटना को रोकने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की संस्तुति करती है। साथ ही, बैंक की आईटी आस्तियों से संबंधित/ उत्पन्न होने वाले परिचालनगत जोखिमों को चिह्नित करने, उनका मूल्यांकन करने, और/या मापने, निगरानी करने और नियंत्रण/ जोखिमों को कम करने का काम करती है।

बैंक व्यवसाय निरंतरता और अपने सभी कार्यालयों की आपदा बहाली योजनाओं की वार्षिक समीक्षा करता है। जोखिमों के प्रभाव से बचने के लिए प्रत्येक योजना की भलीभांति जांच की जाती है कि ये योजनाएं संकट की स्थिति में व्यवसाय निरंतरता बनाए रखने के लिए कितनी कारगर हैं और जोखिम से सुरक्षा के उपाय कैसे हैं।

जोखिम वहन क्षमता नीति

बैंक ने अपने रणनीतिक, वित्तीय और परिचालन लक्ष्यों के अनुरूप, बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम वहन क्षमता नीति को अंगीकृत किया है। जोखिम वहन क्षमता के विवरण के भाग के रूप में प्रमुख आयामों में पूंजी पर्याप्तता, लाभप्रदता, ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, संकेंद्रण जोखिम, लिक्विडिटी जोखिम, परिचालन जोखिम, प्रतिष्ठा और अनुपालन संबंधी जोखिम शामिल हैं। इन जोखिम आयामों के तहत, प्रत्येक पैरामीटर के लिए निर्धारित टॉलरैंस सीमा सहित जोखिम वहन पैरामीटर होते हैं, जिनकी समय-समय पर समीक्षा की जाती है, और बैंक की जोखिम प्रबंधन समिति को छमाही आधार पर यह समीक्षा रिपोर्ट की जाती है।

ईएसजी गवर्नेंस फ्रेमवर्क

एक्ज़िम बैंक ने अपनी गवर्नेंस संरचना में बोर्ड द्वारा अनुमोदित ईएसजी नीति को अंगीकृत कर ईएसजी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया है। बैंक का लक्ष्य ईएसजी से संबंधित प्रकटीकरणों को निरंतर बढ़ाते रहना है। बैंक में एक अलग ईएसजी समूह है।

संपोषी विकास / उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तपोषण संबंधी नीति

बैंक का मानना है कि संपोषी विकास एक संस्थागत प्रतिबद्धता है और यह सुविचारित कॉर्पोरेट नागरिकता और श्रेष्ठ व्यवसाय पद्धतियों के मूल सिद्धांतों, दोनों का अभिन्न हिस्सा है। इसे साकार करने के लिए, सस्टैनेबिलिटी को संस्था की तमाम नीतियों, प्रक्रियाओं और परिचालनों से एकीकृत करने की आवश्यकता है। दूसरे शब्दों में, सस्टैनेबिलिटी कॉर्पोरेट पहचान और संस्कृति का केंद्र है।

उत्तरदायित्वपूर्ण वित्त का संबंध सुशासन, पूंजी संरक्षण और इसकी गुणवत्ता पर जोर, प्रभावी जोखिम प्रबंधन और सक्रिय सामाजिक और पर्यावरणीय उपायों से है। उत्तरदायित्वपूर्ण वित्त के लिए पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) जोखिम प्रबंधन को किसी वित्तीय संस्था की व्यावसायिक रणनीति और निर्णयन प्रक्रियाओं में एकीकृत करना आवश्यक है। तदनुसार, बैंक ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित 'संपोषी विकास/ उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तपोषण के लिए बैंक की पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस नीति' (ईएसजी नीति) को अंगीकृत किया है। इस नीति का उद्देश्य ईएसजी जोखिमों के आकलन और प्रबंधन के जरिए बैंक के वित्तपोषण संबंधी निर्णयों की तार्किकता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना, भारतीय कंपनियों की ईएसजी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना, सरकार के शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देना और सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। संपोषी वित्त के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को सुविचारित तरीके से सुदृढ़ करने के अलावा, ईएसजी नीति को बैंक की ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया से एकीकृत किया गया है और उसमें ईएसजी जोखिम मूल्यांकन को जोड़ा गया है। इस नीति में एक 'एक्सक्लूज़न लिस्ट' का भी प्रावधान है और ऐसे किसी भी ऋण प्रस्ताव को बैंक द्वारा वित्तपोषित नहीं किया जाता है जो इस सूची में प्रतिबंधित गतिविधियों के अंतर्गत आता हो। बैंक की ईएसजी और सस्टैनेबिलिटी पहलों

को बढ़ावा देने के लिए, ईएसजी मेट्रिक्स और उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तपोषण को बैंक के एक 'प्रमुख निष्पादन संकेतक' (केपीआई) के रूप में शामिल किया गया है।

बैंक संपोषी विकास और उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तपोषण के प्रयोजन को आगे बढ़ाने वाली परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए तत्पर रहता है। बैंक अपने जलवायु परिवर्तन से संबंधित वित्त को सुदृढ़ करने और पर्यावरणीय और सामाजिक रूप से सुविचारित वित्तपोषण की दिशा में अग्रसर है। बैंक ने भारतीय बैंक संघ की पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस संबंधी स्थायी समिति में एक सदस्य को भी नामित किया है, और यह इस क्षेत्र में अन्य बैंकों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

ईएसजी ढांचा (फ्रेमवर्क)

बैंक ने दिसंबर, 2021 में पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस फ्रेमवर्क (ईएसजी फ्रेमवर्क) विकसित किया था, जिसके तहत बैंक संपोषी बॉन्ड और ऋण जारी करता है और इनकी प्राप्य राशियों का इस्तेमाल, संपोषी अर्थव्यवस्था में अंतरण को सुगम बनाने वाली और विकासशील देशों में सामाजिक लाभ प्रदान करने वाली मौजूदा या भावी परियोजनाओं के आंशिक या पूर्ण वित्त या पुनर्वित्त के लिए करता है। ईएसजी फ्रेमवर्क छह हरित (पात्र हरित श्रेणियां – अक्षय ऊर्जा, सतत अपशिष्ट और जल प्रबंधन, प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण, स्वच्छ परिवहन, हरित भवन, ऊर्जा दक्षता) और चार सामाजिक क्षेत्रों (आवश्यक सेवाओं और बुनियादी ढांचे तक पहुंच, खाद्य सुरक्षा और सतत खाद्य प्रणाली, एमएसएमई वित्तपोषण, किफायती आवास) में पात्रता मानदंड को परिभाषित करता है। इस फ्रेमवर्क की समीक्षा सेकेंड पार्टी ओपिनियन (एसपीओ) प्रदाता – सस्टैनैलिटिक्स' द्वारा की गई है।

एसपीओ ने पुष्टि की है कि यह फ्रेमवर्क 'विश्वसनीय और प्रभावशाली' है और सस्टैनेबिलिटी बॉन्ड दिशानिर्देश 2021, ग्रीन बॉन्ड सिद्धांत 2021 और सामाजिक बॉन्ड सिद्धांत 2021 के अनुरूप है तथा अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार संघ (आईसीएमए) और हरित ऋण सिद्धांत 2021 और सामाजिक ऋण सिद्धांत 2021 द्वारा प्रशासित है। साथ ही, लोन मार्केट एसोसिएशन (एलएमए), एशिया पैसिफिक लोन मार्केट एसोसिएशन (एपीएलएमए) और लोन सिंडिकेशन एंड ट्रेडिंग एसोसिएशन (एलएसटीए) द्वारा प्रशासित है। एसपीओ ने यह भी उल्लेख किया है कि बैंक, परियोजनाओं से जुड़े सामान्य पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिमों से निपटने के लिए समुचित उपाय करने की अच्छी स्थिति में है।

संपोषी वित्त समिति

संपोषी वित्त समिति (एसएफसी) की अध्यक्षता उप प्रबंध निदेशक द्वारा की जाती है और इसमें मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), सस्टैनेबिलिटी समूह के प्रमुख और बैंक के विभिन्न क्षेत्रों के अन्य वरिष्ठ स्तर के अधिकारी शामिल होते हैं। सीएफओ, बैंक की ईएसजी नीति के कार्यान्वयन, ऋण प्रस्तावों की ईएसजी रेटिंग को मंजूरी देने और बैंक के ईएसजी ढांचे के तहत संपोषी वित्तपोषण संबंधी ट्रांज़ैक्शनों के रूप में पात्र परियोजनाओं को वर्गीकृत करने के लिए उत्तरदायी है।

ईएसजी जोखिम मूल्यांकन

बैंक ने अंतर्निहित ईएसजी जोखिमों को चिह्नित करने के लिए पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस फ्रेमवर्क को समग्र ऋण जोखिम मूल्यांकन फ्रेमवर्क के साथ एकीकृत किया है। बैंक ने ऋण प्रस्तावों में पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस संबंधी जोखिमों को चिह्नित करने और उनका आकलन करने के लिए इक्वेटर सिद्धांतों, स्थानीय विनियमों और सर्वोत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय पद्धतियों के आधार पर आंतरिक मॉडल विकसित किए हैं। ईएसजी जोखिमों का आकलन करने के लिए बिना किसी सीमा के सभी ऋण प्रस्तावों की जांच की जाती है। बैंक जलवायु परिवर्तन से होने वाली अनिश्चितताओं और आर्थिक वित्तीय प्रणालियों पर इसके प्रभाव को संज्ञान में लेता है। इन मॉडलों में पर्यावरणीय मापदंडों में जलवायु जोखिम संबंधी कारकों को भी शामिल किया गया है। बैंक ने सभी ऋण प्रस्तावों के लिए ईएसजी स्कोर और जोखिम वर्गीकरण को अनुमोदन देने के लिए एक समिति–आधारित दृष्टिकोण अपनाया है। इन मॉडलों के अनुसार जोखिम मूल्यांकन पारिस्थितिक तंत्र, समुदायों और जलवायु पर संभावित नकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण करने के लिए पहला आवश्यक कदम है। यदि ये प्रभाव अपरिहार्य हैं, तो इन्हें न्यूनतम और कम किया जाना चाहिए और जहां अवशिष्ट प्रभाव रहता है, वहां उधारकर्ताओं को पर्यावरणीय प्रभाव को समायोजित करने के लिए समुचित उपाय करने चाहिए। एसएफसी इन जोखिमों के न्यूनीकरण के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की संस्तुति कर सकती है।

ईएसजी केंद्रित अन्य नीतियां और तंत्र

बैंक में नीतियों, तंत्रों और विवरणों की एक विस्तृत शृंखला है, जो विभिन्न ईएसजी पहलुओं में बैंक की प्रतिबद्धता का मार्गदर्शन और सहयोग करती है।

व्यवसाय के नैतिक सिद्धांत

बैंक अपनी उपस्थिति और क्रियाकलापों के हर पहलू में उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रतिबद्ध है। बैंक मानता है कि यह भारत के नागरिकों द्वारा सृजित है और उन्हीं से अनवरत कार्यरत है। देश के नागरिकों के भरोसे और भारत की सार्वजनिक निधियों के प्रबंधक के रूप में, बैंक के हर कर्मचारी का नागरिकों के प्रति एक कर्त्तव्य और उत्तरदायित्व है तथा बैंक अपने सभी कार्यों में इससे निर्देशित होता है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में परिभाषित अनुसार बैंक एक सार्वजनिक प्राधिकरण है। तदनुसार, बैंक ने सूचना का अधिकार अधिनियम (www.eximbankindia.in/rti-act) की धारा 4(1)(बी) के अनुपालन में अपनी वेबसाइट पर सक्रियता से प्रकटीकरण किया है। बैंक की वेबसाइट (www.eximbankindia.in/rti-act) पर बैंक के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी, केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी, अपीलीय प्राधिकारी और पारदर्शिता अधिकारी के संपर्क विवरण उपलब्ध कराए गए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सूचना मांगने के निर्देश बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं।

व्यवसाय के नैतिक सिद्धांतों को केंद्र में रखकर बैंक द्वारा अंगीकृत की गई नीतियां और संहिताएं

निर्यात-आयात बैंक अधिकारी (आचरण, अनुशासन और अपील) विनियम

- बैंक ने निर्यात-आयात बैंक अधिकारी (आचरण, अनुशासन और अपील) विनियम* को अंगीकृत किया है, जो बैंक के सभी कर्मचारियों पर लागू है।
- इसमें बैंक के अधिकारियों पर यथा लागू सत्यनिष्ठा, आचरण, गोपनीयता का अनुपालन, हितों के टकराव, कदाचार के लिए दंड, अनुशासनिक प्रक्रिया, अपील आदि से संबंधित विनियम शामिल हैं।

नागरिक चार्टर

- बैंक की प्रतिबद्धता है कि अपने सभी हितधारकों के साथ सभी डीलिंग सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और सम्मान की बुनियाद पर आधारित होंगी।
- भारत के कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में बैंक विधियों और विनियमों का अनिवार्य रूप से पूर्णत: अनुपालन करेगा।
- अपने विभिन्न हितधारकों के प्रति बैंक के दायित्व इसके नागरिक चार्टर* में बताए गए हैं।

निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए आचार संहिता

- आचार संहिता* बनाई गई है और इसे बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है, जिसका, सुशासन पद्धतियों के लिए बैंक के निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।

आचार संहिता

- बैंक ने ऋणदाता की देयता के लिए आचार संहिता* को अंगीकृत है।
- संहिता दस्तावेज में आवेदन, मूल्यांकन, संवितरण, पर्यवेक्षण आदि जैसे सभी चरणों में बैंक की ऋण गतिविधियों में स्पष्टता, पारदर्शिता और अनुक्रियात्मकता सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाओं को संहिताबद्ध किया गया है।

विसल ब्लोअर नीति

- बैंक ने सचेतक (विसल ब्लोअर) नीति के रूप में एक सतर्कता तंत्र विकसित किया है और इसे अंगीकृत किया है।
- बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति इस सतर्कता तंत्र और सचेतक से प्राप्त सभी शिकायतों पर की गई कार्रवाई की प्रगति पर नजर रखती है।

घूसखोरी और भ्रष्टाचार विरोधी नीति

- सतर्कता-तंत्र के हिस्से के रूप में बैंक ने घूसखोरी और भ्रष्टाचार निरोधक नीति* को अंगीकृत है जो भ्रष्टाचार नियंत्रण और रिपोर्टिंग तंत्र की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करती है।

*बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है | बैंक के इंट्रानेट पर उपलब्ध है

कार्यस्थल और मानव पूंजी

बैंक, प्रतिभा विकास में विश्वास करता है और इसके लिए क्षमतावान व्यक्तियों को चिह्नित कर उन्हें आवश्यक ज्ञान और कौशल हासिल करने के लिए अवसर प्रदान करता है। बैंक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और उन्नति के अवसरों के माध्यम से अपने कर्मचारियों की व्यावसायिक संवृद्धि और विकास में निवेश करता है। एक सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य परिवेश प्रदान करने के क्रम में बैंक किसी भी प्रकार के उत्पीड़न का सख्ती से निषेध करता है। बैंक कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न के प्रति जीरो टॉलरेंस रखता है और कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम के अनुरूप इस संबंध में एक नीति को अंगीकृत किया है। कर्मचारियों द्वारा उठाई गई शिकायतों के समाधान के लिए बैंक में एक आंतरिक समिति है।

शिकायत निवारण-तंत्र

बैंक ग्राहकों की शिकायतों को दूर करने और विवादों को तुरंत और निष्पक्ष रूप से हल करने के महत्त्व को समझता है। कोई भी उधारकर्ता अपनी शिकायतों के निवारण के लिए, 'उधारकर्ताओं के लिए शिकायत निवारण अधिकारी' को लिख सकते हैं, जो एक पदनामित वरिष्ठ अधिकारी होते हैं। पदनामित अधिकारी के किसी भी निर्णय से असंतुष्ट उधारकर्ता अपीलीय प्राधिकारी को अपना अभ्यावेदन दे सकते हैं। अपीलीय प्राधिकारी सामान्यतया बैंक के उप प्रबंध निदेशक होते हैं और उनकी अनुपस्थिति में, प्रबंध निदेशक अपीलीय प्राधिकारी होते हैं। शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था की गई है और उधारकर्ताओं के लिए शिकायत निवारण अधिकारी और उधारकर्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए अपीलीय प्राधिकारी और निवेशक शिकायतों की सहायता और निपटान के लिए अधिकारी के विवरण बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं।

सूचना सुरक्षा और डेटा संरक्षण

सूचना सुरक्षा, सूचना जोखिमों को कम करते हुए सूचना को सुरक्षित रखने की पद्धति है। सूचना सुरक्षा संबंधी क्रियाकलाप, बैंक के डेटा और सिस्टम को अनधिकृत पहुंच, चोरी या क्षति से बचाने के लिए सुरक्षा नियंत्रणों को लागू करने और बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं।

साइबर सुरक्षा नीति और साइबर संकट प्रबंधन योजना

साइबर सुरक्षा नीति और साइबर संकट प्रबंधन नीति, साइबर सुरक्षा संबंधी फ्रेमवर्क के रणनीतिक दिशानिर्देशों को परिभाषित करते हैं। यह फ्रेमवर्क बैंक के साइबर बुनियादी ढांचे, व्यावसायिक सेवाओं तथा अन्य संबंधित सिस्टम्स पर साइबर हमलों का प्रभावी ढंग से पता लगाने, समुचित कार्रवाई करने और रिकवरी के लिए जरूरी है।

सूचना सुरक्षा नीति

सूचना सुरक्षा नीति में वे नियम और सिद्धांत निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें बैंक द्वारा अपनी प्रक्रियाओं और कंप्यूटर एवं सूचना संसाधनों को उपयोग में लाने के लिए क्रियान्वित किया जाता है। सूचना सुरक्षा नीति, किसी सूचना संपत्ति को हानि, या संभावित नुकसान से बचाती है और संसाधनों के समुचित उपयोग में मददगार है। यह नीति बैंक में व्यापक सूचना सुरक्षा तंत्र स्थापित करने हेतु प्रबंधन की गंभीरता को भी प्रदर्शित करती है।

सूचना सुरक्षा कार्य के मुख्य उद्देश्य हैं:

- **गोपनीयता:** यह सुनिश्चित करना कि संवेदनशील जानकारी तक केवल अधिकृत कर्मियों की ही पहुंच हो और अनधिकृत व्यक्तियों या संस्थाओं के समक्ष प्रकट न हो।
- **सत्यनिष्ठा:** अनधिकृत परिवर्तन या छेड़छाड़ से सूचना को सुरक्षित रखना ताकि सूचना की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।
- **उपलब्धता:** यह सुनिश्चित करना कि जरूरत पड़ने पर अधिकृत कर्मियों के लिए सूचना सुलभ हो और साइबर हमलों या अन्य सुरक्षा घटनाओं से सिस्टम प्रभावित न हों।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बैंक ने फायरवॉल, एन्क्रिप्शन, एक्सेस कंट्रोल और वल्नरेबिलिटी प्रबंधन जैसे शृंखलाबद्ध सुरक्षा नियंत्रण विकसित किए हैं। सूचना सुरक्षा कार्य का नेतृत्व मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सिसो) द्वारा किया जाता है, जो सुरक्षा नियंत्रणों के कार्यान्वयन और रखरखाव संबंधी कार्य देखते हैं। सिसो यह सुनिश्चित करने के लिए अन्य विभागों और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ मिलकर काम करते हैं कि बैंक की सुरक्षा स्थिति बैंक के समग्र लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप है।

साइबर अपराधियों के रूप में साइबर जोखिम परिदृश्य बहुत खराब हो गया है और साइबर हमलों के खतरे, तेजी से परिष्कृत रूप में ग्राहकों और कर्मचारियों को लक्षित कर रहे हैं। साइबर जोखिम को कम करने के लिए, बैंक ने सूचना सुरक्षा और डेटा सुरक्षा के लिए एक सुपरिभाषित गवर्नेंस संरचना बनाई है। बैंक में CISO के नेतृत्व में एक सूचना सुरक्षा इकाई (आईएसयू) का गठन किया गया है और बोर्ड द्वारा अनुमोदित सूचना सुरक्षा नीति, साइबर सुरक्षा नीति और साइबर संकट प्रबंधन योजना को अंगीकृत किया गया है।

साइबर सुरक्षा नीति और साइबर संकट प्रबंधन योजना साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क के संबंध में रणनीतिक दिशानिर्देशों को परिभाषित करती हैं, जो बैंक की साइबर अवसंरचना, व्यवसाय सेवाओं और अन्य संबंधित आस्तियों पर प्रभावी ढंग से साइबर हमलों का पता लगाती हैं, जिसमें

उन साइबर हमलों पर समुचित कार्रवाई करना और रिकवरी शामिल है।

आईएसयू द्वारा डेटा सुरक्षा जोखिम और साइबर सुरक्षा संबंधी विनियमों के अनुपालन जैसे अन्य साइबर सुरक्षा संबंधी मामलों की निगरानी की जाती है। बैंक ने साइबर खतरे से बचे रहने के लिए सक्रिय रूप से साइबर स्वच्छता (हाइजीन) में सुधार और नियंत्रण परिवेश के लिए विशिष्ट संसाधन लगाना जारी रखा है।

आईएसओ 27001 प्रमाणन सूचना सुरक्षा प्रबंधन के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक है। यह सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) की स्थापना, कार्यान्वयन, रखरखाव और इसमें लगातार सुधार लाने की अपेक्षाओं को निर्धारित करता है। इस मानक में सूचना सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिनमें जोखिम प्रबंधन, सुरक्षा नीतियां और प्रक्रियाएं, पहुंच नियंत्रण, घटना प्रबंधन और व्यवसाय निरंतरता शामिल हैं। बैंक का डेटा सेंटर (डीसी) और आपदा बहाली स्थल आईएसओ 27001:2013 प्रमाणित हैं। इसमें एक अपेक्षा मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकाय द्वारा ऑडिट कराना भी शामिल है, जो यह सत्यापित करता है कि बैंक का आईएसएमएस, आईएसओ 27001 की अपेक्षाओं के अनुपालन में है।

बैंक ने उद्यम स्तर पर सूचना आस्तियों की निगरानी के लिए सुरक्षा परिचालन केंद्र (एसओसी) की स्थापना की है। एसओसी में सुरक्षा सूचना और इवेंट मैनेजमेंट (एसआईईएम) सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है, जो बैंक की प्रौद्योगिकी अवसंरचना में उत्पन्न लॉग एकत्र और संकलित करता है। बैंक की आस्तियों की निगरानी की जा रही है। एसओसी टीम द्वारा रक्षा और नेटवर्क सुरक्षा में कमी चिह्नित करने के लिए रेड टीमिंग कार्य भी किया जाता है।

बैंक ने नियमित रूप से वल्नरेबिलिटी मूल्यांकन और पेनिट्रेशन जांच (वीएपीटी) के लिए इन-हाउस क्षमताएं विकसित की हैं। बैंक गोपनीयता, सत्यनिष्ठा और उपलब्धता (सीआईए) के अनुसार आईटी जोखिम मूल्यांकन करता है और सूचना आस्तियों की समुचित जोखिम रैंकिंग के साथ एक जोखिम रजिस्टर तैयार करता है।

बैंक सूचना/साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई पहलें करता है और साइबर सुरक्षा खतरों पर कर्मचारियों, विक्रेताओं और अन्य हितधारकों के लिए नियमित रूप से जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, और डिजिटल प्लेटफॉर्मों के सुरक्षित तरीके से उपयोग के संबंध में दिशानिर्देश जारी करता है।

सतर्कता

सतर्कता बैंकिंग उद्योग का एक मूलभूत पहलू है, जो परिचालनों की सुरक्षा, सत्यनिष्ठा और अनुपालन सुनिश्चित करता है। बैंक में एक मुख्य सतर्कता अधिकारी हैं। सतर्कता संबंधी किसी भी मामले के लिए बैंक की मुख्य सतर्कता अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है। उनके संपर्क विवरण बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं। (www.eximbankindia.in/vigilance)

वर्ष 2022-23 के दौरान, बैंक द्वारा 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत, विकसित भारत' थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन प्रबंध निदेशक और उप प्रबंध निदेशक द्वारा कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाने के साथ किया गया, जिन्होंने कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा के उच्चतम स्तर को बनाए रखने और कार्यस्थलों और जीवन के हर क्षेत्र से भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए लगातार काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान, बैंक ने तेलंगाना के विशेष सुरक्षा बल के महानिदेशक द्वारा ''भ्रष्टाचार अपराधों को कम करना'' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया, जिन्होंने भ्रष्टाचार की बुराइयों के बारे में बताया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम पर कर्मचारियों और जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए, बैंक की वेबसाइट, इंट्रानेट, वर्कस्टेशन के साथ-साथ सोशल मीडिया जैसे विभिन्न चैनलों का उपयोग करते हुए इस विषय पर जागरूकता बढ़ाई गई। सप्ताह के दौरान, प्रबंध निदेशक, मुख्य सतर्कता अधिकारी और उप प्रबंध निदेशक ने बैंक की सतर्कता ई-पत्रिका का विमोचन किया। सप्ताह के दौरान, सतर्कता संबंधी कार्यों और व्यावसायिक नैतिकता के महत्त्व के प्रति जागरूकता पर केंद्रित एक प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गई।

केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्देशित अनुसार, पूरे वर्ष निवारक सतर्कता पर जोर देने के क्रम में, संपत्ति प्रबंधन, रिकॉर्ड कीपिंग, प्रौद्योगिकीय पहलों, दिशानिर्देशों को अपडेट करने सहित निवारक सह आंतरिक हाउस-कीपिंग गतिविधियों पर केंद्रित तीन मास का अभियान चलाया गया।

बेहतर अनुपालन और अभिशासन बनाए रखने के लिए केंद्रीय सतर्कता अधिकारी द्वारा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालयों का नियमित दौरा किया जाता है।

भारतीय निर्यात-आयात बैंक

प्रधान कार्यालय

केन्द्र एक भवन, 21 वीं मंज़िल,
विश्व व्यापार केन्द्र संकुल,
कफ़ परेड, मुंबई - 400 005.
फोन : +91 22 22172600
ई-मेल : ccg@eximbankindia.in
वेबसाइट : www.eximbankindia.in

अहमदाबाद
साकार II, पहली मंज़िल, एलिसब्रिज शॉपिंग सेंटर के पास, एलिसब्रिज पी.ओ., अहमदाबाद - 380 006.
फोन: (+91 79) 6576852/26576843
ई-मेल: eximahro@eximbankindia.in

बेंगलूरु
रमणश्री आर्केड, चौथी मंज़िल, 18, एम. जी. रोड,
बेंगलूरु - 560 001.
फोन: +91 80 25585755/25589101-04
ई-मेल: eximahro@eximbankindia.in

चंडीगढ़
सी-213, दूसरी मंज़िल, एलान्ते कार्यालय, औद्योगिक क्षेत्र फेज -1
चंडीगढ़ - 160 002.
फोन: +91 172 4629171-73,
ई-मेल: eximcro@eximbankindia.in

चेन्नै
ओवरसीज टॉवर्स, चौथी एवं पांचवीं मंज़िल,756-एल, अन्ना सलाई
चेन्नै- 600 002.
फोन: +91 44 28522830/31
ई-मेल: eximchro@eximbankindia.in

गुवाहाटी
नेडफी हाउस, चौथी मंज़िल, जी. एस. रोड, दिसपुर, गुवाहाटी 781 006.
फोन: +91 361 2237607/609
ई-मेल: eximgro@eximbankindia.in

हैदराबाद
गोल्डन एडिफिस, दूसरी मंज़िल, 6-3-639/640, खैरताबाद सर्कल,
हैदराबाद 500 004.
फोन: +91 40 23307816-21
ई-मेल: eximhro@eximbankindia.in

कोलकाता
वाणिज्य भवन, चौथी मंज़िल, (अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुगमीकरण केंद्र), 1/1 वुड स्ट्रीट, कोलकाता 700 016.
फोन: +91 33 68261301
ई-मेल: eximkro@eximbankindia.in

मुंबई
8वीं मंज़िल, मेकर चैंबर खत, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021.
फोन: +91 22 22861300
ई-मेल: eximmro@eximbankindia.in

नई दिल्ली
ऑफिस ब्लॉक, टॉवर 1, सातवीं मंज़िल, रिंग रोड के पास, किदवई नगर (पूर्व), नई दिल्ली 110 023.
फोन: +91 11 61242600/24607700
ई-मेल: eximndo@eximbankindia.in

पुणे
नं. 402 और 402 (बी), चौथी मंज़िल, सिग्नेचर बिल्डिंग, भाम्बुर्डा, भंडारकर रोड, शिवाजी नगर, पुणे - 411 004.
फोन: +91 20 26403000
ई-मेल: eximpro@eximbankindia.in

विदेश स्थित

लंदन (शाखा)
5वीं मंजिल, 35, किंग स्ट्रीट, लंदन-ईसी 2वी 8 बीबी, यूनाइटेड किंगडम
फोन: +44 20 77969040
ई-मेल: eximlondon@eximbankindia.in

आबिदजान
5वीं मंज़िल, अज्यूर बिल्डिंग, 18- दॉक्तर क्रोज़े रोड, प्लेत्यो- आबिदजान, कोत दि'वार
फोन: +225-27 20 24 29 51/ 37
ईमेल: eximabidjan@eximbankindia.in

अदिस अबाबा
हाउस नं. 46, जैक्रोस एस्टेट कंपाउंड, वोरेडा 07, बोले सब-सिटी, अदिस अबाबा, इथियोपिया.
फोन: +251 118 22296
ई-मेल : aaro@eximbankindia.in

ढाका
मधुमिता प्लाज़ा कॉनकॉर्ड, 12वीं मंज़िल, प्लॉट संख्या 11, रोड नंबर 11, ब्लॉक जी, बानानी, ढाका - 1213 बांग्लादेश
फोन: (880) 255042444
ईमेल: eximdhaka@eximbankindia.in

दुबई
लेवल 5, टेनेंसी 1 बी,गेट प्रीसिंक्ट बिल्डिंग नं.3,
दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र,
पो ओ बॉक्स नं. 506541, दुबई, यूएई
फोन: +971 4 3637462
ई-मेल: eximdubai@eximbankindia.in

जोहांस्बर्ग
दूसरी मंज़िल, सैंडटन सिटी ट्विन टॉवर्स ईस्ट,सैंडहर्स्ट एक्सटेंशन 3, सैंटन 2196, जोहांस्बर्ग, दक्षिण अफ्रीका
फोन : +27 11 3265103/13
ई-मेल : eximjro@eximbankindia.in

सिंगापुर
20, कोलियर क्रे, #10-02, सिंगापुर 049319
फोन: +65 65326464
ई-मेल: eximsingapore@eximbankindia.in

वाशिंगटन डी.सी.
1750 पेंसिल्वेनिया एनेन्यू एन. डब्ल्यू, सूइट 1202, वाशिंगटन डी.सी. 20006, संयुक्त राज्य अमेरिका.
फोन: +1 202 223 3238
ई-मेल: eximwashington@eximbankindia.in

यॉंगॉन
हाउस नं. 54/ए, तल मंज़िल, बोयारन्युत मार्ग, डैगन टाउनशिप, यॉंगॉन, म्यांमार.
फोन: +95 9423694109 / 9750139774
ई-मेल: eximmyangon@eximbankindia.in

इंडिया एक्ज़िम बैंक

केंद्र एक भवन, 21वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केंद्र संकुल, कफ़ परेड, मुंबई – 400 005

+91-22-22172600 ccg@eximbankindia.in www.eximbankindia.in | www.eximmitra.in

हमें फॉलो करें